

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक  
WEEKLY

सं. 35 ] नई दिल्ली, अगस्त 23—अगस्त 29, 2009, शनिवार/भाद्र 1—भाद्र 7, 1931  
No. 35] NEW DELHI, AUGUST 23—AUGUST 29, 2009, SATURDAY/BHADRA 1—BHADRA 7, 1931

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पुस्तक संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

कार्यालय : आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क और सेवा कर  
Bhopal, 11 अगस्त, 2009  
क्र. 01/2009

का.आ. 2320.—आयुक्त कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, भोपाल के निम्नलिखित अधिकारियों का देहावसान उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गए दिनांक को हो गया है—

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम	निधन दिनांक
1.	श्री नरेन्द्र गुहा	अधीक्षक	12-6-2009
2.	श्री श्रीकान्त अर. मोहादीकर	निरीक्षक	19-5-2009

[सी. सं. II(25)01/2000/स्वा. I]  
एन. पी. अग्रवाल, संयुक्त आयुक्त (का/स.)

OFFICE OF THE COMMISSIONER, CUSTOMS, CENTRAL EXCISE AND SERVICE TAX

Bhopal, the 11th August, 2009

No. 01/2009

S.O. 2320.—The following officers of Customs and Central Excise Commissionerate, Bhopal have passed away on the dates mentioned before their name :—

S. No.	Name of the Officer	Designation	Date of death
1.	Shri Narendra Guha	Superintendent	12-6-2009
2.	Shri Shirkant R. Mohadikar	Inspector	19-5-2009

[C. No. II (25) 01/2000/E. I]  
N. P. AGARWAL, Jt. Commissioner, (P&V)

## वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2009

क्र.आ. 2321.—केंद्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अनधिकृत अधिभोगियों की केवदाली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार (व्यय विभाग) की अधिसूचना संख्या का.ओ. 1467 तारीख 29 मई, 1989 को उन बातों के सिवाय अधिकृत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, नीचे तालिका के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए संवदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तंभ (2) में प्रास्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सभी सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संवदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

## सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों के वर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
पुरी स्थित वरिष्ठ उप महालेखाकार (संकर्म लेखा परीक्षा और परियोजना), या उप महालेखाकार (संकर्म लेखा परीक्षा और परियोजना) शाखा कार्यालय (वाणिज्यिक, संकर्म एवं प्राप्ति लेखापरीक्षा), उड़ीसा, पुरी।	पुरी स्थित लेखा एवं लेखापरीक्षा विभाग के सभी परिसर।
टिप्पण : दिए गए समय में मात्र एक अधिकारी संवदा अधिकारी के कृत्यों का निर्वहन करेगा।	

[फा. सं. ए-11013/1/2009-ईजी]

अर. प्रेम आनंद, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 12th August, 2009

S.O. 2321.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India (Department of Expenditure) bearing S.O. No. 1467 dated 29th May, 1989, except as respect of things done or omitted to have been done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer equivalent to the rank of gazetted officer of the Central Government to be the estate officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act, within the local limits of his respective jurisdiction in respect of public premises specified in column (2) of the said Table.

## TABLE

Designation of the Officer	Categories of the public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Senior Deputy Accountant General (Works Audit and Projects) or Deputy Accountant General (Works Audit and Projects), Branch office of Accountant General (Commercial, Works and Receipt Audit), Orissa, at Puri.	All Premises of Indian Audit and Accounts Department at Puri.

Note : At a given point of time only one officer shall discharge the functions of estate officer.

[F.No. A-11013/01/2009-EG]

R. PREM ANAND, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2009

का.आ. 2322.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5घ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 2009-10 के आगे से संगठन सी.आर. राव एडवान्सड इन्स्टीट्यूट आफ मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस (ए आई एम एस सी एस), हैदराबाद को निम्नलिखित शर्तों के अधीन "वैज्ञानिक अनुसंधान संघ" की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात् :-

(i) अनुमोदित "वैज्ञानिक अनुसंधान संघ" का एकमात्र उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान करना होगा;

(ii) अनुमोदित संगठन स्वयं वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य-कलाप जारी रखेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन बही-खाता रखेगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापिस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :-

- (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (3) में उल्लिखित लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (3) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (4) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान एवं प्रयुक्त राशि का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य-कलाप करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य-कलाप को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5घ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 62/2009/फा. सं. 203/96/2008-आ.क.नि.-II]

डा. संजय कुमार लाल, अवर सचिव

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 18th August, 2009

S.O. 2322. —It is hereby notified for general information that the organization C.R. Rao Advanced Institute of Mathematics, Statistics and Computer Science (AIMSCS), Hyderabad has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with rules 5C and 5D of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules) from Assessment year 2009-10 onwards in the category of 'scientific research association' subject to the following conditions, namely :—

- (i) The sole objective of the approved 'scientific research association' shall be to undertake scientific research;
- (ii) The approved organization shall carry out the scientific research activity by itself;
- (iii) The approved organization shall maintain books of accounts and get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
- (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization :—

- (a) fails to maintain books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of donations received and amounts applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5D of the said Rules.

[Notification No. 62/2009/F. No. 203/96/2008/ITA-II]

DR. SANJAY KUMAR LAL, Under Secy.

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2009

का.आ. 2323.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के बाद अर्हता की मान्यता में परिवर्तन होने के कारण उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में—

(क) "दिल्ली विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण विज्ञान)"	एम.डी. (विकिरण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह सफ़दरजंग अस्पताल और वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज, नई दिल्ली में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ख) "हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण विज्ञान)"	एम.डी. (विकिरण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इन्दिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ग) "जम्मू विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)"	एम.डी. (भेषजगुण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, जम्मू में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ब) "कश्मीर विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"शल्य चिकित्सा निष्णात (ओटो-रिनो-लेरिंगोलॉजी)" एम. एस. (कान, नाक, गला)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, श्रीनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ड) "केरल विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (नैफ्रोलॉजी)"

डी. एम. (नैफ्रोलॉजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मेडिकल कालेज, तिरुवनंतपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में केरल विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2004 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(च) "महात्मा गांधी विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (नैफ्रोलॉजी)"

डी. एम. (नैफ्रोलॉजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मेडिकल कालेज, कोट्टायम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा मार्च, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(छ) "गुलबर्गा विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्मजीव विज्ञान)"

एम. डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह विजयनगर आयुर्विज्ञान संस्थान, बेल्लारी में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में गुलबर्गा विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ज) "कर्नाटक विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्मजीव विज्ञान)"

एम. डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह विजयनगर आयुर्विज्ञान संस्थान, बेल्लारी में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में कर्नाटक विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(इ) "राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर" के संघर्ष 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आने संघ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संकेपन' [इसके आने संघ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्मजीव विज्ञान)"	एम. डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह विज्ञानपर आयुर्विज्ञान संस्थान, बेरहल्ली में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम.डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह श्री देवराज अर्ल मेडिकल कालेज, तमका, कोल्लर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 2005 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (पेशजगुण विज्ञान)"	एम. डी. (पेशजगुण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह श्री देवराज अर्ल मेडिकल कालेज, तमका, कोल्लर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एस एस मेडिकल कालेज, मैसूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मनोविज्ञानी चिकित्सा में डिप्लोमा"	डी. पी. एम. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एस एस मेडिकल कालेज, मैसूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान)"	एम. डी. (त्वचा विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एस एस मेडिकल कालेज, मैसूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा"	डी. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एस एस मेडिकल कालेज, मैसूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रक्त रोग विज्ञान और कुष्ठ रोग)"	एम. डी. (डी.वी. एल) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह केंपेगोडा आयुर्विज्ञान संस्थान, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)"	एम. डी. (बाल रोग चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेनोया मेडिकल कालेज, मंगलूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)"	<p>एम. डी. (सामान्य काय चिकित्सा)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण)"	<p>एम. डी. (सामान्य संज्ञाहरण)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)"	<p>एम. एस. (सामान्य शल्य चिकित्सा)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"शल्य चिकित्सा निष्णात (विकलांग विज्ञान)"	<p>एम. एस. (विकलांग विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	<p>एम. डी. (विकृति विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)"	<p>एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह येनेपोया मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"धिरुगई मजिस्ट्रार (हृदवाहिका एवं थोरेसिक शल्य चिकित्सा)"	<p>एम. सी. एच. (सी वी टी एस)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह के एल ई सोसायटी जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज, वैलगाम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)"	<p>डी. एम. (तंत्रिका विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह के एल ई सोसायटी जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज, वैलगाम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग)"	<p>एम. डी. (डी वी एल)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह बी एम पाटिल मेडिकल कालेज, बीजापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>

2	3
"शिशु स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी. सी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी शिशु स्वास्थ्य संस्थान, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बंगलौर द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)" एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह अल अमीन मेडिकल कालेज, बीजापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मेधजगुण विज्ञान)" एम. डी. (मेधजगुण विज्ञान)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह बंगलौर मेडिकल कालेज, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा 1976 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ज) "बंगलौर विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मेधजगुण विज्ञान)" एम. डी. (मेधजगुण विज्ञान)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह बंगलौर मेडिकल कालेज, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में बंगलौर विश्वविद्यालय द्वारा 1976 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ट) "उत्कल विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	
2	3
"चिरुगई मजिस्ट्रार (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)" एम. सी. एच. (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस सी बी मेडिकल कालेज, कटक, उड़ीसा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उत्कल विश्वविद्यालय, द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ठ) "बरहमपुर विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्मजीव विज्ञान)" एम. डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम के सी जी मेडिकल कालेज, बरहमपुर, उड़ीसा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में बरहमपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)



(ख) "तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान)"	एम. डी. (प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र आयुर्विज्ञान विभाग, तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा मार्च, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)" एम. एस. (सामान्य शल्य चिकित्सा)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मोहन कुमार मंगलम मेडिकल कॉलेज, सलेम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा अगस्त, 2003 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"चिरुर्ग मजिस्ट्रार (प्लास्टिक शल्य चिकित्सा)"	एम. सी. एच. (प्लास्टिक शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह क्रिश्चन मेडिकल कॉलेज, वेलोर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (कार्डियोलॉजी)"	एम. डी. (कार्डियोलॉजी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह स्टेनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 1995 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"चिरुर्ग मजिस्ट्रार (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)"	एम. सी. एच. (तंत्रिका शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह स्टेनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा अगस्त, 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"क्लिनिकल विकृति विज्ञान में डिप्लोमा"	डी. सी. पी. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह स्टेनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 2005 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्यायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कॉलेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 1974 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कॉलेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 1964 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)"	एम. सी. एच. (तंत्रिका विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कॉलेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में तमिलनाडु डा. एम जी आर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ड) "मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (कार्डियोलॉजी)"	डी. एम. (कार्डियोलॉजी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह स्टेनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा 1995 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"चिरुर्गई मजिस्ट्रार (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)"	एम. सी. एच. (तंत्रिका शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह स्टेनले मेडिकल कालेज, चेन्नई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ण) "मदुरई विश्वविद्यालय, चेन्नई" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्यायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई विश्वविद्यालय द्वारा 1974 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई विश्वविद्यालय द्वारा 1964 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)"	डी. एम. (तंत्रिका विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(त) "मदुरई कामराज विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्यायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई कामराज विश्वविद्यालय द्वारा 1974 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई कामराज विश्वविद्यालय द्वारा 1964 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)"	डी. एम. (तंत्रिका विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मदुरई कामराज विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ध) "भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)"	एम. डी. (बाल रोग चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह भारती विद्यापीठ मेडिकल कालेज, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर रचना विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह भारती विद्यापीठ मेडिकल कालेज, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"रोग विज्ञान में डिप्लोमा"	डी सी पी (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह भारती विद्यापीठ मेडिकल कालेज, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(द) "एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय)" के सामने 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)"	एम. डी. (सामान्य काय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवीं मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा मई, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संवेदनाहरण)"	एम. डी. (संवेदनाहरण) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवीं मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा मई, 2007 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम. डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवीं मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा मई, नवम्बर, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा"	डी. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवीं मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)”

एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर रचना विज्ञान)”

एम. डी. (रचना शरीर रचना विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा जनवरी, 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा”

डी. आर्थी

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा 2004 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“संवेदनाहरण में डिप्लोमा”

डी. ए.

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम जी एम स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (सम विश्वविद्यालय) द्वारा 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) “महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय” के समाने ‘मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता’ [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और ‘पंजीकरण के लिए संक्षेपण’ [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)”

एम. डी. (भेषजगुण विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में डिप्लोमा”

डी. जी. ओ.

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा”

डी. आर्थी

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 2004 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“संवेदनाहरण में डिप्लोमा”

डी. ए.

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)” एम. डी. (समुदाय चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“जन स्वास्थ्य में डिप्लोमा”

डी. पी. एच.

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1968 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिजरोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग/त्वचा विज्ञान)”

एम. डी. (डी वी एल/डी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“रतिजरोग एवं त्वचा विज्ञान/त्वचा विज्ञान, रतिजरोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग में डिप्लोमा”

डी वी डी/डी डी वी एल

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1969 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)”

एम डी (बाल रोग चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“शिशु स्वास्थ्य में डिप्लोमा”

डी सी एच

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1978 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“जन स्वास्थ्य में डिप्लोमा”

डी पी एच

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जैव रसायन)”

एम डी (जैव रसायन)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अम्बाजोगाई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)”

एम डी (बाल रोग चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अम्बाजोगाई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

[illegible]

(न) "मुम्बई विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर रचना विज्ञान)"	एम डी (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एम जी एम मेडिकल कालेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी, 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"लोक स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी पी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1968 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1979 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान, कुष्ठ रोग/त्वचा विज्ञान)"	एम डी (डी वी एल/डी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"रतिज रोग एवं त्वचा विज्ञान, डिप्लोमा/त्वचा विज्ञान, रति रोग, कुष्ठ रोग डिप्लोमा"	डी वी डी/डी डी वी एल (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1969 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह सेठ जी एस मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1969 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(प) "मुम्बई विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"लोक स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी पी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1968 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1979 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान, एवं कुष्ठ/त्वचा विज्ञान)"	एम डी (डी वी एल/डी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1970 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"रति रोग विज्ञान एवं त्वचा विज्ञान/त्वचा विज्ञान, रतिरोग विज्ञान एवं कुष्ठ डिप्लोमा"	डी वी डी/डी डी वी एल (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ग्रांट मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1969 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह सेठ जी एस मेडिकल कालेज, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1969 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(फ) "शिवाजी विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एम डी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी सी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 1978 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"जन स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी पी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वी एम मेडिकल कालेज, सोलापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ब) "मराठवाड़ा विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम डी (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अंबोली में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)



2	3
"स्वरयंत्र विज्ञान और कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	डी एल ओ (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गर्वमेंट मेडिकल कालेज, औरंगाबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)

(म) "डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम डी (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अंबजोगई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन विज्ञान)"	एम डी (जीव रसायन विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अंबजोगई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1990 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एम डी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अंबजोगई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"बाल चिकित्सा में डिप्लोमा"	डी सी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस आर टी आर मेडिकल कालेज, अंबजोगई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"स्वरयंत्र विज्ञान और कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	डी एल ओ (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गर्वमेंट मेडिकल कालेज, औरंगाबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)

(म) "पुणे विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"आर्थोपेडिक्स डिप्लोमा"	डी आर्थो (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह संघेती आर्थोपेडिक्स एंड पुनर्वास संस्थान, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में पुणे विश्वविद्यालय द्वारा 2002 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(य) "डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

2	3
"शल्य क्रिया निष्णात (आर्थोपेडिक्स)"	<p>एम एस (आर्थो)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय नवी मुम्बई द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"शल्य क्रिया निष्णात (नेत्र विज्ञान)"	<p>एम एस (नेत्र विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय नवी मुम्बई द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मेघजगुण विज्ञान)"	<p>एम डी (मेघजगुण विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	<p>एम डी (मनश्चिकित्सा)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय नवी मुम्बई द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"शल्य क्रिया निष्णात (सामान्य सर्जरी)"	<p>एम एस (सामान्य सर्जरी)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान और कुष्ठ)"	<p>एम डी (डी वी एल)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संवेदनाहरण)"	<p>एम डी (संवेदनाहरण)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"संवेदनाहरण में डिप्लोमा"	<p>डीए</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा जून 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षय रोग, वक्ष रोग)"

एम डी (टी बी एवं वक्ष रोग)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा मई 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"शल्य क्रिया निष्णात (नाक कान गला)"

एम एस (नाक कान गला)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा जून 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)"

एम डी (सामान्य काय चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, नवी मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा मई 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(कक) "डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"

एम डी (मनश्चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे द्वारा जून 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)"

एम डी (एस पी एम)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग और वक्ष रोग)"

एम डी (टी बी और वक्ष रोग)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)"

एम डी (भेषजगुण विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"

एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह डा. डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी, पुणे में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डा. डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पिम्परी, पुणे द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(खख) "आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)"	एम डी (भेषजगुण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एन के पी साल्वे आयुर्विज्ञान संस्थान और अनुसंधान केन्द्र, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन विज्ञान)"	एम डी (जीव रसायन विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गवर्मेट मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1976 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संवेदनाहरण)"	एम डी (संवेदनाहरण) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"संवेदनाहरण में डिप्लोमा"	डी ए (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुणविज्ञान)"	एम डी (भेषजगुणविज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1978 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य क्रिया निष्णात (आर्थोपेडिक्स)"	एम एस (आर्थो.) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गवर्मेट मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्यक्रिया निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)"	एम एस (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1978 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एम डी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

"शल्य क्रिया निष्णात (नाक कान गला)"	<p>एम एस (नाक कान गला)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	<p>डी एल ओ</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"शल्य क्रिया निष्णात (नेत्र विज्ञान)"	<p>एम एस (नेत्र विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान)"	<p>एम डी (ओ बी जी)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)"	<p>एम डी (सामान्य काय चिकित्सा)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1974 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	<p>डी एल ओ</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1989 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	<p>एम डी (मनश्चिकित्सा)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान और कुष्ठ)"	<p>एम डी (डी वी एल)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एल एन मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा"	<p>डीसीएच</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एल एन मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आर्थोपेडिक्स डिप्लोमा"	<p>डी आर्थो.</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एल एन मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>

2	3
"चिकित्सा विकिरण निदान डिप्लोमा"	डी एम आर डी (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह जे एल एन मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(गग) "नागपुर विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन विज्ञान)"	एम डी (जीव रसायन विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गजमेट मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1976 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संवेदनाहरण)"	एम डी (संवेदनाहरण) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा, 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"संवेदनाहरण में डिप्लोमा"	डीए (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा, 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)"	एम डी (भेषजगुण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1978 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (विकलांग विज्ञान)"	एम.एस. (आर्थो.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीरक्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीरक्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1981 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान डिप्लोमा"	डी.जी.ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1979 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी.सी.एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा)"

एमडी (एसपीएम)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1985 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)"

एमएस (शरीर रचना विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1978 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"

एमडी (बाल चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1985 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)"

एमएस (नेत्र विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1985 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान)"

एम डी (ओबीजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, नागपुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"

डीएलओ

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1989 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"शल्य चिकित्सा निष्णात (विकलांग विज्ञान)"

एम एस (आर्थो)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1983 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"विकलांग विज्ञान डिप्लोमा"

डी.आर्थो.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घष) "दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (सम विश्वविद्यालय)" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद और 'पंजीयन के लिए संक्षेपण' [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ)"

एमडी (डीबीएल)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह जे एल एन मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (सम विश्वविद्यालय) द्वारा 1992 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
"बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी.सी.एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह जे.एल.एन. मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सम विश्वविद्यालय) द्वारा जून, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"विकलांग विज्ञान डिप्लोमा"	डी.आर्थो. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह जे.एल.एन. मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सम विश्वविद्यालय) द्वारा जून, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"चिकित्सा विकिरण निदान डिप्लोमा"	डी.एम.आर.डी. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह जे.एल.एन. मेडिकल कालेज, स्वांगी, वर्धा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सम विश्वविद्यालय) द्वारा जून, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(डंड) "संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद 'पंजीयन के लिए संक्षेपण' [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एमडी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह वसंतराव नाइक गवर्नमेंट मेडिकल कालेज यवतमाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2007 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा (नेत्र विज्ञान)"	एमएस (नेत्र विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह श्री वसंतराव नाइक गवर्नमेंट मेडिकल कालेज यवतमाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2004 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(चच) "पूना विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद 'पंजीयन के लिए संक्षेपण' [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जैव रसायन)"	एमडी (जैव रसायन) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बी.जे. मेडिकल कालेज, पुणे में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पुणे विश्वविद्यालय द्वारा 1979 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(छछ) "एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद 'पंजीयन के लिए संक्षेपण' [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग विज्ञान)"	एमडी (ओबीजी) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नांदेड़ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2001 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)



2	3
“स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान में डिप्लोमा”	डी.जी.ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नांदेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2001 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)”	एम.डी. (सामान्य काय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नांदेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर, 2001 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)”	एम.डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नांदेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2003 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा)”	एम.डी. (एस.पी.एम.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नांदेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर, 2001 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(जज) “पंजाब विश्वविद्यालय” के सामने मान्यताप्राप्त अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद “पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)”	एम.डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, चंडीगढ़ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“नेत्र विज्ञान डिप्लोमा/नेत्र चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा डिप्लोमा”	डी.ओ./डी.ओ.एम.एस. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह क्रिश्चियन मेडिकल कालेज लुधियाना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा 1964 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(झझ) “बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट” के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद “पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
“नेत्र विज्ञान डिप्लोमा/नेत्र चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा डिप्लोमा”	डी.ओ./डी.ओ.एम.एस. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह क्रिश्चियन मेडिकल कालेज लुधियाना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट द्वारा 1964 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)”	एम.डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कालेज, फरीदकोट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय फरीदकोट द्वारा 2001 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(जज) "राजस्थान विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग एवं स्वसनी रोग)"	एम.डी. (क्षयरोग एवं स्वसनी रोग) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, कोटा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा जून 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"	एम.डी. (विकिरण निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई 1993 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(टट) "राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"	एम.डी. (विकिरण निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा जुलाई 1993 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ठठ) "पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"	एम.डी. (विकिरण निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह पं. जे.एन.एम. मेडिकल कालेज, रायपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय द्वारा 1987 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(डड) "रांची विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"मजिस्ट्रार ऑफ चिकित्सा (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)"	एम.सी.एच. (तंत्रिका शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में रांची विश्वविद्यालय द्वारा 1982 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय आयुर्विज्ञान)"	एम.डी. (न्याय आयुर्विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में रांची विश्वविद्यालय द्वारा 1982 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(इक) "द तमिलनाडु डा. एम. जी. आर. यूनिवर्सिटी, चेन्नई" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान का कर्मचारी (हृदय रोग विज्ञान)"	एम.डी. (हृदय रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह मदुरई मेडिकल कालेज, मदुरई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु डा. एम. जी. आर. यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा 2002 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(गज) "श्री रामचन्द्र विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान का कर्मचारी (मनश्चिकित्सा)"	एम.डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह श्री रामचन्द्र मेडिकल कालेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में रामचन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मजिस्ट्रार ऑफ़ डिप्लोमा (शल्य चिकित्सीय जठरांत्रिक विज्ञान)"	एम.सी.एच. (शल्य चिकित्सीय जठरांत्रिक विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह श्री रामचन्द्र मेडिकल कालेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में रामचन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई 2007 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मजिस्ट्रार ऑफ़ डिप्लोमा (प्लास्टिक सर्जरी/प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी)"	एम.सी.एच. (प्लास्टिक सर्जरी/प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह श्री रामचन्द्र मेडिकल कालेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में श्री रामचन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा 2007 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(स्त) "विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

2	3
"नेत्र विज्ञान डिप्लोमा"	डी.ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह विनायक मिशंस कुरुपानंदा वरियार मेडिकल कालेज, सलेम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम द्वारा अप्रैल 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"संज्ञाहरण डिप्लोमा"	डी.ए. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह विनायक मिशंस कुरुपानंदा वरियार मेडिकल कालेज, सलेम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम द्वारा अप्रैल 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	डी.एल.ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह विनायक मिशंस कुरुपानंदा वरियार मेडिकल कालेज, सलेम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम द्वारा अप्रैल 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी.सी.एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह विनायक मिशंस मेडिकल कालेज, कराईकल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम द्वारा अप्रैल 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
"विकलांग विज्ञान डिप्लोमा"	<p>डी. आर्थो.</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह विनायक मिशंस मेडिकल कालेज, कराईकल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में विनायक मिशंस यूनिवर्सिटी, सलेम द्वारा अप्रैल 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
<p>(धध) "चौधरी चरण सिंह, मेरठ" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-</p>	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)"	<p>एम. एस. (नेत्र विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह संतोष मेडिकल कालेज में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा मई 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
<p>(दद) "दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-</p>	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)"	<p>एम. एस. (नेत्र विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बी. आर. डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा मई 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
<p>(धध) "गोरखपुर विश्वविद्यालय" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-</p>	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (नेत्र विज्ञान)"	<p>एम. एस. (नेत्र विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी यदि यह बी. आर. डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा मई 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
<p>(नन) "पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता" के सामने मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण [इसके बाद स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-</p>	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय आयुर्विज्ञान)"	<p>एम.डी. (न्याय आयुर्विज्ञान)</p> <p>यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एन.आर.एस. मेडिकल कालेज, कोलकाता में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा अप्रैल 2007 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	<p>एम.डी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान)</p> <p>(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह वर्धमान मेडिकल कालेज, वर्धमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल 2007 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>

[सं. यू. 12012/25/2009-एमई (पी-II) खंड. I]

के. वी. एस. राव, उप सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health and Family Welfare)

New Delhi, the 27th July, 2009

S.O. 2323.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, due to change of nomenclature of the qualification, namely :—

In the said Schedule—

(a) against “Delhi University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Radiotherapy)”	MD (Radiotherapy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Delhi University in respect of the students being trained at Safdarjung Hospital & Vardhaman Mahavir Medical College, New Delhi on or after 1970.

(b) against “Himachal Pradesh University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Radiotherapy)”	MD (Radiotherapy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Himachal Pradesh University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Shimla on or after May, 2006.

(c) against “Jammu University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Pharmacology)”	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Jammu University in respect of the students being trained at Government Medical College, Jammu on or after 1981.

(d) against “University of Kashmir” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
“Master of Surgery Oto-Rhino-Laryngology)”	MS (ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Kashmir in respect of the students being trained at Government Medical College, Srinagar on or after 1980.

(e) against “Kerala University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Nephrology)”	DM (Nephrology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kerala University in respect of the students being trained at Medical College, Thiruvananthapuram on or after May, 2004.

(f) against Mahatma Gandhi University under the heading Recognised Medical Qualification [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration', [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Nephrology)"	DM (Nephrology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mahatma Gandhi University in respect of the students being trained at Medical College, Kottayam on or after March, 2007.

(g) against Gulbarga University under the heading Recognised Medical Qualification [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Gulbarga University in respect of the students being trained at Vijayanagar Institute of Medical Sciences, Bellary on or after 1990.)

(h) against "Karnatak University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Karnatak University in respect of the students being trained at Vijayanagar Institute of Medical Sciences, Bellary on or after 1990.)

(i) against "Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Vijayanagar Institute of Medical Sciences, Bellary on or after 1990.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Sri Devraj Urs Medical College, Tamaka, Kolar on or after 2005.)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Sri Devraj Urs Medical College, Tamaka, Kolar on or after May 2006.)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at J.S.S. Medical College, Mysore on or after May, 2008.)

(2)	(3)
"Diploma in Psychological Medicine"	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at J.S.S. Medical College, Mysore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Dermatology)"	MD (Dermatology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at J.S.S. Medical College, Mysore on or after May, 2008.)
"Diploma in Ophthalmology"	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at J.S.S. Medical College, Mysore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD (D.V.L.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Kempegowda Institute of Medical Sciences, Bangalore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD (General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Master of Surgery (General Surgery)"	MS (General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Master of Surgery (Orthopaedics)"	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Pathology)"	MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)"	MD (Obst. & Gynae.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Yenepoya Medical College, Mangalore on or after May, 2008.)

(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Cardio-Vascular & Thoracic Surgery)"	M.Ch (CVTS) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at KLE Society's Jawaharlal Nehru Medical College, Belgaum on or after July, 2008.)
"Doctor of Medicine (Neurology)"	DM (Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at KLE Society's Jawaharlal Nehru Medical College, Belgaum on or after July, 2008.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD (D.V.L.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at B.M. Patil Medical College, Bijapur on or after May, 2008.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Indira Gandhi Institute of Child Health Bangalore on or after June, 2008.)
"Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)"	MD (Obst. & Gynae.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Al Ameen Medical College, Bijapur on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1976.)

(j) against "Bangalore University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bangalore University in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1976.)

(k) against "Utkal University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Neuro-Surgery)"	M. Ch (Neuro-Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Utkal University in respect of the students being trained at S.C.B. Medical College, Cuttack, Orissa on or after 1983.)



(l) against "Berhampur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Microbiology)"	MD(Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Berhampur University in respect of the students being trained at M.K.C.G. Medical College, Berhampur, Orissa on or after 1990.)

(m) against "The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Immunohaematology)"	MD (Immunohaematology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Department of Transfusion Medicine, The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai on or after March, 2008.)
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS (General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Govt. Mohan Kumarmangalam Medical College, Salem on or after August, 2005.)
"Magistrar of Chirurgiae(Plastic Surgery)"	M.Ch (Plastic Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Christian Medical College, Vellore on or after August, 2008.)
"Doctor of Medicine(Cardiology)"	DM (Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai on or after 1995.)
"Magistrar of Chirurgiae(Neuro-surgery)"	M. Ch (Neuro-surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai on or after 1983.)
"Diploma in Clinical Pathology"	D.C.P. (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai on or after 2005.)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1974.)
"Doctor of Medicine(Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1964.)

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Neurology)"	DM (Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1983.)

(n) against "Madras University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Cardiology)"	DM (Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai on or after 1995.)
"Magistrar of Chirurgiae (Neurosurgery)"	M. Ch (Neurosurgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madras University in respect of the students being trained at Stanley Medical College, Chennai on or after 1983.)

(o) against "Madurai University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1974.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1964.)
"Doctor of Medicine (Neurology)"	DM (Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1983.)

(p) against "Madurai Kamraj University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai Kamraj University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1974.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai Kamraj University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1964.)
"Doctor of Medicine (Neurology)"	DM (Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Madurai Kamraj University in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 1983.)

(q) against "Bharati Vidyapeeth University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bharati Vidyapeeth University in respect of the students being trained at Bharati Vidyapeeth Medical College, Pune on or after June, 2007.)
"Doctor of Medicine (Anatomy)"	MD (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bharati Vidyapeeth University in respect of the students being trained at Bharati Vidyapeeth Medical College, Pune on or after June, 2007.)
"Diploma in Clinical Pathology"	D.C.P. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bharati Vidyapeeth University in respect of the students being trained at Bharati Vidyapeeth Medical College, Pune on or after June, 2007.)

(r) against "MGM University of Health Sciences (Deemed University)" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD (General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after May, 2007.)
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after May, 2007.)
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after November, 2008.)
"Diploma in Ophthalmology"	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2006.)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after May, 2008.)
"Doctor of Medicine (Anatomy)"	MD (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after January, 2006.)

(2)	(3)
"Diploma in Orthopaedics"	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2004.)
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by MGM University of Health Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2006.)

(s) against "Maharashtra University of Health Sciences" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after May 2008.)
"Diploma in Obstetrics & Gynaecology"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2008.)
"Diploma in Orthopaedics"	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2004.)
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after 2006.)
"Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)"	MD (Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1968.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD (DVL/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Venerology & Dermatology/ Dermatology, Venerology & Leprosy"	D.V.D./D.D.V.L. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1969.)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1980.)

(2)	(3)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1978.)
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1986.)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1990.)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1986.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1985.)
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification whe. granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Sancheti Institute of Orthopaedics & Rehabilitation, Pune on or after 2002.)
"Diploma in Gynaecology & Obstetrics"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1979.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1980.)
"Master of Surgery (ENT)"	MS (ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1986.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD (General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1974.)

(2)	(3)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Sewagram, Wardha on or after 1989.)
"Doctor of Medicine(Obstetrics & Gynaecology)"	MD(OBG) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after June, 2001.)
"Diploma in Obstetrics & Gynaecology"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after June, 2001.)
"Doctor of Medicine(Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after November, 2001.)

(t) against "Mumbai University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Anatomy)"	MD(Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at MGM Medical College, Navi Mumbai on or after January, 2006.)
"Doctor of Medicine(SPM/Community Medicine)"	MD(SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1968.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1979.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD(DVL/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Venerology & Dermatology/ Dermatology, Venerology & Leprosy"	D.V.D./D.D.V.L. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1969.)
"Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at Seth G.S. Medical College, Mumbai on or after 1969.)

(u) against "Bombay University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)"	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1968.)
"Doctor of Medicine(Physiology)"	MD (P <sup>h</sup> , siology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1979.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD (DVL/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1970.)
"Diploma in Venerology & Dermatology/ Dermatology, Venerology & Leprosy"	D.V.D/D.D.V.L. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Grant Medical College, Mumbai on or after 1969.)
"Doctor of Medicine(SPM/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at Seth G.S. Medical College, Mumbai on or after 1969.)

(v) against "Shivaji University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bombay University in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1980.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Shivaji University in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1978.)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Shivaji University in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1981.)
"Diploma Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Shivaji University in respect of the students being trained at V.M. Medical College, Solapur on or after 1986.)

(w) against "Marathwada University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Microbiology)	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1983.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Aurangabad.)

(x) against "Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Microbiology)	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Babasaheb Ambedkar, Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1983.)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1990.)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1986.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1985.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Aurangabad.)

(y) against "Pune University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Pune University in respect of the students being trained at Sancheti Institute of Orthopaedics & Rehabilitation, Pune on or after 2002.)



(z) against "Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Master of Surgery(Orthopaedics)"	MS(Ortho.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS(Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after May 2008.)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after May 2008.)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD(Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Master of Surgery (General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine(Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD(DVL) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest Diseases)"	MD(TB & Chest Diseases) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after May 2008.)
"Master of Surgery (ENT)"	MS(ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical College Hospital & Research Centre, Navi Mumbai on or after May 2008.)

(aa) against "Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical Collage Hospital & Research Centre, Pimpri, Pune on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical Collage Hospital & Research Centre, Pimpri, Pune on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest Diseases)"	MD (TB & Chest Diseases) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical Collage Hospital & Research Centre, Pimpri, Pune on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine ( Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical Collage Hospital & Research Centre, Pimpri, Pune on or after June 2008.)
"Doctor of Medicine ( Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. D.Y. Patil University, Pimpri, Pune in respect of the students being trained at Dr. D.Y. Patil Medical Collage Hospital & Research Centre, Pimpri, Pune on or after June 2008.)

(bb) against "RTM Nagpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine ( Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at NKP Salve Institute of Medical Sciences & Research Centre, Nagpur on or after April, 2008.)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Govt. Medical Collage, Nagpur on or after 1976.)
"Doctor of Medicine ( Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)
"Diploma in Anaesthesia"	D. A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1980.)

(2)	(3)
"Doctor of Medicine ( Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1978.)
"Master of Surgery (Orthopaedics)"	M. S. (Ortho.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nagpur.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Master of Surgery (Anatomy)"	MS (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1978.)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Master of Surgery (ENT)"	MS (ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1986.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D. L. O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)"	MD (O.B.G.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College Nagpur on or after 1980 )
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD (General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1974.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences , Sewagram, Wardha on or after 1989.)

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Sewagram, Wardha on or after April 2008.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD (DVL) (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after 1992.)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June 2008.)
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June 2008.)
"Diploma in Medical Radio Diagnosis"	D.M.R.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by RTM Nagpur University in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June 2008.)

(cc) against "Nagpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nagpur on or after 1976.)
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)
"Diploma in Anaesthesia"	D. A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1980.)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1978.)
"Master of Surgery (Orthopaedics)"	MS (Ortho.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nagpur.)
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1981.)

(2)	(3)
"Diploma in Gynaecology & Obstetrics"	D. G. O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1979.)
"Diploma in Child Health"	D. C. H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1980.)
"Doctor of Medicine(Social & Preventive Medicine)"	MD(SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Master of Surgery (Anatomy)"	MS(Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1978.)
"Doctor of Medicine(Paediatrics)"	MD(Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Master of Surgery(Ophthalmology)"	MS(Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1985.)
"Doctor of Medicine(Obstetrics and Gynaecology)"	MD(O.B.G.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur on or after 1980.)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D. L. O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Sewagram, Wardha on or after 1989.)
"Master of Surgery(Orthopaedics)"	MS(Ortho.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Sewagram, Wardha on or after 1983.)
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Sewagram, Wardha on or after 1992.)

(dd) against "Datta Meghe Institute of Medical Sciences(Deemed University)" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD(DVL) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Datta Meghe Institute of Medical Sciences(Deemed University) in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after 1992.)

(2)	(3)
"Diploma in Child Health"	D.C.H. [This shall be a recognised medical qualification when granted by Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June, 2008]
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. [This shall be a recognised medical qualification when granted by Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June, 2008]
"Diploma in Medical Radio Diagnosis"	D.M.R.D. [This shall be a recognised medical qualification when granted by Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at J.L.N. Medical College, Swangi, Wardha on or after June, 2008]

(ee) against "Sant Gadge Baba Amravati University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) [This shall be a recognised medical qualification when granted by Sant Gadge Baba Amravati University in respect of the students being trained at Shri Vasantarao Naik Govt. Medical College, Yavatmal on or after June, 2007]
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) [This shall be a recognised medical qualification when granted by Sant Gadge Baba Amravati University in respect of the students being trained at Shri Vasantarao Naik Govt. Medical College, Yavatmal on or after 2004]

(ff) against "University of Poona" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) [This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Poona in respect of the students being trained at B.J. Medical College, Pune on or after 1979]

(gg) against "SRT Marathwada University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)"	MD (OBG) [This shall be a recognised medical qualification when granted by SRT Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after June, 2001]
"Diploma in Obstetrics & Gynaecology"	D.G.O. [This shall be a recognised medical qualification when granted by SRT Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after June, 2001]

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by SRT Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after November, 2001)
"Doctor of Medicine(Pathology)"	MD(Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by SRT Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after July, 2003.
"Doctor of Medicine(Social & Preventive Medicine)"	MD(SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by SRT Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after November, 2001)

(hh) against "Punjab University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Psychiatry)"	MD(Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Punjab University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Chandigarh on or after May, 2008)
"Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery"	D.O./D.O.M.S. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Punjab University in respect of the students being trained at Christian Medical College, Ludhiana on or after 1964)

(ii) against "Baba Farid University of Health Sciences, Faridkot" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery"	D.O./D.O.M.S. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Baba Farid University of Health Sciences, Faridkot in respect of the students being trained at Christian Medical College, Ludhiana on or after 1964)
"Doctor of Medicine(Psychiatry)"	MD(Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Baba Farid University of Health Sciences, Faridkot in respect of the students being trained at Guru Gobind Singh Medical College, Faridkot on or after 2001)

(jj) against "Rajasthan University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doct(or of Medicine(Tuberculosis & Respiratory Diseases)"	MD(TB & Respiratory Diseases) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Kota on or after June, 2008)
"Doctor of Medicine(Radiodiagnosis)"	MD(Radiodiagnosis) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at RNT Medical College, Udaipur on or after July, 1993)

(kk) against "Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Radiodiagnosis)"	MD(Radiodiagnosis) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur in respect of the students being trained at RNT Medical College, Udaipur on or after July, 1993)

(ll) against "Pt. Ravishankar Shukla University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Radiodiagnosis)"	MD (Radiodiagnosis) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Pt. Ravi Shankar Shukla University in respect of the students being trained at Pt. J.N.M. Medical College, Raipur on or after 1987)

(mm) against "Ranchi University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Neurosurgery)"	M. Ch (Neurosurgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Ranchi University in respect of the students being trained at Rajendra Institute of Medical Sciences, Ranchi on or after 1982)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Ranchi University in respect of the students being trained at Rajendra Institute of Medical Sciences, Ranchi on or after 1982)

(nn) against "The Tamilnadu Dr. MGR University, Chennai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Cardiology)"	D M (Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR University, Chennai in respect of the students being trained at Madurai Medical College, Madurai on or after 2002)

(oo) against "Sri Ramachandra University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Sri Ramachandra University in respect of the students being trained at Sri Ramachandra Medical College & Research Institute, Chennai on or after April, 2008)



(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Surgical Gastroenterology)"	M. Ch (Surgical Gastroenterology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Sri Ramachandra University in respect of the students being trained at Sri Ramachandra Medical College & Research Institute, Chennai on or after July, 2007).
"Magistrar of Chirurgiae (Plastic Surgery/ Plastic & Reconstructive Surgery)"	M. Ch (Plastic Surgery/Plastic & Reconstructive Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Sri Ramachandra University in respect of the students being trained at Sri Ramachandra Medical College & Research Institute, Chennai on or after 2007).

(pp) against "Vinayaka Mission's University, Salem" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Ophthalmology"	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Kurupananda Variyar Medical College, Salem on or after April, 2008).
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Kurupananda Variyar Medical College, Salem on or after April, 2008).
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Kurupananda Variyar Medical College, Salem on or after April, 2008).
"Diploma in Obstetrics & Gynaecology"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Medical College, Karaikal on or after April, 2008).
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Medical College, Karaikal on or after April, 2008).
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Vinayaka Mission's University, Salem in respect of the students being trained at Vinayaka Mission's Medical College, Karaikal on or after April, 2008).

(qq) against "Ch. Charan Singh University, Meerut" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Ch. Charan Singh University, Meerut in respect of the students being trained at Santosh Medical College on or after May, 2008).

(rr) against "Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University in respect of the students being trained at B.R.D. Medical College, Gorakhpur on or after May, 1981).

(ss) against "Gorakhpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Gorakhpur University in respect of the students being trained at B.R.D. Medical College, Gorakhpur on or after May, 1981).

(tt) against "West Bengal University of Health Sciences, Kolkata" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by West Bengal University of Health Sciences, Kolkata in respect of the students being trained at N.R.S. Medical College, Kolkata on or after April, 2007).
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by West Bengal University of Health Sciences, Kolkata in respect of the students being trained at Burdwan Medical College, Burdwan on or after April, 2007).

[No. U.12012/25/2009- ME(P.II) Vol. I]

K.V.S. RAO, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2009

का.आ. 2324.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम को प्रथम अनुसूची में अर्हता की नाम पद्धति में परिवर्तन के कारण एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में,—

- (क) 'डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह असम मेडिकल कालेज, डिब्रूगढ़ में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मनोविज्ञान चिकित्सा डिप्लोमा"	डी. पी. एम. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह असम मेडिकल कालेज, डिब्रूगढ़ में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा जून, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ख) 'उस्मानिया विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-'

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मनोविज्ञान चिकित्सा डिप्लोमा"	डी. पी. एम. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय चिकित्सा)"	एम. डी. (न्याय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"स्वरयंत्र विज्ञान और कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	डी. एल. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1975 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ग) 'आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-'

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मनोविज्ञान चिकित्सा डिप्लोमा"	डी. पी. एम. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय चिकित्सा)"	एम. डी. (न्याय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकीनाडा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) 'एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जिल्हवाड़ा' के सामने शीर्षक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संश्लेषण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :--'

2	3
<p>"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"</p>	<p>एम. डी.(मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)</p>

2	3
“मनोविज्ञान चिकित्सा डिप्लोमा”	डी. पी. एम. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1987 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्याय चिकित्सा)”	एम. डी. (न्याय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह रंगराया मेडिकल कालेज, काकोनाडा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“रतिरोग विज्ञान एवं त्वचा विज्ञान डिप्लोमा/त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग डिप्लोमा”	डी. वी. डी./डी. डी. वी. एल. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. एस. मेडिकल कालेज, महबूबनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, द्वारा जुलाई, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“नेत्रविज्ञान में डिप्लोमा”	डी. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. एस. मेडिकल कालेज, महबूबनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, द्वारा जुलाई, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“शल्यक्रिया निष्णात (नेत्रविज्ञान)”	एम. एस. (नेत्र विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काभीनेनी आयुर्विज्ञान संस्थान, नारकातपैल्ली में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, द्वारा जुलाई, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग)”	एम. डी. (डी. वी. एल.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2006 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“शल्यक्रिया निष्णात (आर्थोपेडिक्स)”	एम. एस. (आर्थोपेडिक्स) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2006 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“संवेदनाहरण डिप्लोमा”	डी. ए. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह दक्कन आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2008 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
“स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा”	डी. एल. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतिया मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन. टी. आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1975 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ड) ‘काकतीय विश्वविद्यालय’ के सामने शीर्षक ‘मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक ‘पंजीकरण के लिए संक्षेपण’ [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
“स्वरयंत्र विज्ञान एवं कर्ण विज्ञान डिप्लोमा”	डी. एल. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतिया मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में काकतीय विश्वविद्यालय, द्वारा 1975 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)



- (ट) 'सरदार पटेल विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—'

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"

एम. डी. (विकिरण निदान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कालेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा दिसम्बर, 2004 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (ठ) 'वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—'

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"

एम. डी. (विकिरण निदान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, सूरत में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा 2003 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

"चिकित्सा विकिरण निदान डिप्लोमा"

डी. एम. आर. डी.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, सूरत में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा 2002 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (ड) 'एम. एस. विश्वविद्यालय' बड़ौदा के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—'

2

3

"मजिस्ट्रार आफ चिरुरजी (प्लास्टिक सर्जरी)"

एम. सी. एच. (प्लास्टिक सर्जरी)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, बड़ौदा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एम. एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, द्वारा 1982 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (ढ) 'हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—'

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान)"

एम. डी. (भेषजगुण)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, द्वारा 1986 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (ग) 'बंगलौर विश्वविद्यालय' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन विज्ञान)"	एम. डी. (जीव रसायन) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बंगलौर मेडिकल कालेज, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में बंगलौर विश्वविद्यालय, द्वारा 1989 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बंगलौर मेडिकल कालेज, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में बंगलौर विश्वविद्यालय, द्वारा 1995 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (द) 'राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर' के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन विज्ञान)"	एम. डी. (जीव रसायन विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बंगलौर मेडिकल कालेज, बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1989 में या इसके बाद प्रदान की गई हो।)
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा बंगलौर मेडिकल कालेज बंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1995 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
शल्य क्रिया निष्णात (नाक, कान, गला)	एम एस (ई एन टी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा फादर मुलर मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2003 में अथवा इसके बाद प्रदान की गई हो।)
स्वरयंत्र और कर्ण विज्ञान डिप्लोमा	डी एल ओ (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा फादर मुलर मेडिकल कालेज, मंगलौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2002 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा बी एम पाटिल मेडिकल कालेज, बीजापुर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2001 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

- (ध) "शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सम विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"मजिस्ट्रार आफ चिरुर्गई (प्लास्टिक शल्य क्रिया)"	एम. सी. एच. (प्लास्टिक शल्य क्रिया) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में जनवरी, 1995 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
मजिस्ट्रार आफ चिरूगई (हृद वक्ष वाहिका शल्य क्रिया एम. सी. एच. (सीटीवीएस)	(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सम विश्वविद्यालय) द्वारा शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2005 में या अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(द) "पंजाब विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
आयुर्विज्ञान निष्णात (न्यायिक चिकित्सा)	एम डी (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, अमृतसर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1987 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ध) "गुरु नानक विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
आयुर्विज्ञान निष्णात (न्यायिक चिकित्सा)	एम डी (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुरु नानक विश्वविद्यालय द्वारा गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, अमृतसर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1987 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(न) "गुरु नानक देव विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' (इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' (इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित) शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
आयुर्विज्ञान निष्णात (न्यायिक चिकित्सा)	एम डी (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुरु नानक देव विश्वविद्यालय द्वारा गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, अमृतसर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1987 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(प) "बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
आयुर्विज्ञान निष्णात (न्यायिक चिकित्सा)	एम डी (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट द्वारा गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, अमृतसर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1987 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)



- (फ) "मुम्बई विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)	एम डी (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा नौसेनिक चिकित्सा संस्थान अम्बिनी, मुम्बई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2004 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
मजिस्ट्रार चिरुरगई (हृद वक्ष वाहिका शल्यक्रिया)	एम सी एच (सीटीवीएस) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा बंबई आयुर्विज्ञान संस्थान, बंबई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1993 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
मजिस्ट्रार चिरुरगई (जनन मुत्र शल्यक्रिया)	एम सी एच (जेनिटो यूरिनरी सर्जरी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा बंबई आयुर्विज्ञान संस्थान, बंबई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1993 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
शल्यक्रिया निष्णात (नेत्र विज्ञान)	एम एस (नेत्र विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा बंबई आयुर्विज्ञान संस्थान, बंबई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1993 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)	डी एम (तंत्रिका विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा बंबई आयुर्विज्ञान संस्थान, बंबई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1993 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)	एम डी (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा बंबई आयुर्विज्ञान संस्थान, बंबई में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1995 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य-चिकित्सा निष्णात (अस्थि रोग विज्ञान)"	एम एस (आर्थो.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह मुम्बई आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)"	एम एस (सामान्य शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1993 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य कायचिकित्सा)"	एम डी (सामान्य कायचिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1994 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (हृदय रोग विज्ञान)"	डी एम (हृदय रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्त्री रोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान)"	एम डी (ओ.बी.जी.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा 1993 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
(ब) शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके पश्चात् स्तंभ (2) के रूप में उल्लिखित] के अंतर्गत "महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय" के सम्मने अंतिम प्रविष्टि तथा शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके पश्चात् स्तंभ (3) के रूप में उल्लिखित] के अंतर्गत उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद, निम्नलिखित जोड़ा जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम डी (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह इंस्टीट्यूट ऑफ नेवल मेडिसिन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 2004 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (तंत्रिका विज्ञान)"	डी एम (तंत्रिका विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1993 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	एम डी (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1995 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शल्य-चिकित्सा निष्णात (अस्थि रोग विज्ञान)"	एम एस (आर्थो.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शल्य-चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य-चिकित्सा)"	एम एस (सामान्य शल्य-चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1993 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)"	एम डी (सामान्य काय चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1994 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (हृदय रोग विज्ञान)"	डी एम (हृदय रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे आयुर्विज्ञान अस्पताल संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान)"	एम डी (ओ.बी.जी.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बॉम्बे हॉस्पिटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, संस्थान, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1993 या उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)”

एम डी (सामान्य काय चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एसआरटी और मेडिकल कॉलेज, अम्बजोगई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1984 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

“नेत्र विज्ञान डिप्लोमा/नेत्र काय चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा डिप्लोमा”

डीओ/डीओएमए

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डा. वी. एम. मेडिकल कॉलेज, सोलापुर, महाराष्ट्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 1981 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) “डा. भीमराव अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय” के सामने शीर्षक “मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता” [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक “पंजीकरण के लिए संक्षेपण” [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामान्य काय चिकित्सा)”

एम डी (सामान्य काय चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एसआरटी और मेडिकल कॉलेज, अम्बजोगई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में डा. भीमराव अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा 1984 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) “एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय” के सामने शीर्षक “मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता” [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक “पंजीकरण के लिए संक्षेपण” [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2

3

“शल्य विज्ञान निष्णात (सामान्य शल्य विज्ञान)”

एम एस (सामान्य शल्य विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नांदेड़ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में एसआरटी मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर, 2001 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) “मुंबई विश्वविद्यालय” के सामने शीर्षक “मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता” [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक “पंजीकरण के लिए संक्षेपण” [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2

3

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग एवं छाती/श्वसनी रोग)”

एम डी (क्षयरोग एवं छाती/श्वसनी रोग)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एलटीएम मेडिकल कॉलेज, मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा 1996 या उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(र) “शिवाजी विश्वविद्यालय” के सामने शीर्षक “मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता” [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक “पंजीकरण के लिए संक्षेपण” [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2

3

“शल्य विज्ञान निष्णात (नेत्र विज्ञान)”

एम एस (नेत्र विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डा. वी. एम. मेडिकल कॉलेज, सोलापुर, महाराष्ट्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 1982 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
"नेत्र विज्ञान डिप्लोमा/नेत्र चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा डिप्लोमा"	डीओ/डीओएमएस (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डा. वी. एम. मेडिकल कॉलेज, सोलापुर, महाराष्ट्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 1981 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ल) "नागपुर विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
"शल्य विज्ञान निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)"	एम एस (सामान्य शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1975 या उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(व) "आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)"	एम एस (सामान्य शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, नागपुर, प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा 1975 या उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(स) "पूना विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य चिकित्सा)"	एम एस (सामान्य शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बी. जे. मेडिकल कॉलेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में पूना विश्वविद्यालय द्वारा 1974 या उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(श) "डा. डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-	
2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (पल्मोनरी मेडिसिन)"	एम डी (पल्मोनरी मेडिसिन) [यह एम डी (क्षयरोग एवं छाती रोग) की नामावली को परिवर्तित कर एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डा. डी. वाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, नवी मुम्बई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में डा. डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुम्बई द्वारा प्रदान की गई हो।]

(घ) "राजस्थान विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम डी (विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एम डी (विकृति विज्ञान एवं जीवाणु विज्ञान) की नामावली को परिवर्तित कर एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस.एम.एस. मेडिकल कालेज, जयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)
"स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान डिप्लोमा"	डी.जी.ओ. (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 1980 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	एम.डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 1986 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम.डी. (विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एम डी (विकृति विज्ञान एवं जीवाणु विज्ञान) की नामावली को परिवर्तित कर एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. पी. मेडिकल कालेज, बीकानेर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई हो।)

(ह) "राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर" के सामने शीर्षक "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"स्त्री रोग प्रसूति विज्ञान डिप्लोमा"	डी.जी.ओ. (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 1980 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	एम.डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आर.एन.टी. मेडिकल कालेज, उदयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 1986 अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(क्ष) "द तमिलनाडु डा. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई" के सामने शीर्षक "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

2	3
"विकलांग विज्ञान डिप्लोमा"	डी.ओथो (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह तंजावूर मेडिकल कालेज, तंजावूर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के संबंध में द तमिलनाडु डा. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा प्रदान की गई हो।)

[सं. यू. 12012/30/2009-एम.ई (पी-11)]

के.बी.एस.राव, उप सचिव

New Delhi, the 27th July, 2009

S.O. 2324.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, due to change of nomenclature of the qualification namely:—

In the said Schedule -

(a) against “Dibrugarh University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for registration’ [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Psychiatry)”	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dibrugarh University in respect of the students being trained at Assam Medical College, Dibrugarh on or after June, 2008.)
“Diploma in Psychological Medicine”	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dibrugarh University in respect of the students being trained at Assam Medical College, Dibrugarh on or after June, 2008.)

(b) against “Osmania University” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for registration’ [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Psychiatry)”	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)
“Diploma in Psychological Medicine”	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)
“Doctor of Medicine (Forensic Medicine)”	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada on or after 1980.)
“Diploma in Laryngology & Otology”	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1975.)

(c) against “Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Psychiatry)”	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)

(2)	(3)
"Diploma in Psychological Medicine"	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijaywada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)
"Doctor of Medicine(Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada on or after 1980.)

(d) against "NTR University of Health Sciences, Vijayawada" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)
"Diploma in Psychological Medicine"	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 1987.)
"Doctor of Medicine(Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Rangaraya Medical College, Kakinada on or after 1980.)
"Diploma in Venerology & Dermatology/ Diploma in Dermatology, Venerology & Leprosy"	D.V.D./D.D.VL. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.V.S. Medical College, Mahabubnagar on or after July 2008.)
"Diploma in Ophthalmology"	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.V.S. Medical College, Mahabubnagar on or after July 2008.)
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008.)
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD(D.VL.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after 2006.)

(2)	(3)
"Master of Surgery (Orthopaedics)"	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after 2006).
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences Hyderabad on or after July 2008).
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1975).

(e) against "Kakatiya University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Diploma in Laryngology & Otology"	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1975).

(f) against "Bihar University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD(SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bihar University in respect of the students being trained at Darbhanga Medical College, Laheriasarai on or after 1960).

(g) against "Baba Saheb Bhim Rao Ambedkar Bihar University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD(SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Baba Saheb Bhim Rao Ambedkar Bihar University in respect of the students being trained at Darbhanga Medical College, Laheriasarai on or after 1960).

(h) against "Patna University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Patna University in respect of the students being trained at Darbhanga Medical College, Laheriasarai on or after 1960).



(i) against "Mithila University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mithila University in respect of the students being trained at Darbhanga Medical College, Laheriasarai on or after 1960).
--	--

(j) against "L.N. Mithila University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by L.N. Mithila University in respect of the students being trained at Darbhanga Medical College, Laheriasarai on or after 1960).

(k) against "Sardar Patel University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Radio Diagnosis)"	MD (Radio Diagnosis) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University in respect of the students being trained at Pramukhswami Medical College, Karamsad on or after December, 2004).

(l) against "Veer Narmad South Gujarat University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Radio Diagnosis)"	MD (Radio Diagnosis) (This shall be a recognised Medical qualification when granted by Veer Narmad South Gujarat University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Surat on or after 2003).
"Diploma in Medical Radio Diagnosis"	D. M. R. D. (This shall be a recognised Medical qualification when granted by Veer Narmad South Gujarat University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Surat on or after 2002).

(m) against "M. S. University of Baroda" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column(2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Plastic Surgery)"	M. Ch (Plastic Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by M. S. University of Baroda in respect of the students being trained at Govt. Medical Collage, Baroda on or after 1982).

(n) against "Himachal Pradesh University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Pharmacology)"	MD (Pharmacology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Himachal Pradesh University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Shimla on or after 1986).

(o) against "Bangalore University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bangalore University in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1989).
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bangalore University in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1995).

(p) against "Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely:—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1989).
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Bangalore Medical College, Bangalore on or after 1995).
"Master of Surgery (Ear, Nose & Throat)"	MS (ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Father Mullar Medical College, Mangalore on or after 2003).
"Diploma in Laryngology & Otology"	D. L. O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at Father Mullar Medical College, Mangalore on or after 2002).
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore in respect of the students being trained at B.M. Patil Medical College, Bijapur on or after 2001).

(q) against "Sher-I-Kashmir Institute of Medical Sciences (Deemed University)" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Magistrar of Chirurgiae (Plastic Surgery)"	M. Ch (Plastic Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sher-I-Kashmir Institute of Medical Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at Sher-I-Kashmir Institute of Medical Sciences, Srinagar on or after 2005).
"Magistrar of Chirurgiae (Cardio Thoracic Vascular Surgery)"	M.Ch (CTVS) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sher-I-Kashmir Institute of Medical Sciences (Deemed University) in respect of the students being trained at Sher-I-Kashmir Institute of Medical Sciences, Srinagar on or after January, 1995).

(r) against "Punjab University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Punjab University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Amritsar on or after 1987).

(s) against "Guru Nanak University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Guru Nanak University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Amritsar on or after 1987).

(t) against "Guru Nanak Dev University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Guru Nanak Dev University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Amritsar on or after 1987).

(u) against "Baba Farid University of Health Sciences, Faridkot" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Baba Farid University of Health Sciences, Faridkot in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Amritsar on or after 1987).

(v) against "University of Mumbai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as 'column (3)'], the following shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine(Psychiatry)"	MD(Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Institute of Navel Medicine, Asvini, Mumbai on or after 2004).
"Magistrar of Chirurgiae(Cardio Thoracic Vascular Surgery)"	M.Ch(CTVS) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Magistrar of Chirurgiae(Genito Urinary Surgery)"	M.Ch (Genito Urinary Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Master of Surgery(Ophthalmology)"	MS(Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(Neurology)"	DM(Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(Pathology)"	MD(Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1995).
"Master of Surgery(Orthopaedics)"	MS(Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1992).
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1994).
"Doctor of Medicine(Cardiology)"	DM (Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1992).
"Doctor of Medicine(Obstetrics & Gynaecology)"	MD(OBG) (This shall be a recognised medical qualification when granted by University of Mumbai in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).

(w) against "Maharashtra University of Health Sciences" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Psychiatry)"	MD(Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Institute of Navel Medicine, Asvini, Mumbai on or after 2004).
"Doctor of Medicine(Neurology)"	DM(Neurology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(Pathology)"	MD(Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1995).
"Master of Surgery(Orthopaedics)"	MS(Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1992).
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1994).
"Doctor of Medicine(Cardiology)"	DM(Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1992).
"Doctor of Medicine(Obstetrics & Gynaecology)"	MD(OBG) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai on or after 1993).
"Doctor of Medicine(General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1984).
"Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery"	D.O./D.O.M.S. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Maharashtra University of Health Sciences in respect of the students being trained at Dr. V.M. Medical College, Solapur, Maharashtra on or after 1981).

(x) against "Dr. Baba Saheb Ambedkar Marathwada University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(General Medicine)"	MD(General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Dr. Baba Saheb Ambedkar Marathwada University in respect of the students being trained at S.R.T.R. Medical College, Ambajogai on or after 1984.)

(y) against "S.R.T. Marathwada University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by S.R.T. Marathwada University in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Nanded on or after Nov., 2001.)

(z) against "Mumbai University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(TB & Chest/Respiratory Disease)"	MD(TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Mumbai University in respect of the students being trained at L.T.M. Medical College, Mumbai on or after 1996.)

(aa) against "Shivaji University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery(Ophthalmology)"	MS(Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Shivaji University in respect of the students being trained at Dr. V.M. Medical College, Solapur, Maharashtra on or after 1982.)
"Diploma in Ophthalmology/Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery"	D.O./D.O.M.S. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Shivaji University in respect of the students being trained at Dr. V.M. Medical College, Solapur, Maharashtra on or after 1981.)

(bb) against "Nagpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur, Maharashtra on or after 1975.)

(cc) against "R.T.M. Nagpur University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by R.T.M. Nagpur University in respect of the students being trained at Indira Gandhi Medical College, Nagpur, Maharashtra on 'or after 1975.)

(dd) against "Poona University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Master of Surgery(General Surgery)"	MS(General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Poona University in respect of the students being trained at B.J. Medical College, Navi Mumbai on or after 1974.)

(ee) against "Dr. D. Y. Patil University, Navi Mumbai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Pulmonary Medicine)"	MD(Pulmonary Medicine) (This shall be a recognised medical qualification by changing the nomenclature of MD(TB & Chest Disease) when granted by Dr. D.Y. Patil University, Navi Mumbai in respect of the students being trained at Dr. D. Y. Patil Medical College, Navi Mumbai.)

(ff) against "Rajasthan University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine(Pathology & Microbiology)"	MD(Pathology & Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification by changing the nomenclature of MD(Pathology & Bacteriology) when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at S.M.S. Medical College, Jaipur.)
"Diploma in Gynaecology & Obstetrics"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at R.N.T. Medical College, Udaipur on or after 1980.)
"Doctor of Medicine(Pathology)"	MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at R.N.T. Medical College, Udaipur on or after 1986.)
"Doctor of Medicine(Pathology & Microbiology)"	MD(Pathology & Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification by changing the nomenclature of MD(Pathology & Bacteriology) when granted by Rajasthan University in respect of the students being trained at S.P. Medical College, Bikaner.)

(gg) against "Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Gynaecology & Obstetrics"	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur in respect of the students being trained at R.N.T. Medical College, Udaipur on or after 1980.)
"Doctor of Medicine(Pathology)"	MD(Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur in respect of the students being trained at R.N.T. Medical College, Udaipur on or after 1986.)

(hh) against "The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Orthopaedics"	D. Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by The Tamilnadu Dr. MGR Medical University, Chennai in respect of the students being trained at Thanjavur Medical College, Thanjavur.)

[No. U-12012/30/2009-ME(P-II)]

K. V. S. RAO, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2009

का.आ. 2325.—केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में नाम पद्धति में परिवर्तन होने के कारण एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में—

(क) "श्री वैद्यकेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति" के सामने "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके पश्चात् स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके पश्चात् स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अंतर्गत उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद, निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

2	3
"डाक्टर आफ मेडिसिन आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम.डी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह श्री वैद्यकेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में श्री वैद्यकेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति द्वारा मई 2008 में अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)"	एम. एस. (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. बी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में श्री वैद्यकेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरान्त प्रदान की गई हो।)



2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (अस्थि रोग विज्ञान)"	एम. एस. (अस्थि रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में श्री वैकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण विज्ञान)"	एम. डी. (संज्ञाहरण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में श्री वैकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"संज्ञाहरण डिप्लोमा"	डी. ए. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में श्री वैकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), तिरुपति द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
(ख) "आन्ध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "यंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)"	एम. एस. (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (अस्थि रोग विज्ञान)"	एम. एस. (अस्थि रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण विज्ञान)"	एम. डी. (संज्ञाहरण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"संज्ञाहरण डिप्लोमा"	डी. ए. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा सामुदायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (एस. पी. एम.) चिकित्सा/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्र मेडिकल कालेज, विशाखापत्तनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980-81 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

[illegible]

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा विज्ञान)"	एम.डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह कामायनी आयुर्विज्ञान संस्थान, नरकटपल्ली में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा दिसम्बर, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
(ग) "एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-	
2	3
"शल्य चिकित्सा निष्णात (शरीर रचना विज्ञान)"	एम. एस. (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शल्य चिकित्सा निष्णात (अस्थि रोग विज्ञान)"	एम. एस. (अस्थि रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण विज्ञान)"	एम. डी. (संज्ञाहरण विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"संज्ञाहरण डिप्लोमा"	डी. ए. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह एस. वी. मेडिकल कालेज, तिरुपति में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1978 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा/सामुदायिक चिकित्सा)"	एम.डी. (एसपीएम/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्र मेडिकल कालेज, विशाखापत्तनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980-81 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"जन स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी.पी.एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्र मेडिकल कालेज, विशाखापत्तनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980-81 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्र मेडिकल कालेज, विशाखापत्तनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1948 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"मजिस्ट्रार ऑफ चिरुर्गि (मूत्र विज्ञान/जनन-मूत्र शल्य चिकित्सा)"	एम.सी.एच. (मूत्र विज्ञान/जनन-मूत्र शल्य चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह आंध्र मेडिकल कालेज, विशाखापत्तनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1982 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)





2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"

एम. डी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतिपा मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा 1983 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"नेत्र विज्ञान डिप्लोमा"

डी.ओ.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"शिशु स्वास्थ्य डिप्लोमा"

डी.सी.एच.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग-विज्ञान डिप्लोमा"

डी.जी.ओ.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"संज्ञाहरण डिप्लोमा"

डी.ए.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"अस्थि रोग विज्ञान"

डी. ऑर्थो

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"चिकित्सा रेडियो-निदान डिप्लोमा"

डी.एम.आर.डी.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"यक्ष्मा एवं वक्ष रोग डिप्लोमा"

डी.टी.सी.डी.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"मनोवैज्ञानिक चिकित्सा डिप्लोमा"

डी.सी.एम.

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्लौर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विजयवाड़ा, द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

2

3

"रतिजरोग विज्ञान एवं त्वचा विज्ञान डिप्लोमा/त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग डिप्लोमा"	डी.वी.डी./डी.डी.वी.एल. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह नारायणा मेडिकल कालेज, नेल्सोर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा दिसम्बर, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान)"	एम.डी. (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"स्वरयंत्र विज्ञान तथा कर्ण विज्ञान डिप्लोमा"	डी.एल.ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"अस्थि रोग विज्ञान डिप्लोमा"	डी. ऑर्थो (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"शिशु स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी.सी.एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रेडियो निदान)"	एम.डी. (रेडियो निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2006 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)"	एम.डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"मनोवैज्ञानिक चिकित्सा डिप्लोमा"	डी.पी.एम. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह डेक्कन आयुर्विज्ञान कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम.डी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2006 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (यक्ष्मा एवं वक्ष रोग)"

एम.डी. (टीबी एंड सीडी)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2006 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण विज्ञान)"

एम.डी. (संज्ञाहरण विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2006 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"

एम.डी. (विकृति विज्ञान)

(यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2006 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जैव रसायन)"

एम.डी. (जैव रसायन)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा दिसम्बर, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)"

एम. डी. (बाल रोग चिकित्सा)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह सिद्धार्थ मेडिकल कालेज, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (कार्डियोलॉजी)"

डी. एम. (कार्डियोलॉजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2005 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एंडोक्रिनोलॉजी)"

डी. एम. (एंडोक्रिनोलॉजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 2005 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"चिरुरगई मजिस्ट्रार (सर्जिकल आंकोलाजी)"

एम. सी. एच. (सर्जिकल आंकोलाजी)

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा नवम्बर, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

"संज्ञाहरण में डिप्लोमा"

डी. ए.

(यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस.बी.एस. मेडिकल कालेज, महबूबनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)



2	3
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)”	एम. डी. (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एस बी एस मेडिकल कालेज, महबूबनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निरोधक आयुर्विज्ञान/सामुदायिक आयुर्विज्ञान)”	एम. डी. (एस पी एम/सामु. आयु.) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1988 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“जन स्वास्थ्य में डिप्लोमा”	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1987 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)”	एम डी (बाल रोग चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा”	डी. सी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (नेफ्रोलाजी)”	डी. एम. (नेफ्रोलाजी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जनवरी 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जैव रसायन)”	एम. डी. (जैव रसायन) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ममता मेडिकल कालेज, खम्माम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (न्यायिक चिकित्सा)”	एम. डी. (न्यायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह ममता मेडिकल कालेज, खम्माम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा दिसम्बर, 2008 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षय रोग एवं वक्ष/श्वसनी रोग)”	एम. डी. (क्षय रोग एवं वक्ष रोग/श्वसनी रोग) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1992 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल रोग चिकित्सा)”	एम. डी. (बाल रोग चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1966 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम सामुदायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (एस पी एम/सामु. चिकि.) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"जन स्वास्थ्य में डिप्लोमा"	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम. डी. (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह एन टी आर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा रंगराया मेडिकल कालेज काकिनाडा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(घ) "आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक 'मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता' [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (एस पी एम/समुदाय चिकित्सा)"	एम. डी. (एस पी एम/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा आंध्र मेडिकल कालेज विशाखापटनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980-81 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"लोक स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी पी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा आंध्र मेडिकल कालेज विशाखापटनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980-81 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा आंध्र मेडिकल कालेज विशाखापटनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1948 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"मजिस्ट्रार ऑफ चिरुरजी (मूत्र विज्ञान/जननमूत्र शल्य क्रिया)"	एम सी एच (यूरोलाजी/जेनिटो-यूरिनरी सर्जरी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा आंध्र मेडिकल कालेज विशाखापटनम में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1982 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)"	एम डी (विकिरण निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा दक्कन आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में जुलाई, 2006 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (अंतः स्त्राविकी)"	एम डी (एंडोक्रिनोलाजी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 2005 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग एवं वक्ष श्वसन रोग)"	एम डी (टी बी एंड चेस्ट/रेसिप. डीजिज) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1992 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एम डी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा गुंटूर मेडिकल कालेज, गुंटूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1966 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर क्रिया विज्ञान)"	एम डी (शरीर क्रिया विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा रंगराया मेडिकल कालेज, काकिनाडा में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1980 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(ड) "काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल" के सामने शीर्षक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और 'पंजीकरण के लिए संक्षेपण' [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2

3

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक तथा निवारक चिकित्सा)"	एम डी (एस पी एम) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1984 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"लोक स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी पी एच (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1984 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रति रोग विज्ञान, कुष्ठ रोग/त्वचा विज्ञान)"	एम डी (डी वी एल/डी) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1985 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा)"	एम डी (बाल चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1981 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग, वक्षरोग/ श्वसन रोग)"	एम डी (टी बी एंड चेस्ट/रेस्प. डिजीज) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1984 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)"	एम डी (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह काकतीय विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1983 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

(च) “उस्मानिया विश्वविद्यालय, वारंगल” के सामने शीर्षक ‘मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता’ [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि के बाद और ‘पंजीकरण के लिए संक्षेपण’ [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक तथा निवारक चिकित्सा)”	एम. डी. (एस पी एम) (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1984 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“लोक स्वास्थ्य डिप्लोमा”	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में 1984 में अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ रोग/त्वचा विज्ञान)”	एम. डी. (डी. बी. एल./डी.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा विज्ञान)”	एम. डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षय रोग एवं वक्ष/श्वसनी रोग)”	एम. डी. (टी. बी. एवं वक्ष/श्वसनी रोग) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1984 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्म जीव विज्ञान)”	एम. डी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह काकतीय मेडिकल कालेज, वारंगल में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1983 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (हृदय रोग विज्ञान)”	डी. एम. (हृदय रोग विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 2005 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा/सामुदायिक चिकित्सा)”	एम. डी. (एसपीएम/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1988 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“जन स्वास्थ्य डिप्लोमा”	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1987 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा विज्ञान)”	एम. डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गांधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1981 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

2	3
"बाल स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी. सी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गाँधी मेडिकल कालेज, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा 1980 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

(छ) "निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान(जन विश्वविद्यालय)" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] के अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)"	डी. एम. (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान, हैदराबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा जुलाई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

(ज) "नागार्जुन विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षय रोग एवं वक्ष/श्वसनी रोग)"	एम. डी. (टी. बी. एवं वक्ष/श्वसनी रोग) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गंदूर मेडिकल कॉलेज, गंदूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा 1992 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल चिकित्सा विज्ञान)"	एम. डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गंदूर मेडिकल कॉलेज, गंदूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा 1966 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
--	---

"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा/सामुदायिक चिकित्सा)"	एम. डी. (एसपीएम/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गंदूर मेडिकल कॉलेज, गंदूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
--	--

"जन स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गंदूर मेडिकल कॉलेज, गंदूर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा 1985 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
-------------------------	--

(झ) "गुजरात विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (वृक्क विज्ञान)"	डी. एम. (वृक्क विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बी. जे. मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद से सम्बद्ध गुर्दा रोग एवं अनुसंधान केंद्र संस्थान में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा 1988 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

2	3
"जन स्वास्थ्य डिप्लोमा"	डी. पी. एच. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह बी. जे. मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

(ब) "भावनगर विश्वविद्यालय" के सामने शीर्षक "मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] अधीन अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद शीर्षक "पंजीकरण के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] के अधीन निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक चिकित्सा)"	एम. डी. (एसपीएम) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, भावनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में भावनगर विश्वविद्यालय द्वारा मई, 2008 में अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	एम. डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी यदि यह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, भावनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में भावनगर विश्वविद्यालय द्वारा 2008 को अथवा उसके उपरांत प्रदान की गई हो।)

(ट) "सरदार पटेल विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता" [इसके बाद स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अन्तर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद "पंजीयन के लिए संक्षेपण" [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

2	3
"चिकित्सा विज्ञान डिप्लोमा"	डी. आर्यो. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा 2002 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"शल्य विज्ञान (नेत्र विज्ञान)"	एमएस (नेत्र विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"नेत्र विज्ञान डिप्लोमा"	डी. ओ. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)"	एम. डी. (विकृति विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
"क्षयरोग एवं छाती रोग डिप्लोमा"	डी. टी. सी. डी. (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

2	3
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा रोग विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ)”	एम. डी. (डी. वी. एल.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल, 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
(ठ) “सौराष्ट्र विश्वविद्यालय” के सामने शीर्षक “मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता” [इसके आगे स्तंभ (2) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत अंतिम प्रविष्टि और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद “पंजीयन के लिए संक्षेपण” [इसके आगे स्तंभ (3) के रूप में संदर्भित] शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-	
2	3
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा रोग विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कुष्ठ)”	एम. डी. (डी. वी. एल.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा मई 2002 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनश्चिकित्सा)”	एम. डी. (मनश्चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा मई 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक एवं निवारक आयुर्विज्ञान/सामुदायिक चिकित्सा)”	एम. डी. (एसपीएम/सामुदायिक चिकित्सा) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा मई 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संवेदनाहरण)”	एम. डी. (संवेदनाहरण) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा मई 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीर रचना विज्ञान)”	एम. डी. (शरीर रचना विज्ञान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा मई 2008 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान एवं त्वचा रोग विज्ञान)”	एम. डी. (त्वचा एवं वी.डी.) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह एम.पी.शाह मेडिकल कॉलेज, जामनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1992 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण निदान)”	एम. डी. (विकिरण निदान) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह एम.पी.शाह मेडिकल कॉलेज, जामनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1980 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)
“चिकित्सा विकिरण निदान डिप्लोमा”	एम. डी. (डीएमआरडी) (यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह एम.पी.शाह मेडिकल कॉलेज, जामनगर में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्रों के संबंध में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा 1978 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो।)

[सं. यू-12012/25/2009-एम.ई.(पी-II)]

के. वी. एस. राव, उप सचिव

New Delhi, the 27th July, 2009

S.O. 2325.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, due to change of nomenclature of the qualification namely :-

In the said Schedule —

(a) against “Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for Registration’ [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely :-

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Microbiology)”	MD (Microbiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati in respect of the students being trained at Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences, Tirupati on or after May, 2008).
“Master of Surgery (Anatomy)”	MS (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
“Master of Surgery (Orthopaedics)”	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).
“Doctor of Medicine (Anaesthesia)”	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
“Diploma in Anaesthesia”	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (Deemed University), Tirupati in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).

(b) against “Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada” under the heading ‘Recognised Medical Qualification’ [ hereinafter referred to as column (2) ], after the last entry and entry relating thereto under the heading ‘Abbreviation for registration’ [hereinafter referred to as column (3) ], the following shall be inserted, namely :-

(2)	(3)
“Master of Surgery (Anatomy)”	MS (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
“Master of Surgery (Orthopaedics)”	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).



(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Anaesthesia)”	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
“Diploma in Anaesthesia”	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).
“Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)”	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).
“Diploma in Public Health”	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).
“Doctor of Medicine (Physiology)”	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1948).
“Magistrar of Chirurgiae (Urology/Genito-Urinary Surgery)”	M.Ch (Urology/ Genito-Urinary Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1982).
“Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)”	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1988).
“Diploma in Public Health”	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1987).
“Doctor of Medicine (Paediatrics)”	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1981).
“Diploma in Child Health”	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1980).

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (TB & Chest/Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/ Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1992).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1966).
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangraya Medical College, Kakinada on or after 1980).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra Pradesh University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after Dec., 2008).

(c) against "NTR University of Health Sciences, Vijayawada" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :-

(2)	(3)
"Master of Surgery (Anatomy)"	MS (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
"Master of Surgery (Orthopaedics)"	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1980).
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V. Medical College, Tirupati, Tirupati on or after 1978).
"Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).

(2)	(3)
“Diploma in Public Health”	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).
“Doctor of Medicine (Physiology)”	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1948).
“Magistrar of Chirurgiae (Urology/Genito-Urinary Surgery)”	M. Ch (Urology/Genito-Urinary Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1982).
“Diploma in Tuberculosis & Chest Disease”	D.T.C.D (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Master of Surgery (Orthopaedics)”	MS (Orthopaedics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Diploma in Orthopaedics”	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Diploma in Veneral Diseases”	D.V.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Master of Surgery (Oto-Rhino-Laryngology)”	MS (ENT) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Diploma in Laryngology & Otology”	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
“Doctor of Medicine (Pathology)”	MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Diploma in Anaesthesia"	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)"	MD (Obst. & Gynae.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Master of Surgery (General Surgery)"	MS (General Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Diploma in Psychological Medicine"	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Doctor of Medicine (General Medicine)"	MD (General Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after July, 2008).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kamineni Institute of Medical Sciences, Narkatpally on or after Dec., 2008).
"Doctor of Medicine (SPM)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD (D.V.L./D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1985).

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Paediatrics)”	MD (Paed.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1981).
“Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest/Respiratory Disease)”	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
“Doctor of Medicine (Microbiology)”	MD (Micro.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1983).
“Diploma in Ophthalmology”	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Child Health”	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Gynaecology & Obstetrics”	D.G.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Anaesthesia”	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Orthopaedics”	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Medical Radio-Diagnosis”	D.M.R.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Tuberculosis & Chest Disease”	D.T.C.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).

(2)	(3)
“Diploma in Psychological Medicine”	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after July, 2008).
“Diploma in Venerology & Dermatology/ Diploma in Dermatology, Venerology & Leprosy”	D.V.D./D.D.V.L. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Narayana Medical College, Nellore on or after Dec., 2008).
“Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)”	MD (Obst. & Gynae.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Diploma in Laryngology & Otology”	D.L.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Diploma in Orthopaedics”	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Diploma in Child Health”	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Doctor in Medicine (Radiodiagnosis)”	MD (Radio-Diag.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2006).
“Doctor of Medicine (Psychiatry)”	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Diploma in Psychological Medicine”	D.P.M. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).
“Doctor of Medicine (Microbiology)”	MD (Micro.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after July, 2006).

(2)	(3)
“Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest Disease)”	MD (TB & CD) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after July, 2006).
“Doctor of Medicine (Anaesthesia)”	MD (Anaes.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after July, 2006).
“Doctor of Medicine (Pathology)”	MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after 2006).
“Doctor of Medicine (Biochemistry)”	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after Dec., 2008).
“Doctor of Medicine (Paediatrics)”	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Siddhartha Medical College, Vijayawada on or after 2006).
“Doctor of Medicine (Cardiology)”	DM (Cardiology)- (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 2005).
“Doctor of Medicine (Endocrinology)”	DM (Endocrinology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 2005).
“Magistrar of Chirurgiae (Surgical Oncology)”	M. Ch (Surgical Oncology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after Nov., 2008).
“Diploma in Anaesthesia”	D.A. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V.S. Medical College, Mahabubnagar on or after July, 2008).
“Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)”	MD (Obst. & Gynae.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at S.V.S. Medical College, Mahabubnagar on or after July, 2008).

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1988).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1987).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1981).
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1980).
"Doctor of Medicine (Nephrology)"	DM (Nephrology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after January, 2006).
"Doctor of Medicine (Biochemistry)"	MD (Biochemistry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Manta Medical College, Khammam on or after 2008).
"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)"	MD (Forensic Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Manta Medical College, Khammam on or after Dec, 2008).
"Doctor of Medicine (TB & Chest/ Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1992).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1966).
"Doctor of Medicine (SPM / Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicines ) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1985).



(2)	(3)
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1985).
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by NTR University of Health Sciences, Vijayawada in respect of the students being trained at Rangraya Medical College, Kakinada on or after 1980).

(d) against "Andhra University" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (SPM / Community Medicine)"	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1980-81).
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1948).
"Magistrar of Chirurgiae (Urology/ Genito-Urinary Surgery)"	M. Ch. (Urology/Genito-Urinary Surgery) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Andhra Medical College, Visakhapatnam on or after 1982).
"Doctor of Medicine (Radiodiagnosis)"	MD (Radio-Diag.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Deccan College of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2006).
"Doctor of Medicine (Endocrinology)"	DM (Endocrinology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 2005).
"Doctor of Medicine (TB & Chest/ Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1992).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1966).
"Doctor of Medicine (Physiology)"	MD (Physiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Andhra University in respect of the students being trained at Rangraya Medical College, Kakinada on or after 1980).

(e) against "Kakatiya University, Warangal" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD (D.V.L/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1985).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1981).
"Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest/Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Micro.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Kakatiya University, Warangal in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1983).

(f) against "Osmania University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy/Dermatology)"	MD (D.V.L/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1985).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paed.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1981).

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest/Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1984).
"Doctor of Medicine (Microbiology)"	MD (Micro.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Kakatiya Medical College, Warangal on or after 1983).
"Doctor of Medicine (Cardiology)"	DM (Cardiology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Osmania Medical College, Hyderabad on or after 2005).
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1988).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1987).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1981).
"Diploma in Child Health"	D.C.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Osmania University, in respect of the students being trained at Gandhi Medical College, Hyderabad on or after 1980).

(g) against "Nizam Institute of Medical Sciences (Deemed University)" under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (Medical Oncology)"	DM (Medical Oncology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nizam Institute of Medical Sciences (Deemed University), in respect of the students being trained at Nizam Institute of Medical Sciences, Hyderabad on or after July, 2008).

(h) against "Nagarjuna University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (TB & Chest/Respiratory Disease)"	MD (TB & Chest/Resp. Disease) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagarjuna University, in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1992).
"Doctor of Medicine (Paediatrics)"	MD (Paediatrics) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagarjuna University, in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1966).

(2)	(3)
"Doctor of Medicine (SPM/Community Medicine)"	MD (SPM/Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagarjuna University, in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1985).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Nagarjuna University, in respect of the students being trained at Guntur Medical College, Guntur on or after 1985).

(i) against "Gujarat University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

Doctor of Medicine (Nephrology)"	DM (Nephrology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Gujarat University, in respect of the students being trained at Institute of Kidney Diseases & Research Center Attached with B.J. Medical College, Ahmedabad on or after 1988).
"Diploma in Public Health"	D.P.H. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Gujarat University, in respect of the students being trained at B.J. Medical College, Ahmedabad on or April, 2008).

(j) against "Bhavnagar University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)"	MD (SPM) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bhavnagar University, in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Bhavnagar on or after May, 2008).
Doctor of Medicine (Pathology)"	MD (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Bhavnagar University, in respect of the students being trained at Govt. Medical College, Bhavnagar on or after May, 2008).

(k) against "Sardar Patel University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

(2)	(3)
"Diploma in Orthopaedics"	D.Ortho. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after 2002).
"Master of Surgery (Ophthalmology)"	MS (Ophthalmology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after April, 2008).
"Diploma in Ophthalmology"	D.O. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after April, 2008).

(2)

(3)

"Doctor of Medicine (Pathology)"	MD(Pathology) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after April, 2008).
"Diploma in Tuberculosis & Chest Disease"	D.T.C.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after April, 2008).
"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	MD(D.V.L.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Sardar Patel University, in respect of the students being trained at Pramukhswamy Medical College, Karamsad on or after April, 2008).

(1) against "Saurashtra University," under the heading 'Recognised Medical Qualification' [hereinafter referred to as column (2)], after the last entry and entry relating thereto under the heading 'Abbreviation for Registration' [hereinafter referred to as column (3)], the following shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology, Venerology & Leprosy)"	D.M(D.V.L.) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at Pandit Deendayal Upadhyay Medical College, Rajkot on or after May, 2008).
"Doctor of Medicine (Psychiatry)"	MD (Psychiatry) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at Pandit Deendayal Upadhyay Medical College, Rajkot on or after May, 2008).
"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine/Community Medicine)"	MD (SPM/ Community Medicine) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at Pandit Deendayal Upadhyay Medical College, Rajkot on or after May, 2008).
"Doctor of Medicine (Anaesthesia)"	MD (Anaesthesia) (This shall be recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at Pandit Deendayal Upadhyay Medical College, Rajkot on or after May, 2008).
"Doctor of Medicine (Anatomy)"	MD (Anatomy) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at Pandit Deendayal Upadhyay Medical College, Rajkot on or after May, 2008).
"Doctor of Medicine (Skin & Venerology, Dermatology)"	MD (Skin & V/D) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at M.P. Shah Medical College, Jamnagar on or after 1992).
"Doctor of Medicine (Radiodiagnosis)"	MD (Radiodiagnosis) (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at M.P. Shah Medical College, Jamnagar on or after 1980).
"Diploma in Medical Radiodiagnosis"	D.M.R.D. (This shall be a recognised medical qualification when granted by Saurashtra University, in respect of the students being trained at M.P. Shah Medical College, Jamnagar on or after 1978).

[No.U.12012/25/2009-ME(P-II)]

K.V.S. RAO, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2009

का. आ. 2326.—दंत चिकित्सक अधिनियम 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (4) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय दंत चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात् केंद्र सरकार उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग-III में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-III में क्रम सं. 90 के पश्चात् स्तंभ 1, 2 और 3 की मौजूद प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :

91. यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एंड डेंटिस्ट्री, न्यू जर्सी, यू.एस.ए.	“ओरोफेसियल पेन फेलोशिप प्रोग्राम केवल एक अतिरिक्त अर्हता के रूप में और भारतीय चिकित्साविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई एमडीएस अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के समतुल्य नहीं, (यदि यह 3-1-2007 को अथवा उससे पहले प्रदान की गई हो।)	ओरोफेसियल पेन फेलोशिप प्रोग्राम, यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एंड डेंटिस्ट्री, न्यू जर्सी, यू.एस.ए.”
---	---	--

[फ.सं.वी-12018/8/2006-डीई]

आर. संकरन, उप सचिव

New Delhi, the 31st July, 2009

S. O. 2326.—In exercise of the powers conferred by clause (b) sub-section (4) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) and after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following further amendments in Part-III of the Schedule to the said Act, namely :—

2. Under the existing entries of column 1, 2 and 3 after serial number 90 in part-III of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) the following entries shall be added, namely :—

91. University of Medicine and Dentistry, New Jersey, USA	“The Orofacial Pain Fellowship programme as an additional qualification only and not equivalent to MDS or PG Diploma Course awarded by Indian Universities. (If granted on or before 3-1-2007).	Orofacial Pain Fellowship Programme, University of Medicine and Dentistry, New Jersey, USA”
--	--	---

[F.No. V-12018/8/2006-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(सूचीवी प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2009

का. आ. 2327.—राजनयिक और कौंसुलीय ऑफिसर (सचय और फ़ीस) के अधिनियम, 1948 (1948 का 41) की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री बसंत, सहायक को 8 अगस्त, 2009 से भारत के राजदूतावास, वार्सा में सहायक कौंसुलर अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी. 4330/1/2006]

आर.के. पेरिन्डिया, अपर सचिव (कौंसुलर)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(C.P.V. Division)

New Delhi, the 7th August, 2009

S. O. 2327.—In pursuance of the clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri Basant, Assistant in the Embassy of India, Poland, Warsaw to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 7th August, 2009.

[No. T-4330/01/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

**कृषि मंत्रालय**

(कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

**का. आ. 2328.**—केन्द्रीय सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, पुसा (भा.कृ.अ.प.) नई दिल्ली के क्षेत्रीय केन्द्रीय, शिमला को जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[फा. सं. 13-10/2009-हिंदी]

अलका आहुजा, अवर सचिव

**MINISTRY OF AGRICULTURE**

(Department of Agricultural Research and Education)

New Delhi, the 17th August, 2009

**S.O. 2328.**—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purpose of the Union) Rules 1976, the Central Government, Ministry of Agriculture, Department of Agricultural Research & Education hereby notifies the Regional Centre, Shimla of National Bureau of Plant Genetic Resources (ICAR) Pusa, New Delhi where more than 80% of staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. 13-10/2009-Hindi]

ALKA AHUJA, Under Secy.

**विद्युत मंत्रालय**

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2009

**का.आ. 2329.**—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद, पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव तथा पावर फाइनेंस कारपोरेशन लि., नई दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारीवृंद ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करती है :

1. एनएचपीसी लिमिटेड, चमेरा जल विद्युत परियोजना, चरण-III, धरवाला, पोस्ट बैग-9, जिला-चंबा (हि.प्र.)
2. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., उत्तरी क्षेत्र टेलीकॉम नियंत्रण केन्द्र, सी-159, इंडस्ट्रियल एरिया फेस-I, ओखला, नई दिल्ली-110020
3. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 200/132 के.वी. उप केन्द्र, गांव उमरा-चकदादर, उमरा रोड, गुवागुली (उ.प्र.)
4. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 200/132 के.वी. उप केन्द्र, पिथौरागढ़
5. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 765/400 के.वी. उप केन्द्र, ग्राम च पोस्ट इब्राहिम पट्टी, तहसील-बेल्थरा रोड, जिला-बलिया (उ.प्र.)
6. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 400/220 के.वी. उप केन्द्र, मैनपुरी, 12 कि.मी., माइल स्टोन, भोगांव रोड, पोस्ट-भोगांव, जिला मैनपुरी-205001 (उ.प्र.)
7. मुनिराबाद 400 के.वी. उप केन्द्र, पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., दक्षिण क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I, गुलदहल्ली गांव, बाया-गिनिगेरा, कोम्पल तालुक एवं जिला-583228 (कर्नाटक)
8. नागार्जुनसागर 400 के.वी. उप केन्द्र, पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., दक्षिण क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I, तात्सपल्ली गांव, माचल्ला मंडल, गुंटूर जिला-522 426 (आंध्र.)
9. गुत्ती 400 के.वी. उप केन्द्र, द.क्षे.पा.प्र.-I, पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., कर्नूल रोड, गुत्ती-515 402, अनंतपुर-जिला (आंध्र.)
10. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 400/220 के.वी. पटना उप केन्द्र, गौरीचक, पो. फतेहपुर, जिला पटना (बिहार)
11. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., 400/220 के.वी. उप केन्द्र, मेदन्नहल्ली, एल्लाल (झाक), मैसूर-571130
12. क्षेत्रीय कार्यालय (दक्षिण), पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड, प्रथम तल, एसपीएस बिल्डिंग, न्यू नं. 185, पुराना नं. 137, अन्नासलाई, चेन्नई-600002

[सं. 11017/1/2007-हिन्दी]

सुधीर कुमार, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF POWER**

New Delhi, the 31st July, 2009

S.O. 2329.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of NHPC Limited, Faridabad, Powergrid Corporation of India Ltd., Gurgaon and Power Finance Corporation Ltd., New Delhi, the staff whereof have acquired 80% working knowledge of Hindi :—

1. NHPC Ltd., Chamara HE Project, Stage-III, Dharwala, Post Bag-9, Distt. Chamra-176311 (HP).
2. Powergrid Corporation of India Ltd., Northern Region Telecom Control Center, C-159, Industrial Area Phase-I, Okhla, New Delhi-110020.
3. Powergrid Corporation of India Ltd., 220/132 KV Sub-Station, Village-Umra-Chakdadar, Amawa Road, Raibareilly (UP).
4. Powergrid Corporation of India Ltd., 220/132 KV Sub-Station, Pithoragarh.
5. Powergrid Corporation of India Ltd., 765/400 KV Sub-Station, Village & Post-Ibrahim Patti, Tehsil-Belthra Road, Distt. Ballia (UP).
6. Powergrid Corporation of India Ltd., 400/220 KV Sub-Station, Mainpuri, 12th KM Mile Stone, Bhogaon Road, Post-Bhogaon, Distt. Mainpuri-205001 (UP).
7. Munirabad 400 KV Sub-Station, Powergrid Corporation of India Ltd., Southern Region Transmission System-I, Guladahalli Village, Via-Ginigira, Koppal TQ & Distt.-583228 (Karnataka).
8. Nagarjuna Sagar 400 KV Sub-Station, Powergrid Corporation of India Ltd., Southern Region Transmission System-I, Tallapalli Village, Macherla Mandal, Guntur Distt.-522 426 (Andhra Pradesh).
9. Gooty 400 KV Sub-Station, SRTS-I, Powergrid Corporation of India Ltd., Kurnool Road, Gooty-515402. Anantapur-Distt. (AP).
10. Powergrid Corporation of India Ltd., 400/220 KV Patna Sub-Station, Gaurichak, P.O. Fatehpur, Distt. Patna (Bihar).
11. Powergrid Corporation of India Ltd., 400/220 KV Sub-Station, Medamhalli, Alwal (Post), Mysore-571130.
12. Regional Office (South), Power Finance Corporation Ltd., 1st Floor, APS Building, New No. 185, Old No. 137, Anna Salai, Chennai-600002.

[No. 11017/1/2007-Hindi]  
SUDHIR KUMAR, Jt. Secy.

**उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय**

( उपभोक्ता मामले विभाग )

**भारतीय मानक ब्यूरो**

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 2009

का. आ. 2330.— भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक(कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :

**अनुसूची**

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 4989 ( भाग 2 ) : 2003	संशोधन संख्या 2, अगस्त 2009	03 अगस्त, 2009

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो मानक भवन, 9 बहादुर साह अक्षर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों, नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा साखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयंबटूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए.के. सेनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)



**MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION****(Department of Consumer Affairs)****BUREAU OF INDIAN STANDARDS**

New Delhi, the 11th August, 2009

**S. O. 2330.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :

**SCHEDULE**

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 4989 (Part 4): 2003	Amendment No. 2, August 2009	03 August, 2009

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A. K. SAINI, Sc. 'F' &amp; Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 2009

**का. आ. 2331.**—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :

**अनुसूची**

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15835 : 2009 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियां—एचसीएफसी 125—शमन पद्धतियां	—	28 फरवरी, 2009

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों, नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए.के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 11th August, 2009

**S.O. 2331.**—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

**SCHEDULE**

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15835 : 2009 Gaseous fire extinguishing systems—HCFC—125 Extinguishing Systems	—	28 February, 2009

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A. K. SAINI, Sc. 'F' &amp; Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2009

का. आ. 2332. — भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के नियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं।

## अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने के तिथि वर्ष/ माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का सीरियल	भा मा संख्या	भाग	अनु	वर्ष
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	7833183	3-4-2008	मैसर्स एन एस एस एल लिमिटेड प्लॉट क्र. टी-45, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, हिंगणा नागपुर, महाराष्ट्र-440016	मोटर वाहनों में प्रयुक्त स्थायी रूप से बने द्रवित पेट्रोलियम गैस आकारों के लिये बहुप्रकारपरिणक फलक	15100	—	—	2001
2.	7833587	4-4-2008	मैसर्स शिव पाइप्स सर्वे सं. 29, दाभा, अक्कमाल रोड, अनंतवती, महाराष्ट्र-444701	सिंचाई उपकरण-स्प्रिंकलर पाइप विशिष्ट, भाग-2 सहज संयोगी पॉलिएथिलीन पाइप तथा फिटिंग्स	14151	2	—	1999
3.	7833890	7-4-2008	मैसर्स जिनस रोलिंग मिल्स प्रा. लि. इ-8 एम आई डी सी एरिया, बुट्टीबोरी, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-440108	तफवेरिलित कम, मध्यम और उच्च तनन संरचनात्मक वाला इस्पात	2062	—	—	2006
4.	7839094	25-4-2008	मैसर्स महाराष्ट्र सिलेंडर प्रा. लि. रेलवे स्टेशन के पास, एट पोस्ट : कलमेश्वर, जिला नागपुर, महाराष्ट्र	अल्प दाब द्रवणीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले बेरिलित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर-भाग 1 द्रवित पेट्रोलियम गैस (एल पी जी) के लिए सिलिंडर की विशिष्ट	3196	1	—	2006
5.	7844087	15-5-2008	मैसर्स सुंदर रोलिंग मिल्स प्रा. लि. प्लॉट सं. बी-212, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, इस्पात नागपुर, महाराष्ट्र-441108	तफवेरिलित कम, मध्यम और उच्च तनन संरचनात्मक वाला	2062	—	—	2006
6.	7845796	27-5-2008	मैसर्स मिनाक्शि रि-रोलर्स प्रा. लि. बी-120, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया बुट्टीबोरी, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-440108	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च शक्ति विरूपित इस्पात सरिए एवं तार	1786	—	—	1985

1	2	3	4	5	6	7	8	9
7.	7847703	3-6-2008	मैसर्स बालाजी इंडस्ट्रीज सर्वे क्र. सं. 65, वाही, पोस्ट नयगंज, तालुका नांदुरा, जिला बुलडाणा, महाराष्ट्र	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
8.	7848604	5-6-2008	मैसर्स श्री मेहर ज्वेलर्स दारोडकर निवास, मोदी क्र. 2, सिताबुल्ही, नागपुर, महाराष्ट्र-440012	चांदी एवं चांदी मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्ट	2112	—	—	2003
9.	7848402	6-6-2008	मैसर्स पारेख गजेन्द्रराय वसंतराय, इतवारी, सरफा बाजार, नागपुर, महाराष्ट्र-440002	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्ट	1417	—	—	1999
10.	7848503	6-6-2008	मैसर्स श्री मेहर ज्वेलर्स दारोडकर निवास मोदी क्र. 2, सिताबुल्ही नागपुर, महाराष्ट्र-440012	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्ट	1417	—	—	1999
11.	7849097	6-6-2008	मैसर्स समीक्षा एन्ट्रो मिनरल्स एस क्र. 149, देशान्ता प्रेस के पिछे, गोंडखेरी, तालुका कलमेश्वर, जिला नागपुर, महाराष्ट्र	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
12.	7854191	1-7-2008	मैसर्स शिवधन बोर्डस प्रा.लि. एस क्र. 25-26, मौजा अलगोंडी, नागपुर, महाराष्ट्र-441108	लकड़ी के उत्पाद-पूर्वपरकत पार्टिकल बोर्ड-विशिष्ट	12823	—	—	1990
13.	7855193	1-7-2008	मैसर्स सनविजय रोसिंग और इंजीनियरिंग लि. मील्स प्रा.लि. प्लॉट क्र बी-203-206, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, बुट्टीबोरी, नागपुर, महाराष्ट्र-441108	तापवैल्लित कम, मध्यम और उच्च तनन संरचनात्मक वाला इस्पात	2062	—	—	2006
14.	7862190	7-8-2008	मैसर्स श्री सिद्धबली इस्पात लि. सी 3, तडाली ग्रोथ केन्द्र जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च शक्ति विरूपित इस्पात सरिए एवं तार	1786	—	—	1985
15.	7868004	28-8-2008	मैसर्स शारदा श्री इस्पात लि., प्लॉट क्र इ-12, एम आई डी सी, बुट्टीबोरी जिला नागपुर, महाराष्ट्र	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च शक्ति विरूपित इस्पात सरिए एवं तार	1786	—	—	1985
16.	7869410	5-9-2008	मैसर्स महाराष्ट्र सिल्लेंडर प्रा. लि., रेलवे स्टेशन के पास, एट पोस्ट, कलमेश्वर, जिला नागपुर, महाराष्ट्र	स्वचल उपयोग के लिये द्रवित पेट्रोलियम गैस (एल पी जी) के धारक-विशिष्ट	14899	—	—	2000

1	2	3	4	5	6	7	8	9
17.	7878815	1-10-2008	मैसर्स चिंतामणी मिनरल्स प्लॉट क्र. ए-19, संयुक्त एम आई डी सी, लोहरा, जिला यवतमाल, महाराष्ट्र-455001	पेकेजबन्द पेय जल (पेकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
18.	7884305	1-11-2008	मैसर्स महाराष्ट्र सिलींडर प्रा.लि. रेलवे स्टेशन के पास, एट पोस्ट : कलमेस्वर, जिला नागपुर, महाराष्ट्र	अल्प दाब द्रव्यीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले बेलिडत अल्प कार्बन इस्पात के सिलींडर-भाग 1 इन्डिया पेट्रोसिबम गैस (एल पी जी) के लिए सिलींडर की विशिष्टि	3196	1	—	2006
19.	7886309	14-11-2008	मैसर्स दिव्यांश स्टील प्रा.लि. के एच नं. 62/1 और 60 मौज बोवरी तालुका कामठी, भंडारा रोड, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-440008	तप्तबेलिडत कम, मध्यम और उच्च तनन संरचनात्मक कासा इस्पात	2062	—	—	2006
20.	7886314	18-11-2008	मैसर्स पवन बेवरेजेस इंडस्ट्रीज गेट क्र. 51, विलेज वांजी, रीशोड रोड, जिला वाशिम, महाराष्ट्र-444505	पेकेजबन्द पेय जल (पेकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
21.	7887008	18-11-2008	मैसर्स अलंकार आर्ट ज्वेलर्स, देना बैंक के सामने, प्रताप चौक, सराफा बाजार, अमरावती, महाराष्ट्र-444601	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/सिल्पकारी सुद्धता एवं मुहराकन-विशिष्टि	1417	—	—	1999
22.	7888616	18-11-2008	मैसर्स रामसन्स कास्टिंग प्रा.लि. प्लॉट क्र. एन 9 और 10, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, हिंगणा रोड, बुट्टीबोरी, नागपुर, महाराष्ट्र-440016	सामान्य संरचनात्मक प्रयोजनों के लिए इस्पात में पुनः रोल करने हेतु कार्बन इस्पात कास्ट शेड इन्गोट, शेड, ब्लुम्स और स्लेब	2830	—	—	1992
23.	7888111	20-11-2008	मैसर्स आनंद वायर्स और केबल्स इंडस्ट्रीज प्लॉट क्र. 16, सर्वे क्र. 23/1 (सी), नया सिंघानिया नगर, वडगांव रोड (आर्नि रोड), जिला यवतमाल, महाराष्ट्र-445001	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये पी पी सी रोडित केबल-विशिष्टि	694	—	—	1990
24.	7888313	20-11-2008	मैसर्स एक्वा पर्ल संयुक्त एम आई डी सी, प्लॉट क्र. 11, लोहरा, जिला यवतमाल, महाराष्ट्र-445001	पेकेजबन्द पेय जल (पेकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004

1	2	3	4	5	6	7	8	9
25.	7888515	20-11-2008	मैसर्स सनविजय रोडिंग और इंजीनियरिंग लि., प्लॉट क्र. बी-203-206, एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया बुट्टीबोरी, नागपुर, महाराष्ट्र-441108	सामान्य संरचनात्मक प्रयोजनों के लिए इस्पात में पुनः रोल करने हेतु कार्बन इस्पात कास्ट रोड इन्गोट, रोड, ब्लुम्स और स्लेब	2830	—	—	1991
26.	9889416	21-11-2008	मैसर्स युनिसेल इंजीनियरिंग प्रा. लि., प्लॉट क्र. सी-44/16, एम आई डी सी, वर्धा, महाराष्ट्र-442006	पानी की आपूर्ति के लिए उच्च घनत्व वाले पॉलिएथिलीन पाइप-विशिष्ट	4984	—	—	1995
27.	7889517	21-11-2008	मैसर्स युनिसेल इंजीनियरिंग प्रा. लि., प्लॉट क्र. सी-44/16, एम आई डी सी, वर्धा, महाराष्ट्र-442006	सिंचाई उपस्कर-स्प्रिंकलर पाइल विशिष्ट, भाग-2, सहज संयोगी पॉलिएथिलीन पाइप तथा फिटिंग्स	14151	2	—	1999
28.	7889820	27-11-2008	मैसर्स भिकमचंद प्रेमचंद बंधिया ज्वेलर्स, जैन भवन के पास, गांधी चौक, पथनपुरा रोड, चंद्रपुर, महाराष्ट्र-442402	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहराकन-विशिष्ट	1417	—	—	1999
29.	7889921	27-11-2008	मैसर्स भिकमचंद प्रेमचंद बंधिया ज्वेलर्स, जैन भवन के पास, गांधी चौक, पथनपुरा रोड, चंद्रपुर, महाराष्ट्र-442402	चांदी एवं चांदी मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहराकन-विशिष्ट	2112	—	—	2003
30.	7892506	8-12-2008	मैसर्स ईनीक पेपर प्रॉडक्ट प्रा. लि. प्लॉट क्र. टी-17/18, एम आई डी सी, हिंगणा, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-440016	जनरल रिव्वाउमेंट्स फॉर पैकेजिंग ऑफ एक्स्प्लोसिव्स पार्ट 1 कमर्शियल हाय एक्स्प्लोसिव्स आई एस 10212 : पार्ट 1 : 1986	10212	1	—	1986
31.	7892607	10-12-2008	मैसर्स पारेख ब्रदर्स, सराफा बाजार, इतवारी, नागपुर, महाराष्ट्र-440002	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहराकन-विशिष्ट	1417	—	—	1999
32.	7894611	18-12-2008	मैसर्स रिजलेक पॉलिमर्स प्रा. लि., प्लॉट क्र. ए-37, एम आई डी सी एरीया, वर्धा, महाराष्ट्र-442006	पानी की आपूर्ति के लिए उच्च घनत्व वाले पॉलिएथिलीन पाइप-विशिष्ट	4984	—	—	1995
33.	7899520	9-1-2009	मैसर्स श्री साई श्रधा फुड्स और बेवरेजेस मैन्युफैक्चरिंग कं. प्लॉट क्र. 11, सर्वे क्र. 18/1, मौजा रनाला, तालुका कामठी, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-441002	पेकेजबन्द पेय जल (पेकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004

1	2	3	4	5	6	7	8	9
34.	7901477	14-1-2009	मैसर्स श्री राम वायर प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., प्लॉट क्र. 45, एम आई डी सी, भारत गैस के सामने, बुट्टीबोरी, नागपुर, महाराष्ट्र-441122	प्रि-स्ट्रेच कॉंक्रीट के लिए इन्वेंटिड तार के लिए विनिदेश	6003	—	—	1983
35.	7902681	15-1-2009	मैसर्स श्री राम वायर प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., प्लॉट क्र. 45, एम आई डी सी, भारत गैस के सामने, बुट्टीबोरी, नागपुर, महाराष्ट्र-441122	प्रि-स्ट्रेच कॉंक्रीट के लिए अन्वोटेड स्टेस रिलिन्ड स्टेच के लिए विनिदेश	6006	—	—	1983
36.	7902782	22-1-2009	मैसर्स श्री बालाजी पैकर्स, प्लॉट क्र. डी-20/2, एम आई डी सी, जिला वर्धा, महाराष्ट्र-442006	जनरल रिक्वारमेंट्स फॉर पैकेजिंग ऑफ एक्सप्लोसिव्स, पार्ट 1, कमर्शियल हाय एक्सप्लोसिव्स,	10212	1	—	1986
37.	7905990	5-2-2009	मैसर्स शिवधन बोर्डर्स प्रा. लि., 102, रामकृष्ण अपार्टमेंट, छापरू नगर, सी ए रोड, नागपुर, महाराष्ट्र-440008	सामान्य प्रयोजनों के लिए लकड़ी और अन्य लिग्नेसिल्यूसोसिक सामग्री के पार्टिकल बोर्ड-विशिष्ट	3087	—	—	2005
38.	7907590	11-2-2009	मैसर्स पटेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, एच एन 098, सनवरी वार्ड, रामटेक, तालुका रामटेक, जिला नागपुर, महाराष्ट्र-441106	पैकेजबन्ध पेय जल (पैकेजबन्ध प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
39.	7907691	11-2-2009	मैसर्स अजय वैजंगा प्योर वाटर, प्लॉट क्र. ए-57, एम आई डी सी, मईविरोली, महाराष्ट्र-442605	पैकेजबन्ध पेय जल (पैकेजबन्ध प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
40.	7911076	23-2-2009	मैसर्स वी वी इंडस्ट्रीज, प्लॉट क्र. सी-29, एम आई डी सी, अमरावती, जिला अमरावती, महाराष्ट्र-444607	पैकेजबन्ध पेय जल (पैकेजबन्ध प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
41.	7911884	3-3-2009	मैसर्स भारत एक्वा, एच क्र 446, बुदधुखान मिनार मस्जिद, गांधीबाग, नागपुर, महाराष्ट्र-440002	पैकेजबन्ध पेय जल (पैकेजबन्ध प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004
42.	7912381	4-3-2009	मैसर्स फ़ैक्ट्स फैक्ट्रीज हेल्थकेअर इन्क, शबाब मंजील, हाक्स क्र 195, वार्ड क्र 7, भाक क्र 3, राजपुर, जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र-442905	पैकेजबन्ध पेय जल (पैकेजबन्ध प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	—	—	2004

[सं. सी एम डी/13 : 11]

पी.के. गम्भीर, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 21st August, 2009

S. O. 2332.—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

## SCHEDULE

Sl. No.	Licences No. CML-	Grant Dated	Name & Address of the Licensee	Title of the Standard	IS No.	Part	Sec.	Year
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	7833183	3-4-2008	M/s. NSSL Limited, Plot No. T-45, MIDC Industrial Area, Hingna Road, Nagpur, Maharashtra-440016	Multifunction Valve Assembly for permanently fixed Liquefied Petroleum Gas (LPG) containers for Automotive Use	15100	—	—	2001
2.	7833587	4-4-2008	M/s. Shiv Pipes, Survey No. 29, Dabha, Yavatmal Road, Amravati, Maharashtra-444701	Irrigation Equipment—Sprinkler Pipes—Part 2 : Quick Coupled Polyethylene Pipes	14151	2	—	1999
3.	7833890	7-4-2008	M/s. Venus Rolling Mills Pvt. Ltd., E-8, MIDC Area, Butibori Distt. Nagpur, Maharashtra-440108	Hot Rolled Low, Medium and High Tensile Structural Steel	2062	—	—	2006
4.	7839094	25-4-2008	M/s. Maharashtra Cylinders Pvt. Ltd., near Railway Station, at Post Kalmeshwar, Distt. Nagpur, Maharashtra	Welded Low Carbon Steel Cylinders exceeding 5 litre Water Capacity for Low Pressure Liquefiable Gases—Part 1 : Cylinders for Liquefied Petroleum Gases (LPG)	3196	1	—	2006
5.	7844087	15-5-2008	M/s. Sunder Rolling Mills Pvt. Ltd., Plot No. B-212, MIDC Indl. Area, Nagpur, Maharashtra-441108	Hot Rolled Low, Medium and High Tensile Structural Steel	2062	—	—	2006
6.	7845796	27-5-2008	M/s. Meenakhi Re-Rollers Pvt. Ltd., B-120, MIDC Industrial Area, Butibori Distt. Nagpur, Maharashtra-440108	High Strength Deformed Steel Bars and Wires for Concrete Reinforcement	1786	—	—	1985
7.	7847703	3-6-2008	M/s. Balaji Industries, S. No. 65, Wadi, Post Naygaon, Tal. Nandura, Distt. Buldana, Maharashtra	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004

1	2	3	4	5	6	7	8	9
8.	7848604	5-6-2008	M/s. Shree Meher Jeweller, "Darodkar Niwas", Modi No. 2, Sitabuldi, Nagpur, Maharashtra-440012	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking	2112	—	—	2003
9.	7848402	6-6-2008	M/s. Parekh Gajendrarai Vasantrao Itwari, Sarafa Bazar, Nagpur, Maharashtra-440002	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking	1417	—	—	1999
10.	7848503	6-6-2008	M/s. Shree Meher Jeweller, "Darodkar Niwas", Modi No. 2, Sitabuldi, Nagpur, Maharashtra-440012	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking	1417	—	—	1999
11.	7849097	6-6-2008	M/s. Samiksha Entro Minerals, S. No. 149, Behind Deshonati Press, Gondkhairi Taluka Kalmeshwar, Distt. Nagpur, Maharashtra	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
12.	7854191	1-7-2008	M/s. Shivdhan Boards Pvt. Ltd., S. No. 25-26, Mouza Alagondi, Nagpur, Maharashtra-441108	Wood Products—Pre-laminated Particle Boards	12823	—	—	1990
13.	7855193	1-7-2008	M/s. Sanvijay Rolling and Engineering Ltd., Plot No. B-203-206, MIDC Industrial Area, Butibori, Nagpur, Maharashtra-441108	Hot Rolled Low, Medium and High Tensile Structural Steel	2062	—	—	2006
14.	7862190	7-8-2008	M/s. Shree Sidhballi Ispat Ltd., C-3, Tadali Groth Centre, MIDC, Tadali Distt. Chandrapur, Maharashtra	High Strength Deformed Steel Bars and Wires for Concrete Reinforcement	1786	—	—	1985
15.	7868004	28-8-2008	M/s. Sharda Shree Ispat Limited, Plot No. E-12, MIDC, Butibory Nagpur, Maharashtra	High Strength Deformed Steel Bars and Wires for Concrete Reinforcement	1786	—	—	1985
16.	7869410	5-9-2008	M/s. Maharashtra Cylinders Pvt. Ltd., Near Railway Station, at Post Kalmeshwar, Distt. Nagpur, Maharashtra	Liquefied Petroleum Gas (LPG) Containers for Automotive Use	14899	—	—	2000



1	2	3	4	5	6	7	8	9
17.	7878815	1-10-2008	M/s. Chintamani Minerals, Plot No. A-19, Additional MIDIC Lohara, Distt. Yavatmal, Maharashtra-455001	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
18.	7884305	1-11-2008	M/s. Maharashtra Cylinders Pvt. Ltd., Near Railway Station, at Post Kalmeshwar, Distt. Nagpur, Maharashtra	Welded Low Carbon Steel Cylinders exceeding 5 Litre Water Capacity for Low Pressure Liquefiable Gases— Part 1 : Cylinders for Lique- fied Petroleum Gases (LPG)	3196	1	—	2006
19.	7886309	14-11-2008	M/s. Divyansh Steel, Private Limited, Kh. No. 62/1 and 60, Mouza Bovri, Taluka Kamptee Bhandara Road, Distt. Nagpur, Maharashtra-440008	Hot Rolled Low, Medium and High Tensile Structural Steel	2062	—	—	2006
20.	7886814	18-11-2008	M/s. Pawan Beverage Industries, Gat No. 51, Village Wangi, Risod Road, Distt. Washim, Maharashtra-444505	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
21.	7887008	18-11-2008	M/s. Alankar Art Jewellers, Opp. Dena Bank, Pratap Chowk, Saraf Bazar, Amravati, Maharashtra-444601	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts— Fineness and Marking	1417	—	—	1999
22.	7888616	18-11-2008	M/s. Ramson Casting Pvt. Ltd., Plot No. N-9 and 10, MIDC Indus- trial Area, Hingna Road, Butibori, Nagpur, Maharashtra-440016	Carbon Steel Cast Billet Ingots, Billets, Blooms and Slabs for Re-rolling into Steel for General Structural Purposes	2830	—	—	1992
23.	7888111	20-11-2008	M/s. Anand Wire and Cable Industries, Plot No. 16, Ser. No. 23/1, (C), New Singhaniya Nagar, Wadgaon Road (Arni Road), Distt. Yavatmal, Maharashtra-445001	PVC Insulated Cables for Working Voltages upto and including 1100 V	694	—	—	1990

1	2	3	4	5	6	7	8	9
24.	7888313	20-11-2008	M/s. Aqua Pearl Addl. MIDC, Plot No. 11, Lohara, Distt. Yavatmal, Maharashtra-445001	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
25.	7888515	20-11-2008	M/s. Sanvijay Rolling and Engineering Ltd., Plot No. B-203-206, MIDC Industrial Area, Butibori, Nagpur, Maharashtra-441108	Carbon Steel Cast Billet Ingots, Billets, Blooms and Slabs for Re-rolling into Steel for General Structural Purposes	2830	—	—	1991
26.	7889416	21-11-2008	M/s. Unicel Engineering Private Limited, Plot No. C-44/46, MIDC, Wardha, Maharashtra-442006	High Density Polyethylene Pipes for Potable Water Supplies	4984	—	—	1995
27.	7889517	27-11-2008	M/s. Unicel Engineering Private Limited, Plot No. C-44/16, MIDC, Wardha, Maharashtra-442006	Irrigation Equipment—Sprinkler Pipes—Part 2 : Quick Coupled Polyethylene Pipes	14151	2	—	1999
28.	7889820	27-11-2008	M/s. Bhikamchand Premchand Banthia Jewellers, near Jain Bhavan, Gandhi Chowk, Pathanpura Road, Chandrapur, Maharashtra-442402	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts—Fineness and Marking	1417	—	—	1999
29.	7889921	27-11-2008	M/s. Bhikamchand Premchand Banthia Jewellers, near Jain Bhavan, Gandhi Chowk, Pathanpura Road, Chandrapur, Maharashtra-442402	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking	2112	—	—	2003
30.	7892506	8-12-2008	M/s. Enif Paper Products Private Limited, Plot No. T-17/18, MIDC, Hingna, Distt. Nagpur, Maharashtra-440016	General requirements for Packages of Explosives : Part 1 Commercial High Explosives	10212	1	—	1986
31.	7892607	10-12-2008	M/s. Parekh Brothers, Sarafa Bazar, Itwari, Nagpur Maharashtra-440002	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts—Fineness and Marking	1417	—	—	1999

1	2	3	4	5	6	7	8	9
32.	7894611	18-12-2008	M/s. Reaslack Polymers Pvt. Ltd., Plot No. A-37, MIDC Area, Wardha, Maharashtra-442006	High Density Poly-ethylene Pipes for Potable Water Supplies	4984	—	—	1995
33.	7899520	9-1-2009	M/s. Shri Sai Shradha Foods and Beverages Mfg Co. Plot No. 11, Survey No. 18/1, Mauza Ranala Tal Kamptee, Distt. Nagpur, Maharashtra-441002	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
34.	7901477	14-1-2009	M/s. Shri Ram Wire Products Pvt. Ltd., Plot D-45, MIDC, Opp. Bharat Gas, Butibori, Nagpur, Maharashtra-441122	Indented Wire for Prestressed Concrete	6003	—	—	1983
35.	7902681	15-1-2009	M/s. Shri Ram Wire Products Pvt. Ltd., Plot D-45, MIDC, Opp. Bharat Gas, Butibori, Nagpur, Maharashtra-441122	Uncoated Stress relieved Strand for Prestressed Concrete	6006	—	—	1983
36.	7902782	22-1-2009	M/s. Shree Balaji Packers, D-20/2, MIDC, Wardha Maharashtra-442006	General requirements for Packages of Explosives : Part-1 Commercial High Explosives	10212	1	—	1986
37.	7905990	5-2-2009	M/s. Shivdhan Boards Pvt. Ltd., 102, Ramkrishna Apartment, Chhapru Nagar, C.A. Road, Nagpur, Maharashtra-440008	Wood Particle Boards (Medium Density) for General purposes	3087	—	—	2005
38.	7907590	11-2-2009	M/s. Patel Group of Industries, H. No. 098, Sanwari Ward, Ramtek, Taluka Ramtek, Distt. Nagpur, Maharashtra-441106	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
39.	7907691	11-2-2009	M/s. Ajay Wainganga Pure Water, Plot No. A-57, MIDC, Gadchiroli Distt. Nagpur, Maharashtra-442605	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004

1	2	3	4	5	6	7	8	9
40.	7911076	23-2-2009	M/s. V. V. Industries, Plot No. C-29, MIDC, Amravati, Dist. Amravati, Maharashtra-444607	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
41.	7911884	3-3-2009	M/s. Bharat Aqua, H. No. 446, near Buddhu Khan Minar Masjid, Gandhibagh Nagpur, Maharashtra-440002	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004
42.	7912381	4-3-2009	M/s. Five Facts Hygienic Healthcare Inc., Shabab Manzil, House No. 195, Ward No. 7, Naka No. 3, Rajura, Dist. Chandrapur, Maharashtra-442905	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543	—	—	2004

[No. CMD/13 : 11]

P.K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

## कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2009

का. आ. 2333.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है), की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 1098 तारीख 13 मई, 2008, जो भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 17 मई 2008, में प्रकाशित की गई थी, के इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि और उस पर के अधिकारों के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार, को, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और उड़ीसा सरकार से पुनः परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है, कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1907.61 एकड़ (लगभग) या 772.00 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में और उस पर के सभी अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 1907.61 एकड़ (लगभग) या 772.00 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में सभी अधिकार अर्जित किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एम. सी. एल./एस.बी.पी./जी.एम. (एल.आर. और आर.)/09/274 तारीख 7 मई, 2009 का निरीक्षण कलेक्टर, अनगुल (उड़ीसा) के कार्यालय में, या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता के कार्यालय में या महाप्रबंधक (एल.आर. और आर.) महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार, झाकधर-जागृति विहार, बुर्ला, जिला-संबलपुर-768020 (उड़ीसा) के कार्यालय में किया जा सकेगा।

## अनुसूची

तालचेर कोलफील्ड (लिंगराज क्षेत्र)

कनिहा ओसीपी विस्तार

जिला—अनगुल (उड़ीसा)

सभी अधिकार :

[योजना संख्या एमसीएल/एसबीपी/जीएम (एल आर एंड आर)/09/274 तारीख 07 मई, 2009]

ब्लॉक	क्रम सं.	ग्राम का नाम	पुलिस स्टेशन संख्या	तहसील/ जिला/राज्य	भूमि का वर्गीकरण (एकड़ में)			कुल क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणियाँ
					अभिवृत्ति	सरकारी	वन गैर-वन		
क.	1.	कनिहा	कनिहा/60	तालचेर/ अनगुल/ उड़ीसा	51.54	72.50	43.03	167.07	भाग
	2.	पथरमुंडा	कनिहा/91	वही	189.49	23.50	170.71	383.7	भाग
	3.	तेलीसिंधा	कनिहा/90	वही	—	—	25.84	25.84	भाग
ख.	4.	कंसमुंडा	कनिहा/67	वही	57.66	13.66	0.41	71.73	भाग
ग.	5.	गुन्दुरीनाली	कनिहा/88	वही	17.91	35.29	10.41	63.61	भाग
	6.	जरड़ा	कनिहा/89	वही	125.89	42.95	112.99	281.83	भाग
	7.	तेलीसिंधा	कनिहा/90	वही	104.07	62.93	63.73	230.73	भाग
	8.	मथारगड़ी आर एफ	कनिहा	वही	—	—	115.96	115.96	पूर्ण
	9.	जमानिया	कनिहा/66	वही	66.45	14.35	6.75	87.55	भाग
	10.	छेलिया	कनिहा/108	वही	252.55	103.51	123.53	479.59	भाग
				कुल	865.56	368.69	673.36	1907.61 एकड़ (लगभग) या 772.00 हेक्टेयर (लगभग)	

## ब्लॉक—क

01. कनिहा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

444, 617, 623 से 651, 653 से 774, 777, 779 से 792, 839, 856 से 866, 869 से 964, 982 से 1007, 1022 से 1025, 1147, 1148, 1529 से 1594, 1600 से 1640, 929/1649, 932/1656, 735/1659, 735/1660, 1638/1681, 1542/1684, 715/1688, 998/1714, 999/1715, 702/1718, 703/1719, 704/1720, 864/1729, 665/1732, 893/1739, 876/1742, 753/1746, 741/1751, 921/1752, 1539/1758, 1602/1765, 739/1767, 962/1768, 890/1769, 883/1773, 889/1774, 950/1778, 696/1783, 768/1784, 1636/1787.

02. पथरमुंडा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

120 से 129, 138 से 141, 302, 353, 354, 453 से 469, 515, 519, 524 से 579, 584, 586, 588 से 601, 1295, 1315 से 1334, 1336 से 1526, 1533 से 1539, 1541, 1545 से 1811, 1813 से 2791, 2800, 2801, 2805, 2844, 2848 से 3153, 2533/3154, 2533/3155, 2533/3156, 2533/3157, 2524/3158, 604/3159, 2449/3160, 2248/3161, 2230/3162, 2229/3163, 2228/3164, 2222/3165, 604/3166, 604/3167, 604/3169, 604/3170, 604/3171, 604/3172, 604/3173, 604/3174, 604/3175, 604/3176, 604/3177, 604/3178, 604/3179, 604/3180, 604/3181, 604/3182, 604/3183, 604/3184, 2287/3186, 1679/3187, 939/3192, 939/3193, 2838/3194, 2845/3195, 129/3197, 302/3198, 1211/3199, 2154/3203, 3058/3204, 518/3205, 564/3207, 596/3208, 2552/3215, 573/3217, 584/3218, 577/3219, 2539/3223, 469/3225, 2533/3227, 2533/3228, 3136/3229, 138/3232, 591/3236, 141/3237, 2533/3240, 561/3241, 527/3242, 2859/3243, 2862/3244, 2853/3245, 545/3247, 1295/3250, 3109/3254, 1561/3256, 604/3261, 604/3262, 129/3264, 120/3266, 120/3267, 604/3268, 604/3269, 140/3270, 129/3272, 604/3273, 120/3276, 3060/3278, 589/3284, 129/3285, 604/3289, 575/3295, 1416/3296, 2924/3302, 2927/3303, 2033/3304, 1478/3317, 1478/3318, 1745/3319, 2139/3320, 2139/3321, 1319/3326.

2028/3327, 2284/3329, 1352/3336, 2119/3337, 2099/3338, 2955/3339, 594/3340, 469/3341, 120/3342, 120/3343, 2924/3344, 1843/3345, 1879/3346, 1667/3347, 3169/3369, 3294/3370, 3294/3371, 3294/3372, 3294/3373, 3294/3374, 541/3381, 3264/3387, 1562/3388, 541/3389, 541/3390, 604/3391, 604/3399, 2878/3400, 2878/3401, 541/3404, 1301/3447.

03. तेलीसिंघा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या : 771

**ब्लॉक—ख**

04. कंसमुंडा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

1724, 1725, 1727 से 1736, 1746 से 1750, 1758, 1759, 1773 से 1777, 1780 से 1782, 1821 से 1824, 1827 से 1912, 1916 से 1923, 1934 से 1959, 1962, 1963, 3550, 3688 से 3714, 3874, 3879 से 3881, 3883, 3886, 3894 से 3915, 3928 से 3961, 3964 से 4003, 4014 से 4016, 4039 से 4044, 3943/4360, 3958/4394, 1953/4415, 1886/4471, 1962/4492, 3690/4510, 3690/4511, 3690/4512, 3696/4513, 3695/4514, 3695/4515, 3897/4525, 3897/4526, 1842/4596, 3900/4612, 4339/4630, 3958/4637, 3958/4638, 3886/4640, 3690/4655, 1775/4698, 1775/4699, 1775/4700, 1775/4701, 1776/4702, 1776/4703, 1776/4704, 1774/4705, 1774/4706, 1774/4707, 3939/4780, 3940/4781, 1726/4840, 3957/4845, 4615/4889, 1852/4984, 1750/4985, 1750/4986, 1750/4987.

**ब्लॉक—ग**

05. गुन्दुरिनाली ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

485, 486, 972 से 1054, 1059 से 1064, 1066 से 1068, 1070 से 1075, 1030/1686, 1041/1687, 1053/1709, 1053/1795, 1053/1799, 1071/1837.

06. जरड़ा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

1600 से 1604, 1621, 1622, 1625, 1631 से 1708, 1709 (भाग), 3305 से 3307, 3309 से 3742, 3746 से 3748, 3751 से 3768, 3774, 3775, 3777 से 3805, 3641/3807, 3729/3808, 3789/3810, 3601/3813, 3670/3814, 3724/3816, 3724/3817, 3612/3818, 3637/3820, 3637/3821, 3746/3824, 3747/3825, 3700/3827, 3641/3829, 3660/3836, 3789/3840, 3437/3844, 3666/3846, 3782/3847, 3626/3849, 3677/3850, 3639/3854, 3669/3858, 3714/3860, 3676/3862, 3778/3863, 3583/3869, 3786/3871, 3789/3905, 3791/3906, 3584/3908, 3323/3920, 3584/3922, 3585/3925, 3765/3934, 3804/3940, 3602/3941, 3602/3942, 3640/3943, 3632/3945, 3742/3968, 3755/3969, 3755/3970, 3670/3971, 3670/3972, 3601/3973, 3601/3974, 3601/3975, 3670/3982, 3580/3989, 3717/3996, 3635/4010, 3791/4011.

07. तेलीसिंघा ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

319, 322, 813 से 841, 844 से 871, 874 से 876, 880 से 941, 1033, 1481 से 1486, 1491, 1497 से 1529, 1530 (भाग), 1531 से 1535, 1565 (भाग), 1570 से 1576, 1582, 2018 से 2132, 2134 से 2208, 2218 से 2254, 2257 (भाग), 2259 से 2266, 2272 से 2490, 2051/2333, 2179/2493, 2482/2496, 2251/2503, 2251/2504, 2251/2505, 2251/2506, 2251/2507, 2231/2508, 2231/2509, 2231/2510, 2231/2511, 2231/2512, 856/2513, 2224/2514, 1503/2518, 1512/2519, 2071/2522, 2287/2527, 2229/2528, 2281/2529, 1523/2530, 1523/2531, 1523/2532, 1517/2537, 1523/2545, 1523/2546, 1523/2547, 2195/2562, 2450/2565, 2367/2568, 413/2576, 2188/2578, 2125/2579, 2125/2580, 2367/2589, 889/2591, 819/2592, 820/2593, 817/2594, 2363/2595, 2363/2596, 2363/2597, 2363/2598, 2363/2599, 821/2603, 2180/2632, 2164/2633, 2367/2638, 2092/2655, 1341/2661, 1857/2666, 1485/2678, 839/2679, 2447/2680.

08. जमानिया ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

2 से 24, 30 से 38, 44 से 47, 52 से 56, 58, 60 से 213, 238, 277 से 283, 286 से 473, 73/474, 102/475, 104/476, 395/477, 409/478, 452/479, 452/480, 463/481, 469/482, 470/483, 448/484, 367/486, 419/487, 435/488, 422/489, 447/490, 132/491, 472/493, 473/494, 472/495, 387/496, 387/497, 290/499, 351/500, 351/501, 89/502, 173/503, 350/504, 361/507, 361/508, 286/509, 158/510, 166/511, 190/512, 190/513, 324/515, 320/516, 323/517, 204/520, 204/521, 204/522, 204/523, 204/524, 205/525, 353/526, 423/527, 424/528, 332/530, 364/531, 365/532, 394/533, 429/536, 429/537, 89/538, 112/539, 121/540, 121/541, 121/542, 125/543, 125/544, 125/545, 125/546, 125/547, 15/548, 373/549, 287/550, 288/551, 288/552, 446/553, 394/554, 401/555, 396/556, 108/558, 9/559, 9/560, 9/561, 179/562, 323/563, 467/564, 467/565, 111/566, 323/567, 74/568, 157/569, 61/570, 61/571, 61/572, 61/573, 209/580, 209/581, 209/582, 209/583, 213/584, 213/585, 277/586, 277/587, 277/588, 189/589, 202/590, 281/592, 22/593, 323/594, 432/595, 369/596, 4/599, 4/600, 7/601, 7/602, 8/603, 8/604, 74/605, 88/606, 184/607, 184/608, 470/616, 479/617, 355/618, 327/619, 327/620.

## 09. छेलिया ग्राम (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

1 से 61, 64 से 74, 137 से 278, 420 से 456, 501 से 1207, 1231 से 1233, 7/1328, 65/1329, 1116/1330, 929/1332, 943/1335, 1237/1338, 1086/1340, 1086/1341, 1086/1342, 1086/1343, 1086/1344, 1027/1345, 1076/1346, 1049/1347, 175/1349, 211/1350, 211/1351, 225/1352, 237/1353, 237/1354, 237/1355, 575/1356, 821/1357, 825/1358, 826/1359, 824/1360, 824/1361, 883/1362, 1207/1363, 1202/1364, 1208/1365, 1204/1372, 821/1373, 1206/1374, 1231/1375, 159/1380, 192/1381, 1154/1382, 956/1383, 956/1384, 946/1385, 950/1386, 952/1387, 952/1388, 952/1389, 1030/1390, 968/1392, 968/1393, 968/1394, 968/1395, 968/1396, 968/1397, 71/1398, 71/1399, 821/1400, 1107/1401, 194/1402, 194/1403, 30/1405, 846/1407, 758/1408, 1075/1410, 856/1415, 785/1416, 789/1417, 1156/1419, 1162/1420, 1152/1421, 419/1422, 24/1423, 141/1424, 141/1425, 143/1427, 143/1428, 143/1429, 143/1430, 143/1431, 185/1432, 622/1442, 754/1443, 760/1445, 760/1446, 760/1447, 801/1448, 801/1449, 801/1450, 801/1451, 803/1452, 836/1453, 841/1454, 842/1455, 848/1456, 848/1457, 1036/1458, 1036/1459, 1188/1460, 1079/1461, 1079/1462, 1079/1463, 1107/1464, 1110/1465, 1110/1466, 1110/1467, 1110/1468, 1110/1469, 1110/1470, 1074/1471, 1110/1470, 1110/1472, 278/1473, 1110/1474, 1110/1476, 1110/1477, 1110/1478, 1110/1479, 1110/1480, 1110/1481, 1200/1482, 1200/1483, 1200/1484, 1075/1492, 1072/1493, 1079/1494, 1080/1495, 801/1496, 1151/1498, 810/1499, 1183/1500, 3/1501, 6/1505, 51/1506, 51/1507, 51/1508, 51/1509, 51/1510, 51/1511, 52/1512, 52/1513, 52/1514, 53/1515, 53/1516, 814/1517, 41/1518, 166/1519, 1192/1523, 771/1525, 1139/1526, 995/1527, 1009/1528, 1182/1529, 1232/1530, 1232/1531, 1168/1532, 1169/1533, 1185/1534, 188/1535, 877/1536, 803/1537, 1205/1538, 174/1539, 878/1540, 169/1541, 1010/1542, 1110/1545, 209/1546, 1110/1547, 209/1548, 704/1550, 68/1551, 144/1553, 143/1556, 170/1558, 1110/1559, 809/1562, 809/1563, 815/1565, 815/1566, 815/1567, 878/1571, 208/1572, 878/1573, 1125/1574, 1125/1575, 141/1579, 1149/1582, 140/1584, 24/1585, 29/1588, 30/1590, 68/1591, 148/1593, 16/1594, 1120/1612, 1154/1618, 1154/1621, 73/1622, 1052/1623, 893/1629, 876/1636, 873/1637, 1154/1638, 1154/1639, 1146/1640, 1063/1641, 1182/1642, 1070/1643, 194/1644, 194/1645, 194/1646, 273/1647, 275/1648, 275/1649, 275/1650, 1060/1651, 195/1652, 196/1653, 194/1654, 194/1655, 1191/1656, 199/1658, 49/1661, 277/1662, 13/1671, 1178/1673, 1178/1674, 23/1675, 889/1676, 896/1677, 1188/1678, 1116/1679, 1188/1680, 1080/1682, 1080/1683, 901/1684, 901/1685, 1188/1688, 1003/1689, 979/1690, 100/1692, 1188/1693, 1188/1694, 1188/1695, 1188/1696, 1188/1697, 1081/1698, 266/1699, 558/1700, 1030/1701, 1030/1702, 1030/1704, 1030/1705, 1029/1706, 16/1707, 16/1708, 760/1710, 13/1713, 13/1714, 13/1715, 13/1716, 13/1717, 7/1718, 1163/1720, 1125/1723, 1155/1724, 1155/1725, 1163/1726, 1178/1727, 1163/1728, 40/1730, 1068/1733, 777/1735, 19/1736, 10/1741, 29/1742, 42/1743, 43/1744, 239/1745, 246/1746, 852/1747, 853/1748, 779/1749, 779/1750, 780/1751, 874/1752, 831/1753, 846/1754, 1116/1755, 1116/1756, 982/1757, 929/1758, 1206/1759, 733/1760, 733/1761, 35/1763, 8/1764, 32/1765, 813/1766, 1120/1768, 136/1769, 1152/1770, 1116/1771, 899/1772, 899/1773, 868/1774, 1081/1777, 1178/1779, 70/1783, 142/1784, 142/1785, 142/1786, 182/1787, 232/1788, 232/1789, 719/1790, 1231/1791, 1231/1792, 945/1801, 947/1802, 947/1803, 947/1804, 949/1805, 949/1806, 949/1807, 949/1808, 949/1809, 62/1826, 240/1827, 955/1828, 557/1829, 1145/1834, 1166/1836, 844/1837, 845/1838, 1566/1839, 184/1841, 543/1842, 1127/1843, 1158/1846, 880/1882, 883/1885, 883/1889, 1087/1892, 1341/1893.

## ब्लॉक—क की सीमा विवरण :

ठ - ड : रेखा बिन्दु "ठ" से प्रारंभ होती है जो कंसमुण्डा, कनिहा ग्रामों और गोहिरादण्डा आर एफ के मिलन बिन्दु (ट्राई जंक्शन) पर स्थित स्तंभ के पास स्थित है। इसके बाद यह कनिहा एवं कंसमुण्डा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ चलती हुई पूर्व दिशा जाती हुई कंसमुण्डा ग्राम की प्लॉट सं. 1507, 1508, 1509 की उत्तरी सीमा होते हुए कंसमुण्डा ग्राम की प्लॉट सं. 1509 के उत्तर-पूर्व कोने तक जाती है। इसके पश्चात्, रेखा कनिहा ग्राम में प्रवेश करती है और उत्तर दिशा में जाती हुई प्लॉट सं. 1777 की पश्चिम, उत्तर एवं पूर्व सीमा को छूती है। प्लॉट सं. 966 की उत्तरी सीमा को भागतः से छूती हुई प्लॉट सं. 981 के उत्तरी कोने तक जाती है। यही रेखा प्लॉट सं. 980, 979, 1027 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 1026 की उत्तर-पूर्वी कोने की तरफ जाती हुई प्लॉट सं. 1026 के उत्तर-पूर्वी कोने तक जाती है। रेखा उत्तर-पूर्व दिशा में प्लॉट सं. 1021 की उत्तर-पश्चिम सीमा के साथ जाती हुई, प्लॉट सं. 1020 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा से भागतः रूप से तथा प्लॉट सं. 1008, 1009, 1146 की उत्तरी सीमा के साथ जड़ड़ा और कनिहा ग्राम की पश्चिमी छोर तक जाती है। इस ग्राम की सड़क को पार करने के बाद रेखा प्लॉट सं. 1641 की उत्तरी सीमा के साथ कनिहा और पथरमुण्डा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ बढ़ती है। इसके बाद रेखा पथरमुण्डा ग्राम में प्रवेश करती है और प्लॉट सं. 138 की पश्चिमी सीमा के साथ भागतः दक्षिण दिशा में जाती हुई इसी प्लॉट के दक्षिण-पश्चिम कोने तक जाती है। इसके बाद प्लॉट सं. 138, 3197 की दक्षिणी सीमा के साथ रेखा पूर्व की तरफ जाती हुई प्लॉट सं. 3197 के दक्षिण-पूर्वी कोने तक जाती है। यही रेखा उत्तर-पूर्व दिशा में जाती हुई प्लॉट सं. 142 की सीमा के साथ भागतः रूप से, प्लॉट सं. 175, 176 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 456, 455, 453 की दक्षिणी सीमा के साथ जाती हुई प्लॉट सं. 453 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती हुई प्लॉट सं. 453 की पूर्वी सीमा तक जाती हुई प्लॉट सं. 452 के उत्तर-पश्चिम कोने तक जाती है। यह रेखा प्लॉट सं. 564, 565, 566,

- 579, 3218, 584 एवं 586 की दक्षिणी सीमा के साथ पूर्व दिशा में जाती हुई प्लाट सं. 586 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर की ओर मुड़ती है और इसी प्लाट की पूर्वी सीमा तक होती हुई प्लाट सं. 586 के उत्तरी कोने तक जाती है। यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती हुई प्लाट सं. 574, 590 की दक्षिणी सीमा को आंशिक रूप तक जाती हुई प्लाट सं. 590 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। इसके पश्चात्, रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर जाती हुई प्लाट सं. 589, 588 की पश्चिमी सीमा के साथ प्लाट सं. 587 की दक्षिणी सीमा को भागतः होती हुई प्लाट सं. 596, 598, 599 की दक्षिणी सीमा से होती हुई बिन्दु "ड" को छूती है जो पथरमुण्डा और तेलीसिंघा सड़क के पश्चिम की ओर स्थित है।
- ड - ढ : रेखा - "ड" से प्रारंभ होती है और दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती हुई पथरमुण्डा और तेलीसिंघा सड़क की पूर्वी सीमा के साथ दक्षिण दिशा की ओर बढ़ती हुई प्लाट सं. 3166 के उत्तरी कोने तक जा कर बिन्दु "ढ" पर मिलती है।
- ढ - ण : रेखा - "ढ" से प्रारंभ होकर, तेलीसिंघा और पथरमुण्डा ग्राम सड़क को पार करने के पश्चात् रेखा प्लाट सं. 355 की पूर्वी सीमा के साथ भागतः होकर दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है। इसके बाद प्लाट सं. 355 की दक्षिण दिशा की सीमा के साथ चलती हुई पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 3271 की पूर्वी सीमा के साथ जाती हुई दक्षिण की तरफ जाती है। इसके बाद यह इसी प्लाट की दक्षिणी सीमा के साथ पश्चिम की ओर जाती है और इसी प्लाट की पश्चिमी सीमा के साथ उत्तर की ओर मुड़ती है। यही रेखा प्लाट सं. 341 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 340 की पूर्वी सीमा के साथ भाग से, प्लाट सं. 337, 336 की पूर्वी सीमा, 334 की पूर्व और दक्षिणी सीमा, 3234, 3293 की दक्षिणी सीमा के साथ पश्चिमी दिशा की ओर बढ़कर प्लाट सं. 3293 के दक्षिण-पश्चिम कोने से होते हुई बिन्दु - "ण" पर मिलती है।
- ण - त : रेखा बिन्दु - "ण" से प्रारंभ होकर प्लाट सं. 3293 की पश्चिम-उत्तर सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 327, 326 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 325, 324, 323 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 322, 321, की दक्षिणी-पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 3188, 270, 271, 272 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 284, 286 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 287, 288 की उत्तर-पूर्व सीमा, प्लाट सं. 2357 की उत्तरी पूर्व-दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 300, 301 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 301 की दक्षिण-पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 299, 298, 297, 296, 295, 292, 291, 289 की पश्चिमी सीमा और प्लाट सं. 3263 की दक्षिणी तथा भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 3286 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3286, 3275 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 3191 की दक्षिणी-पश्चिमी सीमा से होकर जाती है। इसके बाद रेखा पश्चिम की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 3196 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 137 की दक्षिण-पूर्वी सीमा के साथ चलती है। इसके बाद रेखा दक्षिण दिशा की ओर जाती है और कनिहा से जरड़ा तक जाने वाली ग्राम सड़क की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 61 के उत्तरी कोने तक जाती है। इसके बाद यह दक्षिण दिशा की ओर चलती हुई प्लाट सं. 3266 की दक्षिण-पश्चिम सीमा से होकर प्लाट सं. 120 की भागतः दक्षिणी सीमा से होती हुई बिन्दु - "त" तक जाती है।
- त - थ : रेखा बिन्दु - "त" से प्रारंभ होती है जो पथरमुण्डा ग्राम की प्लाट सं. 93 के उत्तर-पूर्व कोने पर स्थित है और प्लाट सं. 93, 94 की पूर्वी सीमा के साथ होती हुई प्लाट सं. 105 के उत्तर-पूर्व और भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 106, 119, 118, 116 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है तथा तेलीसिंघा और पथरमुण्डा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ चलती है। यह रेखा बाई जंक्शन पिलर को पार करने के बाद प्लाट सं. 3294 को आंशिक रूप से पार करती है। इसके पश्चात्, प्लाट सं. 3294 भागतः की उत्तरी सीमा होते हुए बाई जंक्शन पिलर को पार करने के पश्चात् यह प्लाट सं. 3294 को भागतः साथ-साथ होती हुई प्लाट सं. 3291 की उत्तरी और पूर्वी सीमा के साथ चलती है। पुनः रेखा तेलीसिंघा और पथरमुण्डा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ चलती है। बाई - जंक्शन पिलर को पार करने के पश्चात् रेखा प्लाट सं. 322 की पश्चिमी सीमा तथा प्लाट सं. 319 की पूर्वी, उत्तरी तथा पश्चिमी सीमा के साथ चलती है। पुनः रेखा प्लाट सं. 322 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ उन्हीं ग्रामों की सम्मिलित सीमा तक जाती है। रेखा गाँव की सीमा के साथ पूर्वी दिशा की ओर चलती हुई बिन्दु - "थ" तक जाती है।
- थ - द : रेखा बिन्दु "थ" से प्रारंभ होती है जो तेलीसिंघा ग्राम की प्लाट सं. 710 के उत्तर-पूर्व कोने पर है। इसके पश्चात्, रेखा प्लाट सं. 3123, 3124, 3128, 3129, 3144 की पश्चिमी सीमा के साथ होती हुई प्लाट सं. 3145 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3146, 3147 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3151 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 3152 की पश्चिम और दक्षिण की ओर से तेलीसिंघा और पथरमुण्डा ग्राम की सम्मिलित सीमा पर बाई जंक्शन पिलर तक पहुँचती है। इसके पश्चात्, रेखा तेलीसिंघा गाँव में प्रवेश करती है और प्लाट सं. 771 के दक्षिण-पश्चिम में बिन्दु - "द" तक जाती है।
- द - ध : रेखा बिन्दु - "द" से प्रारंभ होती है जो प्लाट सं. 772 के उत्तर-पश्चिम कोने और तेलीसिंघा रोड के उत्तर-पश्चिम की ओर स्थित है। रेखा "द - ध" उत्तर-पूर्व दिशा की ओर प्लाट सं. 771 की उत्तर-पूर्व तरफ से चलती हुई बिन्दु - "ध" तक जाती है।
- ध - न : रेखा बिन्दु - "ध" से प्रारंभ होती है जो तेलीसिंघा, आम्बपाल और बिजीगोल ग्रामों के ट्राई जंक्शन पिलर पर स्थित है। इसके बाद रेखा तेलीसिंघा और बिजीगोल ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ चलती हुई उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़कर तेलीसिंघा, लोधाबंथा और बिजीगोल ग्रामों के ट्राई जंक्शन पिलर तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और पथरमुण्डा और लोधाबंथा ग्रामों की सम्मिलित सीमा से होती हुई बिन्दु - "न" तक जाती है।



न - प : रेखा बिन्दु - "न" से प्रारंभ होती है जो पथरमुण्डा ग्राम की प्लाट सं. 2849 के उत्तर-पूर्वी कोने पर स्थित है। पुनः यह रेखा प्लाट सं. 2849, 2848, 2854 और 2855 की उत्तरी सीमा के साथ चलती है। इसके बाद यह उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 2844 सड़क के पूर्वी किनारे से होकर जाती है। इसके बाद यह प्लाट सं. 2737, 2736, 2739, 2741 और 2805 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है। यह रेखा प्लाट सं. 2805, 2801, 2800, 2790, 2791 की उत्तरी सीमा के साथ पश्चिम दिशा की ओर चलती हुई पथरमुण्डा बस्ती में प्रवेश करती है और प्लाट सं. 1821, 1818 की उत्तरी सीमा के साथ चलती है। इसके बाद प्लाट सं. 1813 की पश्चिमी सीमा, 1813 की उत्तरी सीमा, 1548 की पूर्वी सीमा और 1548 1547, 1546, 1545 की उत्तरी सीमा से होकर गुजरती है और दक्षिण दिशा की ओर प्लाट सं. 1545 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर प्लाट सं. 1560 के उत्तर-पश्चिम कोने और 3256, 1562, 1541 की उत्तरी सीमा के साथ मुड़ती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर प्लाट सं. 1540 की पूर्वी सीमा और 1539, 1537, 1533 की उत्तरी सीमा के साथ मुड़ती है। इसके पश्चात्, यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती हुई प्लाट सं. 1533 की पश्चिमी सीमा और 1534 की भागतः सीमा के साथ चलती है। इसके बाद यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है तथा 1525 के पूर्वी किनारे के साथ 1526, 1522, 1514 की उत्तरी सीमा और 1513 के भाग के साथ चलती है। इसके पश्चात्, यह 1295 की पूर्वी सीमा 1295 की उत्तरी सीमा, 1295 की आंशिक पश्चिमी सीमा से होकर गुजरती है। पुनः यह प्लाट सं. 3250 की उत्तरी सीमा को पार करती है एवं 1354 की सीमा को आंशिक छूती है। इसके बाद रेखा उत्तरी दिशा की ओर प्लाट सं. 1353, 1323, 1322 के पूर्वी किनारे के साथ चलती है। इसके बाद यह प्लाट सं. 1322 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 1320 की उत्तर-पूर्व, प्लाट सं. 1319 की उत्तरी, प्लाट सं. 1319 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1317, 1316, 1315 की उत्तरी सीमा से होकर जाती हुई गाँव की सड़क को छूती है। इस सड़क को पार करने के बाद रेखा प्लाट सं. 603, 602 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 602 की पश्चिमी, प्लाट सं. 515 की पूर्व-उत्तर सीमा से होकर गुजरती है। पुनः यह प्लाट सं. 517 की भागतः पश्चिम, प्लाट सं. 518 की दक्षिण, प्लाट सं. 519 की भागतः पूर्व, प्लाट सं. 519 की दक्षिण, प्लाट सं. 519 की पश्चिम से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 521, 522, 523 की दक्षिण-पश्चिम से होकर गुजरती है। पुनः यह रेखा प्लाट सं. 523 की पश्चिम, प्लाट सं. 523 के उत्तर से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 524 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 525 के पूर्व, प्लाट सं. 525, 526 के उत्तर, प्लाट सं. 527 के पूर्व, प्लाट सं. 3242, 530 के उत्तर, प्लाट सं. 530 के पश्चिम से होकर गुजरती है। इसके पश्चात् प्लाट सं. 534 के उत्तर, प्लाट सं. 535 के पूर्व, प्लाट सं. 535, 468 के उत्तर से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह रेखा प्लाट सं. 3341 के भागतः पूर्वी भाग, प्लाट सं. 3341 के उत्तर, प्लाट सं. 3341 के पश्चिम, प्लाट सं. 3225 के दक्षिण के साथ उत्तर की ओर मुड़ती है। इसके पश्चात्, यह रेखा कनिहा और पथरमुण्डा की सम्मिलित सीमा को छूती है और उत्तर की ओर मुड़ती है तथा उसी गाँव की सीमा के साथ बढ़ती हुई कनिहा बस्ती के बाई-जंक्सन पिलर तक जाती है। इसके पश्चात्, यह रेखा कनिहा बस्ती की दक्षिणी सीमा के साथ बढ़ती हुई कनिहा-जरड़ा ग्राम सड़क प्लाट सं. 1148 के बिन्दु - "प" को छूती है।

प - फ : रेखा बिन्दु - "प" से प्रारंभ होती है और उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है, कनिहा बस्ती सीमा के पश्चिमी किनारे के साथ आगे बढ़ते हुए प्लाट सं. 627 के पूर्वी कोने तक जाती है जो बिन्दु - "फ" है।

फ - ब : रेखा बिन्दु - "फ" से प्रारंभ होती है और प्लाट सं. 627, 625, 624 और 623 की उत्तरी सीमा से होकर गुजरती है, इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 635, 636 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 638, 640, 641, 642, 644, 646, 647 की उत्तरी सीमा तथा 648 से भागतः गुजरती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 648, 650, 651, 653, 654, 1650 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 742 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 743 की उत्तर-पूर्वी, प्लाट सं. 750, 751 के आंशिक उत्तर, प्लाट सं. 752 के पूर्व, प्लाट सं. 752 के उत्तर, प्लाट सं. 772 के आंशिक पश्चिम से होती हुई पुनः यह रेखा प्लाट सं. 753, 754, 755, 770, 771, 772, 773 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 773, 768 की पश्चिमी सीमा और 1784 की आंशिक उत्तर-पश्चिम सीमा से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 777 के उत्तर, प्लाट सं. 777 के पश्चिम, प्लाट सं. 779 के उत्तर से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह रेखा पश्चिम दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 792, 858, 857 की उत्तरी सीमा और प्लाट सं. 857 के भागतः पश्चिम, प्लाट सं. 839 के उत्तर, प्लाट सं. 839 के पश्चिमी किनारे के साथ चलती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 856 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 852, 856 के पश्चिम, प्लाट सं. 856 की उत्तर-पश्चिमी सीमा के साथ गुजरती है। इसके पश्चात्, यह रेखा पूर्व दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 856 की पश्चिम सीमा, प्लाट सं. 865, 866 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 869 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 869 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती है। इसके पश्चात्, यह रेखा दक्षिण दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 869 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई सड़क के उत्तरी किनारे तक पहुँचती है और पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के उत्तरी किनारे के साथ बढ़ती हुई गोहीरादण्डा आर एफ और कनिहा गाँव के बाई जंक्सन पिलर के बिन्दु "ब" तक जाती है।

ब - ठ : पुनः यह रेखा दक्षिण दिशा की ओर कनिहा गाँव और गोहीरादण्डा आर. एफ. की सम्मिलित सीमा के साथ चलती हुई इसी गाँव के बाई जंक्सन पिलर को छूती है तथा बिन्दु - "ठ" पर मिलती है।

**ब्लॉक - ख का सीमा विवरण :**

- ट - ज : रेखा बिन्दु - "ट" से प्रारंभ होती है जो जयपुर और कंसमुण्डा गाँव की सम्मिलित सीमा और प्लाट सं. 280 तथा 4003 की सम्मिलित सीमा पर स्थित है। इसके पश्चात्, यह पश्चिम दिशा की ओर उसी सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ बढ़ती हुई कंसमुण्डा गाँव की प्लाट सं. 3894 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिन्दु - "ज" को छूती है।
- ज - झ : रेखा बिन्दु - "ज" से प्रारंभ होती है जो उत्तर दिशा की ओर मुड़ जाती है। रेखा कंसमुण्डा गाँव में प्रवेश करती है और प्लाट सं. 3894, 3886, 3885, 3881, 3880, 3879, 3874 की पश्चिमी सीमा को छूती हुई नालों तक जाती है, इसके पश्चात्, यह दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और उसी नाले के दक्षिणी किनारे के साथ आगे बढ़ती है इसके पश्चात्, यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 3915, 3928, 3688, 4510, 4511, 4512 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 3615 के दक्षिण-पश्चिम कोने तक पहुँचती है, इसके पश्चात् यह रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 4515 की पश्चिमी सीमा से होकर गुजरती है, इसके पश्चात्, यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और सड़क पार करती हुई प्लाट सं. 1959 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई प्लाट सं. 1959 के उत्तर-पश्चिम कोने तक जाती है, इसके पश्चात्, यही रेखा पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1959 की उत्तरी सीमा से होकर गुजरती हुई प्लाट सं. 1957 के पश्चिमी कोने तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1957, 1962, 1963, 1887, 1828 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई कंसमुण्डा गाँव की सड़क को छूती है। पुनः यह रेखा दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के दक्षिणी किनारे के साथ आगे बढ़ती है, इसके पश्चात्, यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क को पार करती है और सड़क की छोर तक जाती है, इसके पश्चात्, यह रेखा पूर्व की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1827 के उत्तरी किनारे से होकर गुजरती है, इसके पश्चात्, यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1823, 1824 के पश्चिमी किनारे से होती हुई बिन्दु - "झ" तक पहुँचती है जो प्लाट सं. 1824 तथा 1814 की साझा उत्तर-पश्चिम सीमा पर स्थित है।
- झ - ज : रेखा बिन्दु - "झ" से प्रारंभ होती है और पूर्व की तरफ चलते हुए प्लाट सं. 1817 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। पुनः यह उत्तर दिशा में मुड़ती है और प्लाट सं. 1817 की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 1818 तक पहुँचती है। पुनः यह रेखा पूर्व की ओर प्लाट सं. 1822, 1821 की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 1785 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। इसके पश्चात्, रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1782 की पश्चिमी सीमा से होकर गुजरती हुई प्लाट सं. 1782 के उत्तर-पश्चिम कोने तक जाती है। पुनः यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1782, 1781, 1780 के उत्तरी किनारे से होकर गुजरती है और इसके पश्चात्, यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और 1777 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 1777 के उत्तर पश्चिम कोने तक जाती है पुनः यह रेखा उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1777, 4698, 1775, 4701, 1773 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1773 की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई बिन्दु - "ज" पर पहुँचती है।
- ज - ट : रेखा बिन्दु - "ज" से प्रारंभ होती है और दक्षिण दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 4708 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई कंसमुण्डा ग्राम सड़क को छूती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 1759 की भागतः उत्तरी सीमा से और प्लाट सं. 1759 से होकर गुजरती है। इसके पश्चात् यह प्लाट सं. 1682 और 1757 की उत्तरी तथा भागतः पश्चिमी सीमा के साथ, प्लाट सं. 1751 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1752 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1754 की उत्तरी तथा पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1741 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 1740 की उत्तरी और भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1737 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1706 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4412 की उत्तरी तथा पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1707 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1713 की भागतः उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 1726 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1721 की भागतः उत्तरी तथा पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4577 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4839 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 1974 की भागतः उत्तरी सीमा और प्लाट सं. 1974 से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 4060 की उत्तरी और भागतः पश्चिमी सीमा के साथ, प्लाट सं. 3962 की भागतः उत्तरी सीमा के साथ गुजरती है। प्लाट सं. 3963 की पूर्वी-उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 3962 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4615 की पश्चिमी सीमा तथा प्लाट सं. 4615 तथा 4055 की आंशिक पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4047 एवं 4046 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 4045 की उत्तरी, पश्चिमी और दक्षिणी सीमा तथा प्लाट सं. 4050 की आंशिक पश्चिमी सीमा, इसके पश्चात्, रेखा प्लाट सं. 4038 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ प्लाट सं. 4036 की भागतः पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4024, 4026 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 4017, 4013, 4011, 4005 और 4004 की पश्चिमी सीमा से चलती हुई कंसमुण्डा तथा जयपुर गाँव की सम्मिलित सीमा के बिन्दु - "ट" पर मिलती है।

**ब्लॉक - ग का सीमा विवरण :**

- क - ख : रेखा बिन्दु - "क" से प्रारंभ होती है जो जमानिया, अद्वैत प्रसाद और मालापसी ग्रामों के ट्राई जंक्शन पिलर पर स्थित है और दक्षिण की तरफ मुड़कर मालापसी तथा जमानिया गाँवों की सम्मिलित सीमा के साथ आगे बढ़ती है। इसके पश्चात् यह रेखा गुन्दुरिनाली,

जमानिया और मालापसी के ट्राई जंक्सन पिलर को छूती है। यही रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर गुन्दुरिनाली और जमानिया गाँवों की सम्मिलित सीमा के साथ चलती हुई जमानिया गाँव की प्लाट सं. 399 की पश्चिमी सीमा को छूती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 485 की उत्तर-पश्चिम सीमा से होकर गुन्दुरिनाली गाँव में प्रवेश करती है। इसके पश्चात् यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर इसी प्लाट की सीमा के साथ मुड़ती है। इस बिन्दु को छूने के पश्चात् यह प्लाट सं. 486 की दक्षिणी-पश्चिमी सीमा की तरफ मुड़ती है। पुनः यह इस प्लाट की सीमा के साथ दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती हुई बढ़ती है। इसके पश्चात्, यह रेखा दक्षिण-पश्चिम की ओर चलती है और प्लाट सं. 973 की पश्चिमी सीमा तथा 972 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई दक्षिण दिशा की ओर प्लाट सं. 972, 1064, 1066, 1068 और 1070 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। पुनः यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1070 की दक्षिणी सीमा से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह रेखा दक्षिणी सीमा से होकर गुजरती है। इसके पश्चात्, यह रेखा दक्षिण की तरफ मुड़ती है और प्लाट सं. 1074 और 1075 की पश्चिमी सीमा से गुजरती है। पुनः यह रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1075 और 1838 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। प्लाट सं. 1838 और 1059 के साझा बिन्दु को स्पर्श करने के बाद यह पूर्व की ओर मुड़कर प्लाट सं. 1059 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई गाँव की सड़क को छूती है। इसके पश्चात् पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के पश्चिमी किनारे के साथ होती हुई उसी सड़क के अंतिम बिन्दु तक जाती है और पूर्व की तरफ मुड़ती है तथा इसकी चौड़ाई से होकर गुजरती है। यह रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर इसी सड़क के पूर्वी किनारे के साथ आगे बढ़ती हुई प्लाट सं. 1796 के उत्तर-पश्चिम कोने तक पहुँचती है। इसके पश्चात् यह पूर्व दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 1795 की दक्षिणी सीमा के साथ बढ़ती हुई प्लाट सं. 1795 और 1796 के पूर्व के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट संख्या 1796 और 1797 की पूर्वी सीमा के साथ आगे बढ़ती है तथा इसके पश्चात् यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 1797 और 1798 की पूर्वी सम्मिलित सीमा तक जाती है। इसके पश्चात् यह दक्षिण दिशा की ओर आगे बढ़ती है और प्लाट सं. 1798 के पूर्वी किनारे के साथ आगे बढ़ती है और यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़कर इसी प्लाट की दक्षिणी सीमा के साथ प्लाट सं. 1798 और 1800 के साझा बिन्दु तक जाती है पुनः यह दक्षिण की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1800 की भागतः पूर्वी सीमा के साथ बढ़ती हुई बिन्दु - "ख" तक जाती है।

ख - ग : रेखा बिन्दु - "ख" से प्रारंभ होती है जो गुन्दुरिनाली ग्राम के प्लाट सं. 1054 के दक्षिण-पश्चिम किनारे के सम्मिलित बिन्दु पर स्थित है। इसके पश्चात् रेखा प्लाट सं. 1054 की दक्षिणी सीमा से होकर गुजरती हुई गुन्दुरिनाली और छेलिया गाँवों की सम्मिलित सीमा तक पहुँचती है और छेलिया गाँव की प्लाट सं. 1826 की दक्षिणी सीमा से छेलिया गाँव में प्रवेश करती है। इसके पश्चात् यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती हुई इसी प्लाट की पूर्वी सीमा के साथ बढ़ती हुई प्लाट सं. 1708 और 1826 के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। इसके पश्चात्, यह प्लाट सं. 1708, 1620 और 21 की दक्षिणी सीमा से होती हुई 21 तथा 46 के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 46, 47 के पश्चिमी किनारे और 47 के दक्षिणी छोर के साथ चलती हुई प्लाट सं. 47 और 48 के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। इसके पश्चात् यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 61, 65, 64 और 74 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती हुई प्लाट सं. 74 तथा 75 के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। पुनः यह रेखा पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 74 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती हुई दक्षिण पूर्व दिशा की ओर मुड़कर प्लाट सं. 1769 के पश्चिमी किनारे के साथ चलती हुई पुनः यह उत्तर-पूर्व दिशा की ओर आगे बढ़ती है और प्लाट सं. 1769 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई प्लाट सं. 139 के दक्षिणी किनारे तक जाती है। पुनः यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 139, 137 के दक्षिणी किनारे के साथ बढ़ती हुई प्लाट सं. 135 के प्रारंभिक बिन्दु तक जाती है। प्लाट सं. 137 की चौड़ाई को पार करने के बाद रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर प्लाट सं. 137 के भागतः पूर्वी छोर के साथ मुड़ती है और प्लाट सं. 137 तथा 248 के सम्मिलित बिन्दु को छूती है। पुनः यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 248 के पूर्वी किनारे के साथ चलती हुई प्लाट सं. 274 तक पहुँचती है पुनः यह रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 274, 1690, 276, 1662, 1473, 590, 545 तथा 543 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती है और प्लाट संख्या 543 के दक्षिणी कोने को छूती है। पुनः यह उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 488 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है तथा पूर्व दिशा की ओर प्लाट सं. 542, 541, 501, 502, 504, 480, 441, 436, 420, 421, 422 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई छेलिया ग्राम सड़क तक जाती है पुनः यही रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के आंशिक पश्चिमी किनारे के साथ आगे बढ़ती हुई प्लाट सं. 995 और सड़क के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। इसके पश्चात् यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1199 के दक्षिणी कोने तक जाती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1199, 1200 तथा 1483 के पश्चिमी किनारे से होकर गुजरती हुई प्लाट सं. 1483 के दक्षिण-पश्चिम कोने तक जाती है। पुनः यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और 1483, 1484, 1201, 1202, 1203 के दक्षिणी किनारे से होकर गुजरती है तथा प्लाट सं. 1363, 1207, 1364, 1681 की दक्षिणी सीमा और 1485, 1232, 1233, 1530, 1531, 1697, 1696, 1695, 1694, 1693, 1470, 1678, 1687, 1186 तथा 1184 के भागतः पूर्व से होकर गुजरती है और पुनः यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लाट सं. 1318, 1319, 1320, 1321, 1322 तथा 1327 के पूर्वी किनारे के साथ बढ़ती हुई बिन्दु - "ग" तक जाती है जो छेलिया, कथारमुण्डा और बड़त्रिविड़ा के ट्राई जंक्सन पिलर पर स्थित है।

- ग - घ : रेखा बिन्दु - "ग" से प्रारंभ होती है और प्लॉट सं. 1171 के पूर्वी किनारे के साथ उत्तर दिशा की ओर बढ़ती है जो छेलिया और कहारमुण्डा ग्राम की सम्मिलित सीमा है यह प्लॉट सं. 1170 के पूर्वी कोने तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ती है और उसी सम्मिलित ग्राम सीमा से होकर गुजरती हुई छेलिया, कहारमुण्डा और कमरेई ग्रामों के ट्राई जंक्शन पिलर तक जाती है। इसके पश्चात् यह रेखा उत्तर दिशा की तरफ छेलिया और मथारगढ़ी आर एफ से होकर जाती है। पुनः यह उसी दिशा में छेलिया ग्राम और मथारगढ़ी आर एफ की सम्मिलित सीमा के साथ बढ़ती हुई बिन्दु - "घ" को छूती है जो कमरेई और मथारगढ़ी आर एफ की सम्मिलित सीमा के कुभाबदार बिन्दु पर स्थित है।
- घ - ङ : बिन्दु - "घ" से रेखा प्रारंभ होती है और कमरेई और मथारगढ़ी आर एफ ग्राम की सम्मिलित सीमा की पूर्व दिशा की ओर बढ़ती हुई बिन्दु - "ङ" तक जाती है जो उसी आर एफ की पूर्वी सीमा का सम्मिलित बिन्दु है।
- ङ - च : रेखा बिन्दु - "ङ" से प्रारंभ होती हुई उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और कमरेई ग्राम तथा मथारगढ़ी आर एफ की सम्मिलित सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई कमरेई ग्राम की प्लॉट सं. 2550 के पश्चिमी कोने तक जाती है और पुनः यह उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और कमरेई और दादासिन्हा ग्राम की सम्मिलित सीमा से होकर गुजरती हुई तेलीसिन्हा, कमरेई और दादासिन्हा के ट्राई जंक्शन पिलर को पार करती हुई तेलीसिन्हा और दादासिन्हा के बाई जंक्शन पिलर तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और दादासिन्हा एवं तेलीसिन्हा ग्राम की सम्मिलित सीमा से होती हुई तेलीसिन्हा, आम्बपाल एवं दादासिन्हा ग्रामों के ट्राई जंक्शन पिलर तक जाती है। पुनः यह उसी दिशा में तेलीसिन्हा और आम्बपाल ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ बढ़ती हुई बिन्दु - "च" तक जाती है जो उसी सम्मिलित सीमा तथा तेलीसिन्हा ग्रामों की प्लॉट सं. 2594 के उत्तर-पूर्वी कोने पर स्थित है।
- च - छ : रेखा बिन्दु - "च" से प्रारंभ होकर तेलीसिन्हा ग्राम की प्लॉट सं. 2594 की उत्तरी सीमा के साथ पश्चिम की ओर आगे बढ़ती है पुनः दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और इसी प्लॉट की भागतः पश्चिम सीमा के साथ आगे बढ़ती है। इसके पश्चात्, यह प्लॉट सं. 817, 816, 815 और 813 की उत्तरी सीमा के साथ पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ती हुई प्लॉट सं. 813 के उत्तर पश्चिम कोने तक जाती है। इसके पश्चात् यह प्लॉट सं. 813 और 814 की पश्चिमी सीमा के साथ दक्षिण दिशा की ओर चलती है। प्लॉट सं. 814 के दक्षिण-पश्चिम कोने पर पहुँचने के पश्चात् पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ जाती है और प्लॉट सं. 837, 840 तथा 841 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ जाती है और प्लॉट सं. 840 की पश्चिमी सीमा के साथ बढ़ती है। इसके पश्चात् यह प्लॉट सं. 844, 868, 869 और 870 की उत्तरी सीमा के साथ उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ जाती है। इसके पश्चात् यह प्लॉट सं. 870, 871, 874, 876 और 880 की उत्तरी सीमा के साथ दक्षिण-पश्चिम में मुड़ जाती है और प्लॉट सं. 880 के दक्षिण-पश्चिम कोने तक जाती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 881 की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई तेलीसिन्हा ग्राम की सड़क के पूर्वी किनारे तक जाती है। पुनः यह दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और इसी ग्राम सड़क के पूर्वी किनारे के साथ प्लॉट सं. 2019 तक जाती है। पुनः यह रेखा दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 2019, 2018, 2082, 2085 तथा 2087 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 2085 के दक्षिण-पश्चिम कोने को छूती है। पुनः यह रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर आगे बढ़ती है और 2085 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 2085 के दक्षिण कोने तक जाती है। पुनः यह मुड़ती है और प्लॉट सं. 2087 की पश्चिमी सीमा से होकर गुजरती हुई प्लॉट सं. 2087 तथा 2208 की सम्मिलित सीमा बिन्दु को छूती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 1912 की भागतः दक्षिणी सीमा से होकर गुजरती हुई प्लॉट सं. 1877 तथा 2208 के उत्तर साझा सीमा बिन्दु को छूती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 1877 की पूर्वी सीमा के साथ बढ़ती हुई प्लॉट सं. 1877 की दक्षिण-पूर्वी सीमा को छूती है। पुनः यह पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 2631 की उत्तरी सीमा के साथ बढ़ती हुई प्लॉट सं. 2631 तथा 2207 के सम्मिलित बिन्दु तक जाती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 2211 के पूर्वी किनारे तथा प्लॉट सं. 2218 की पश्चिमी सीमा के साथ बढ़ती हुई सड़क तक जाती है। तेलीसिन्हा ग्राम सड़क को पार करने के बाद रेखा दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 2255 की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई बिन्दु - "छ" तक पहुँचती है जो प्लॉट सं. 2255, 2254 तथा 2257 के सम्मिलित बिन्दु पर स्थित है।
- छ - क : रेखा बिन्दु - "छ" से प्रारंभ होती है। तेलीसिन्हा की ग्राम सड़क को पार करने के बाद रेखा पश्चिम दिशा की ओर प्लॉट सं. 2259 के उत्तरी किनारे के साथ चलती हुई इसी प्लॉट की उत्तर-पश्चिम कोने तक पहुँचती है। इसके पश्चात् यह दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है तथा इसी प्लॉट की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ चलती है। इसके पश्चात् यह रेखा पश्चिम दिशा की ओर मुड़कर प्लॉट सं. 2266 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 2269 को छूती है। इसके पश्चात् यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 2266 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 2269 के दक्षिण-पूर्व कोने तक पहुँचती है। यह प्लॉट

सं. 2269, 2270, 2271 एवं 1583 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती हुई पश्चिम की तरफ मुड़ती है और प्लॉट सं. 1580 के उत्तर-पूर्व कोने तक जाती है। रेखा दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती हुई प्लॉट सं. 1580 और 1581 की पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 1581 के दक्षिण-पूर्व कोने तक पहुँचती है। इसके पश्चात यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 1582, 1575, 1576, 1574, 1570 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई सड़क तक पहुँचती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के पश्चिमी किनारे के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 1562 के दक्षिणी कोने तक पहुँचती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 1533, 1534, 1535, 1481, 1498 तथा 1497 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई तेलीसिंघा और जरड़ा ग्रामों की सम्मिलित सीमा को छूती है। पुनः यह उसी दिशा में आगे बढ़ने के बाद जरड़ा ग्राम की प्लॉट सं. 3785, 3777, 3775, 3774, 3767, 3768 की उत्तरी सीमा के साथ जरड़ा ग्राम में प्रवेश करती है। इसके बाद यह प्लॉट सं. 3768 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है तथा प्लॉट सं. 3768 और 3751 की सम्मिलित सीमा बिन्दु तक जाती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर चलती है और प्लॉट सं. 3751, 3754 तथा 3969 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई तालाब के पूर्वी किनारे को छूती है। इसके पश्चात, यह उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 3748 (तालाब के तटबंध) की भागतः पूर्वी सीमा के साथ चलती हुई इसी प्लॉट के उत्तर-पूर्व कोने तक जाती है। पुनः यह रेखा पश्चिम की तरफ मुड़ती है और प्लॉट सं. 3747 (तालाब) की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 3746 के उत्तर-पश्चिम कोने तक पहुँचती है। इसके पश्चात, यही रेखा दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती हुई इसी प्लॉट की भागतः पश्चिमी सीमा को पार करती हुई प्लॉट सं. 3968 के उत्तर-पूर्व कोने तक जाती है। पुनः यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और जरड़ा बस्ती की दक्षिणी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 3313 के उत्तर-पूर्व कोने तक पहुँचती है। यह रेखा पश्चिम की तरफ मुड़ती है और प्लॉट सं. 3313, 3311, 3309 तथा 3307 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 3306 के उत्तर-पश्चिम कोने तक पहुँचती है। पुनः यह रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 3304, 3302, 3283, 3282, 3272 तथा 3271 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। पुनः यह रेखा प्लॉट सं. 1709 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 1631 की पूर्वी प्लॉट सं. 1632, 1631, 1633, 1635, 1625, 1622, 1621, 1645, 1646, 1649, 1650, 1604, 1600, 1601, 1681, 1682 तथा 1683 के साथ पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती हुई जरड़ा और जमानिया ग्राम की सम्मिलित सीमा तक जाती है। इसके पश्चात रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और उसी ग्राम की सीमा के साथ जमानिया ग्राम के उत्तर-पूर्व कोने की प्लॉट सं. 303 तक जाती है। इसके पश्चात रेखा जमानिया ग्राम में उत्तर-पश्चिम दिशा की तरफ से प्रवेश करती है और प्लॉट सं. 303, 302, 301, 300, 299 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। पुनः यह रेखा प्लॉट सं. 298 की पूर्वी सीमा के साथ उत्तर दिशा की तरफ मुड़ती है इसके पश्चात यह पश्चिम दिशा में मुड़ती है और प्लॉट सं. 298, 297, 509, 286, 283, 588 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई प्लॉट सं. 587 तक जाती है। इसके पश्चात यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 276 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई प्लॉट सं. 238 तथा 276 के सम्मिलित कोने तक जाती है। इसके पश्चात यही रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 238 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। इसके पश्चात यह वर्तमान जमानिया ग्राम सड़क को पार करती है और इसी ग्राम सड़क के दक्षिणी किनारे के साथ आगे बढ़ती हुई प्लॉट सं. 60 तक जाती है। इसके पश्चात यह दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 60 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है और प्लॉट सं. 59, 57, 591 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। इसके पश्चात यही रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है और 591 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। इसके पश्चात यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 51 के दक्षिणी किनारे से होकर गुजरती है। पुनः यह उसी प्लॉट की सीमा के साथ उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है इसके बाद यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 53 की उत्तरी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई प्लॉट सं. 50 तथा 53 के सम्मिलित कोने तक जाती है। पुनः यह दक्षिण दिशा की ओर प्लॉट सं. 49 के पूर्वी किनारे के साथ मुड़ती है और प्लॉट सं. 49 के दक्षिण-पूर्व कोने तक जाती है। पुनः पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 49, 48, 43 तथा 42 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती हुई प्लॉट सं. 42 के दक्षिण पश्चिम कोने तक जाती है। पुनः यह रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है तथा प्लॉट सं. 37 की पूर्वी सीमा बिन्दु के साथ होती हुई प्लॉट सं. 37 के उत्तर-पूर्वी कोने तक जाती है। इसके पश्चात यह पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट सं. 41, 40, 7, 39 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। यही रेखा प्लॉट सं. 39 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 29 की भागतः पूर्वी, प्लॉट सं. 29 की दक्षिणी, प्लॉट सं. 29 की भागतः पश्चिमी, प्लॉट सं. 27 की दक्षिणी, प्लॉट सं. 27 की भागतः पश्चिमी, प्लॉट सं. 26, 25 की दक्षिण, प्लॉट सं. 25 की पश्चिमी सीमा के साथ चलती हुई सड़क के किनारे को छूती है और पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और इसी सड़क के दक्षिणी किनारे से होती हुई बिन्दु - "क" पर खत्म होती है।

[फ़.सं.-43015/11/2005-पी आर आई डब्ल्यू-I (जिल्द-II)]

एम. शहाबुद्दीन, अवसर सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 19th August, 2009

S.O. 2333.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, S.O. 1098 dated the 13th May, 2008, issued under sub-section (1) of Section 7 of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Extraordinary in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 17th May, 2008, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of Section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after re-consulting the Government of Orissa is satisfied that the land measuring 1907.61 acres (approximately) or 772.00 hectares (approximately) in All Rights as described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby declares that the land measuring 1907.61 acres (approximately) or 772.00 hectares (approximately) in All Rights as described in the said Schedule are hereby acquired;

The Plan bearing number MCL/SBP/GM (L/R&R)/09/274 dated the 7th May, 2009 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Angul (Odisha) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata or in the office of the General Manager (L/R and R), Mahanadi Coalfields Limited, Jagriti Vihar, Post Office Jagriti Vihar, Burla, Distt. Sambalpur-768020 (Odisha).

## SCHEDULE

## TALCHER COALFIELD (LINGARAJ AREA)

## KANIHA OCP EXPANSION

## DISTRICT ANGUL (ODISHA)

## ALL RIGHTS

[Plan bearing number MCL/SBP/GM (L/R&amp;R)/09/274 dated the 7th May, 2009]

Block	Sl. No.	Name of Village	Thana/No.	Tehsil/Dist./State	Land Classification in acres			Total area in acres	Remarks
					Tenancy	Govt. Non-Forest	Forest		
A	1.	Kaniha	Kaniha/60	Talcher/Angul/Orissa	51.54	72.50	43.03	167.07	PART
	2.	Patharmunda	Kaniha/91	—do—	189.49	23.50	170.71	383.7	PART
	3.	Telisingha	Kaniha/90	—do—	—	—	25.84	25.84	PART
B	4.	Kansamunda	Kaniha/67	—do—	57.66	13.66	0.41	71.73	PART
C	5.	Gundurinali	Kaniha/88	—do—	17.91	35.29	10.41	63.61	PART
	6.	Jarada	Kaniha/89	—do—	125.89	42.95	112.99	281.83	PART
	7.	Telisingha	Kaniha/90	—do—	104.07	62.93	63.73	230.73	PART
	8.	Maharagadi-RF	Kaniha	—do—	—	—	115.96	115.96	FULL
	9.	Janania	Kaniha/66	—do—	66.45	14.35	6.75	87.55	PART
	10.	Chhelia	Kaniha/108	—do—	252.55	103.51	123.53	479.59	PART
	Total				865.56	368.69	673.36	1907.61 acres (approximately) or 772.00 hectares (approximately)	

**BLOCK-A****01. Plot number to be acquired in village Kaniha (Part)**

444, 617, 623 to 651, 653 to 774, 777, 779 to 792, 839, 856 to 866, 869 to 964, 982 to 1007, 1022 to 1025, 1147, 1148, 1529 to 1594, 1600 to 1640, 929/1649, 932/1656, 735/1659, 735/1660, 1638/1681, 1542/1684, 715/1688, 998/1714, 999/1715, 702/1718, 703/1719, 704/1720, 864/1729, 665/1732, 893/1739, 876/1742, 753/1746, 741/1751, 921/1752, 1539/1758, 1602/1765, 739/1767, 962/1768, 890/1769, 883/1773, 889/1774, 950/1778, 696/1783, 768/1784, 1636/1787.

**02. Plot number to be acquired in village Patharmunda (Part)**

120 to 129, 138 to 141, 302, 353, 354, 453 to 469, 515, 519, 524 to 579, 584, 586, 588 to 601, 1295, 1315 to 1334, 1336 to 1526, 1533 to 1539, 1541, 1545 to 1811, 1813 to 2891, 2800, 2801, 2805, 2844, 2848 to 3153, 2533/3154, 2533/3155, 2533/3156, 2533/3157, 2524/3158, 604/3159, 2449/3160, 2248/3161, 2230/3162, 2229/3163, 2228/3164, 2222/3165, 604/3166, 604/3167, 604/3169, 604/3170, 604/3171, 604/3172, 604/3173, 604/3174, 604/3175, 604/3176, 604/3177, 604/3178, 604/3179, 604/3180, 604/3181, 604/3182, 604/3183, 604/3184, 2287/3186, 1679/3187, 939/3192, 939/3193, 2838/3194, 2845/3195, 129/3197, 302/3198, 1211/3199, 2154/3203, 3058/3204, 518/3205, 564/3207, 596/3208, 2552/3215, 573/3217, 584/3218, 577/3219, 2539/3223, 469/3225, 2533/3227, 2533/3228, 3136/3229, 138/3232, 591/3236, 141/3237, 2533/3240, 561/3241, 527/3242, 2859/3243, 2862/3244, 2853/3245, 545/3247, 1295/3250, 3109/3254, 1561/3256, 604/3261, 604/3262, 129/3264, 120/3266, 120/3267, 604/3268, 604/3269, 140/3270, 129/3272, 604/3273, 120/3276, 3060/3278, 589/3284, 129/3285, 604/3289, 575/3295, 1416/3296, 2924/3302, 2927/3303, 2033/3304, 1478/3317, 1478/3318, 1745/3319, 2139/3320, 2139/3321, 1319/3326, 2028/3327, 2284/3329, 1352/3336, 2119/3337, 2099/3338, 2955/3339, 594/3340, 469/3341, 120/3342, 120/3343, 2924/3344, 1843/3345, 1879/3346, 1667/3347, 3169/3369, 3294/3370, 3294/3371, 3294/3372, 3294/3373, 3294/3374, 541/3381, 3264/3387, 1562/3388, 541/3389, 541/3390, 604/3391, 604/3399, 2878/3400, 2878/3401, 541/3404, 1301/3447.

**03. Plot number to be acquired in village Telisingha (Part)**

Plot No. 771

**BLOCK-B****04. Plot number to be acquired in village Kansamunda (Part)**

1724, 1725, 1727 to 1736, 1746 to 1750, 1758, 1759, 1773 to 1777, 1780 to 1782, 1821 to 1824, 1827 to 1912, 1916 to 1923, 1934 to 1959, 1962, 1963, 3550, 3688 to 3714, 3874, 3879 to 3881, 3885, 3886, 3894 to 3915, 3928 to 3961, 3964 to 4003, 4014 to 4016, 4039 to 4044, 3943/4360, 3958/4394, 1953/4415, 1886/4471, 1962/4492, 3690/4510, 3690/4511, 3690/4512, 3696/4513, 3695/4514, 3695/4515, 3897/4525, 3897/4526, 1842/4596, 3900/4612, 4339/4630, 3958/4637, 3958/4638, 3886/4640, 3690/4655, 1775/4698, 1775/4699, 1775/4700, 1775/4701, 1776/4702, 1776/4703, 1776/4704, 1774/4705, 1774/4706, 1774/4707, 3939/4780, 3940/4781, 1726/4840, 395/4845, 4615/4889, 1852/4984, 1750/4985, 1750/4986, 1750/4987.

**BLOCK-C****05. Plot number to be acquired in village Gundurinali (Part)**

485, 486, 972 to 1054, 1059 to 1064, 1066 to 1068, 1070 to 1075, 1030/1686, 1041/1687, 1053/1709, 1053/1795, 1053/1799, 1071/1837.

**06. Plot number to be acquired in village Jarada (Part)**

1600 to 1604, 1621, 1622, 1625, 1631 to 1708, 1709 (p), 3305 to 3307, 3309 to 3742, 3746 to 3748, 3751 to 3768, 3774, 3775, 3777 to 3805, 3641/3807, 729/3808, 3789/3810, 3601/3813, 3670/3814, 3724/3817, 3612/3818, 3637/3820, 3637/3821, 3746/3824, 3747/3825, 3700/3827, 3641/3829, 3660/3836, 3789/3840, 3437/3844, 3666/3846, 3782/3847, 3626/3849, 3677/3850, 3639/3854, 3669/3858, 3714/3860, 3676/3862, 3778/3863, 3583/3869, 3786/3871, 3789/3905, 3791/3906, 3584/3908, 3323/3920, 3584/3922, 3585/3925, 3765/3934, 3804/3940, 3602/3941, 3602/3942, 3640/3943, 3632/3945, 3742/3968, 3755/3969, 3755/3970, 3670/3971, 3670/3972, 3601/3973, 3601/3974, 3601/3975, 3670/3982, 3580/3989, 3717/3996, 3635/4010, 3791/4011.

**07. Plot number to be acquired in village Telsingha (Part)**

319, 322, 813 to 841, 844 to 871, 874 to 876, 880 to 941, 1033, 1481 to 1486, 1491, 1497 to 1529, 1530 (p), 1531 to 1535, 1565s (p), 1570 to 1576, 1582, 2018 to 2132, 2134 to 2208, 2218 to 2254, 2257(p), 2259 to 2266.

2272 to 2490, 2051/2333, 2179/2493, 2482/2496, 2251/2503, 2251/2504, 2251/2505, 2251/2506, 2251/2507, 2231/2508, 2231/2509, 2231/2510, 2231/2511, 2231/2512, 856/2513, 2224/2514, 1503/2518, 1512/2519, 2071/2522, 2287/2527, 2229/2528, 2281/2529, 1523/2530, 1523/2531, 1523/2532, 1517/2537, 1523/2545, 1523/2546, 1523/2547, 2195/2562, 2450/2565, 2367/2568, 413/2576, 2188/2578, 2125/2579, 2125/2580, 2367/2589, 889/2591, 819/2592, 820/2593, 817/2594, 2363/2595, 2363/2596, 2363/2597, 2363/2598, 2363/2599, 821/2603, 2180/2632, 2164/2633, 2367/2638, 2092/2655, 1341/2661, 1857/2666, 1485/2678, 839/2679, 2447/2680.

08. Plot number to be acquired in village Jamania (Part)

2 to 24, 30 to 38, 44 to 47, 52 to 56, 58, 60 to 213, 238, 277 to 283, 286 to 473, 73/474, 102/475, 104/476, 395/477, 409/478, 452/479, 452/480, 463/481, 469/482, 470/483, 448/484, 367/486, 419/487, 435/488, 422/489, 447/490, 132/491, 472/493, 473/494, 472/495, 387/496, 387/497, 290/499, 351/500, 351/501, 89/502, 173/503, 350/504, 361/507, 361/508, 286/509, 158/510, 166/511, 190/512, 190/513, 324/515, 320/516, 323/517, 204/520, 204/521, 204/522, 204/523, 204/524, 205/525, 353/526, 423/527, 424/528, 332/530, 364/531, 365/532, 394/533, 429/536, 429/537, 89/538, 112/539, 121/540, 121/541, 121/542, 125/543, 125/544, 125/545, 125/546, 125/547, 15/548, 373/549, 287/550, 288/551, 288/552, 446/553, 393/554, 401/555, 396/556, 108/558, 9/559, 9/560, 9/561, 179/562, 323/563, 467/564, 467/565, 111/566, 323/567, 74/568, 157/569, 61/570, 61/571, 61/572, 61/573, 209/580, 209/581, 209/582, 209/583, 213/584, 213/585, 277/586, 277/587, 277/588, 189/589, 202/590, 281/592, 22/593, 323/594, 432/595, 369/596, 4/599, 4/600, 7/601, 7/602, 8/603, 8/604, 74/605, 88/606, 184/607, 184/608, 470/616, 479/617, 355/618, 327/619, 327/620.

09. Plot number to be acquired in village Chhelia (Part)

1 to 61, 64 to 74, 137 to 278, 420 to 456, 501 to 1207, 1231 to 1233, 7/1328, 65/1329, 1116/1330, 929/1332, 943/1335, 1237/1338, 1086/1340, 1086/1341, 1086/1342, 1086/1343, 1086/1344, 1027/1345, 1076/1346, 1049/1347, 175/1349, 211/1350, 211/1351, 225/1352, 237/1353, 237/1354, 237/1355, 575/1356, 821/1357, 825/1358, 826/1359, 824/1360, 824/1361, 883/1362, 1207/1363, 1202/1364, 1208/1365, 1204/1372, 821/1373, 1206/1374, 1231/1375, 159/1380, 192/1381, 1154/1382, 956/1383, 956/1384, 946/1385, 950/1386, 952/1387, 952/1388, 952/1389, 1030/1390, 968/1392, 968/1393, 968/1394, 968/1395, 968/1396, 968/1397, 71/1398, 71/1399, 821/1400, 1107/1401, 194/1402, 194/1403, 30/1405, 846/1407, 758/1408, 1075/1410, 856/1415, 785/1416, 789/1417, 1156/1419, 1162/1420, 1152/1421, 419/1422, 24/1423, 141/1424, 141/1425, 143/1427, 143/1428, 143/1429, 143/1430, 143/1431, 185/1432, 622/1442, 754/1443, 760/1445, 760/1446, 760/1447, 801/1448, 801/1449, 801/1450, 801/1451, 803/1452, 836/1453, 841/1454, 842/1455, 848/1456, 848/1457, 1036/1458, 1036/1459, 1188/1460, 1079/1461, 1079/1462, 1079/1463, 1107/1464, 1110/1465, 1110/1466, 1110/1467, 1110/1468, 1110/1469, 1110/1470, 1074/1471, 1110/1472, 278/1473, 1110/1474, 1110/1476, 1110/1477, 1110/1478, 1110/1479, 1110/1480, 1110/1481, 1200/1482, 1200/1483, 1200/1484, 1075/1492, 1072/1493, 1079/1494, 1080/1495, 801/1496, 1151/1498, 810/1499, 1183/1500, 3/1501, 6/1505, 51/1506, 51/1507, 51/1508, 51/1509, 51/1510, 51/1511, 52/1512, 52/1513, 53/1514, 53/1515, 53/1516, 814/1517, 41/1518, 166/1519, 1192/1523, 771/1525, 1139/1526, 995/1527, 1009/1528, 1182/1529, 1232/1530, 1232/1531, 1168/1532, 1169/1533, 1185/1534, 188/1535, 877/1536, 803/1537, 1205/1538, 174/1539, 878/1540, 169/1541, 1010/1542, 1110/1545, 209/1546, 1110/1547, 209/1548, 704/1550, 68/1551, 144/1553, 143/1556, 170/1558, 1100/1559, 809/1562, 665/1563, 815/1565, 815/1566, 815/1567, 878/1571, 208/1572, 878/1573, 1125/1574, 1125/1575, 141/1579, 1149/1582, 140/1584, 24/1585, 29/1588, 30/1590, 68/1591, 148/1593, 16/1594, 1120/1612, 1154/1618, 1154/1621, 73/1622, 1052/1623, 893/1629, 876/1636, 873/1637, 1154/1638, 1154/1639, 1146/1640, 1063/1641, 1182/1642, 1070/1643, 194/1644, 194/1645, 194/1646, 273/1647, 275/1648, 275/1649, 275/1650, 1060/1651, 195/1652, 196/1653, 194/1654, 194/1655, 1191/1656, 199/1658, 49/1661, 277/1662, 13/1671, 1178/1673, 1178/1674, 23/1675, 889/1676, 896/1677, 1188/1678, 1116/1679, 1188/1680, 1080/1682, 1080/1683, 901/1684, 901/1685, 1188/1688, 1003/1689, 979/1690, 100/1692, 1188/1693, 1188/1694, 1188/1695, 1188/1696, 1188/1697, 1081/1698, 266/1699, 558/1700, 1030/1701, 1030/1702, 1030/1704, 1030/1705, 1029/1706, 16/1707, 16/1708, 760/1710, 13/1713, 13/1714, 13/1715, 13/1716, 13/1717, 7/1718, 1163/1720, 1125/1723, 1155/1724, 1155/1725, 1163/1726, 1178/1727, 1163/1728, 40/1730, 1068/1733, 777/1735, 19/1736, 10/1741, 29/1742, 42/1743, 43/1744, 239/1745, 246/1746, 852/1747, 853/1748, 779/1749, 779/1750, 780/1751, 874/1751, 874/1752, 831/1753, 846/1754, 1116/1755, 1116/1756, 982/1757, 929/1758, 1206/1759, 733/1760, 733/1761, 35/1763, 8/1764, 32/1765, 813/1766, 1120/1768, 136/1769, 1152/1770, 1116/1771, 899/1772, 899/1773, 868/1774, 1081/1777, 1178/1779, 70/1783, 142/1784, 142/1785, 142/1786, 182/1787, 232/1788, 232/1789, 719/1790, 1231/1791, 1231/1792, 945/1801, 947/1802, 947/1803, 947/1804, 949/1805, 949/1806, 949/1807, 949/1808, 949/1809, 62/1826, 240/1827, 955/1828, 557/1829, 1145/1834, 1166/1836, 844/1837, 845/1838, 1566/1839, 184/1841, 543/1842, 1127/1843, 1158/1846, 880/1882, 883/1885, 883/1889, 1087/1892, 1341/1893.



**BOUNDARY DESCRIPTION BLOCK 'A'**

- LM:** The line starts from point 'L' which is situated at tri junction Pillar of village Kansamunda, Kaniha and Gohiradanda R.F. Then it moves towards east direction along common village boundary of Kaniha and Kansamunda northern boundary of plot numbers 1507, 1508, 1509 of village Kansamunda upto north east corner of plot number 1509 of Kansamunda. Then the line enters to village Kaniha and moves towards north direction and cover the west, north and east boundary of plot number 1777, the partly northern boundary of plot number 966 upto north corner of plot number 981. The same line proceeds northern boundary of Plot numbers 980, 979, 1027 north and east boundary of Plot number 1026 upto northeast corner point of plot number 1026. The line moves towards northeast direction along north and west boundary of Plot number 1021, Partly western and northern boundary of 1020, north boundary of plot numbers 1008, 1009, 1146 upto west edge of Jarada and Kaniha Village road. After crossing the same village road the line moves along north boundary of Plot number 1641, upto common village boundary of Kaniha and Patharmunda. Then the line enter into village Patharmunda and moves south direction along partly western boundary of plot No. 138 upto southwest corner of same plot. Then the line proceeds towards east along south boundary of plot numbers 138, 3197 upto southeast corner of plot number 3197. The same line moves towards north east direction covering the partly boundary of plot number 142, northern boundary of plot numbers 175, 176, southern boundary of plot numbers 456, 455, 453 upto southeast corner of plot number 453. It turns towards north directions covering the east boundary of plot number 453 upto northwest corner of plot number 452. The same lines moves towards east direction covering the southern boundary of plot numbers 564, 565, 566, 579, 3218, 584 and 586 upto southeast corner of plot number 586. Again the line turns towards north directions covering eastern boundary of the same plot upto north corner of plot number 586. It moves towards east direction along partly southern boundary of plot numbers 574, 590 upto southeast corner of plot number 590. Then the lines move towards south east direction along west boundary of plot numbers 589, 588 partly south boundary of plot number 587 south boundary of plot numbers 596, 598, 599 upto touch point 'M' which is situated at the west side of Patharamunda and Telisingha road.
- MN:** The lines start from 'M' and moves towards south direction along eastern boundary of Patharamunda and Telisingha road upto north corner of plot number 3166 to meet point 'N'.
- NO:** The lines start from 'N' after crossing the Telisingha and Patharamunda village road the lines moves south directions along partly east boundary of plot number 355 then it moves towards west direction along south side boundary of plot number 355 and turns towards south along east boundary of plot number 3271 then it moves towards west along south boundary of same plot and turns north along western boundary of same plot. The same line moves towards west direction covering west boundary of plot number 341, partly east boundary of plot number 340 east boundary of 337, 336, east and south boundary of 334 south boundary of 3234, 3293 upto southwest corner of plot number 3293 to meet at point 'O'.
- OP:** The lines starts from point 'O' moves along west and north boundary of plot number 3293, north boundary of 327, 326, west boundary of 325, 324, 323 south west boundary 322, 321 south boundary of 3188, 270, 271, 272 east boundary of 284, 286 north east of 287, 288 north, east, south boundary of 3257 east of 300, 301 south, west 301 west boundary of 299, 298, 297, 296, 295, 292, 291, 289 and south partly western boundary of 3263 southern boundary of 3286 and western boundary of 3286, 3275 south and west boundary of 3191. Then the lines turns towards west and passes along southern boundary of 3196 southeastern boundary of 137. Then the lines moves south directions and proceeds along eastern boundary of village road of Kaniha to Jarada upto north corner of plot number 61. Then it moves towards south directions covering the south west boundary of plot number 3266 partly south boundary of plot number 120 upto point 'P'.
- PQ:** The line start from 'P' which is situated at northeast corner of plot number 93 of village Patharamunda and moves along eastern boundary of plot numbers 93, 94 north east and partly west boundary of plot number 105, eastern boundary of plot numbers 106, 119, 118, 116 and touches the common village boundary of Telisingha and Patharamunda and proceeds along it. After crossing the bi-junction pillar the lines covers partly the plot number 3294 and it moves partly northern boundary of plot number 3294, northern and eastern boundary of 3291. Again the line moves along common village the boundary of Telisingha and Patharamunda, After crossing the bi-junction pillar the lines moves western boundary of plot number 322 and eastern northern and western boundary of plot number 319. Again the lines moves along eastern boundary of plot number 322 upto same common village boundary. The lines moves towards east direction along same village boundary upto point 'Q'.

- QR: The line start from 'Q' which is situated at north east corner plot number 710 of village Telisingha. Then the line moves along western boundary of plot numbers 3123, 3124, 3128, 3129, 3144, western and southern boundary of 3145, southern boundary of 3146, 3147 western boundary of 3151, west and south side of 3152 up to common village boundary of Telisingha and Patharmunda at a bi-junction pillar. Then the line enters into Telisingha village covering the southwest of plot number 771 up to point 'R'.
- RS: The lines start from point 'R' which is situated at northwest corner of plot number 772 and also northwest side of Telisingha road. The line RS moves towards northeast directions along northeast side of plot number 771 up to point 'S'.
- ST: The line starts from point 'S' which is situated at the tri-junction pillar of village Telisingha, Ambapal and Bijigol. Then the line passes towards northwest direction along the common village boundary of Telisingha and Bijigol upto tri-junction pillar of village Telisingha, Lodhabandha and Bijigol. Again the same line turns towards north direction and passes along common village boundary of Patharmunda and Lodhabandha up to point 'T'.
- TU: The line starts from point 'T' which is situated at northeast corner of plot number 2849 of village Patharmunda. Again the line proceeds along north boundary of plot numbers 2849, 2848, 2854 and 2855. Then it turns towards northeast direction and passes through east side of road plot number 2844. Then it cross the east side boundary of plot numbers 2737, 2736, 2739, 2741 and 2805 and turns the same line towards west direction along the north boundary of plot numbers 2805, 2801, 2800, 2790, 2791 and enters to Patharmunda Basti and proceeds along north edge of plot numbers 1821, 1818 then passes through west part of boundary of plot number 1813, north boundary of 1813, east boundary of 1548, and then north boundary of 1548, 1547, 1546, 1545 and turns towards south direction along the west boundary of plot number 1545. Again it turns towards west direction along the northwest corner of 1560, north edge of 3256, 1562, 1541, again it turns towards south direction along east boundary of 1540 and north boundary of 1539, 1537, 1533. Then it turns towards south direction along west boundary of plot number 1533 and part of 1534. Then the same line turns towards north direction and proceeds along east side of 1525, north boundary of 1526, 1522, 1514 and part of 1513. Then it passes through east boundary of 1295, north boundary of 1295, part west of 1295 again it cross the north boundary of plot number 3250 and touches the part boundary of 1354. Then the line turns towards north direction along the east edge of plot numbers 1353, 1323, 1322. Then it passes through the north boundary of plot number 1322, northeast of 1320, north of 1319, part west boundary of 1319 north boundary of 1317, 1316, 1315 up to touch the village road. After crossing the same road the line passes through the south boundary of plot numbers 603, 602, west of 602, east and north of 515. Again it passes through the part west boundary of plot number 517, south of 518, part east of 519, south of plot 519, west of 519. Then it passes along southwest of 521, 522, 523. Again the line cross through west of 523 north of 523 then it passes through north edge of plot number 524 east of 525 north of 525, 526 east of 527 north of 3242, 530 west of 530 then it passes north of 534 east of 535 north of 535, 468. Then it turns towards north along part east boundary of 3341 north of 3341, west of 3341, south of 3225. Then the same line touch the common village boundary of Kaniha and Patharmunda and turns towards north direction and proceeds along same village boundary up to bi-junction pillar of Kaniha Basti. Then the line passes along the south edge boundary of Kaniha Basti up to touch the Kaniha Jarada village road plot number 1148 up to point 'U'.
- UV: The line starts from point 'U' and turns towards north directions proceeds along the west side of Kaniha basti boundary up to east corner point of plot number 627 that is point 'V'.
- VW: The line starts from point 'V' and it passes through the north boundary of plot numbers 627, 625, 624, and 623, then it passes west boundary of plot numbers 635, 636, north boundary of 638, 640, 641, 642, 644, 646, 647, part of 648. Then passes west boundary of 648, 650, 651, 653, 654, 1650, north boundary of 742, northeast of 743 partly north of 750, 751, east of 752, north of 752, partly west of 752, again the same line passes through north boundary of 753, 754, 755, 770, 771, 772, 773, west boundary of 773, 768 and partly north west boundary of 1784. Then it passes through north of 777, west of 777, north of 779. Then the same line turns towards west direction along north boundary of plot numbers 792, 858, 857, and partly west of 857, north of 839, and west edge of 839 then it passes through partly west boundary of plot number 856, west of 852, 856, northwest boundary of 856. Then the line turns towards east direction along west boundary of plot number 856, South boundary of 865, 866, west boundary of plot number 869, south edge of plot number 868. Then the same line turns towards south direction along partly west boundary of 869 upto north edge of road and turns towards west direction and proceeds along north edge of same road up to bi-junction pillar of Gohiradanda RF and Kaniha village at point 'W'.

WL: Again the same line proceeds south direction along common village boundary of Kaniha and Gohiradanda RF and touches the bi-junction pillar of same village to close at point 'L'.

#### Boundary Description Block-B

KJ: The line starts from point 'K' which is situated on the common Boundary of village Jaipur and Kansamunda and common boundary at plot numbers 280 and 4003, then it proceeds towards west direction along the same common village boundary up to south west corner point number 3894 of village Kansamunda touches the point 'J'.

JL: The line starts from 'J' and it turns towards north direction. The line enter to the village Kansamunda and proceeds which touches the west boundary of plot numbers 3894, 3886, 3885, 3881, 3880 3879, 3874 up to Nala, then it turns towards south west direction and proceeds along the south edge of same Nala then it turns north direction and passes along the west boundary of plot nos. 3915, 3928, 3688, 4510, 4511, 4512 and upto south west corner of plot number 3615 then the same line turns towards north west direction and passes over west boundary plot number 4515 then it turns towards north direction and proceeds with crossing the road and proceeds along the west boundary of plot number 1959 upto north west corner of plot 1959. Next the same line turns towards east direction and passes over Northern boundary of plot number 1959 up to west corner of plot number 1957. Again the same line turns north east direction passes through west boundary of plot numbers 1957, 1962, 1963, 1887, 1828 and it touches the Kansamunda village road. Again the line diverts towards south west direction and proceeds along south edge of the same road then the line turns towards north direction and cross the same road and proceeds upto the edge of road then it turns towards east direction and passes north edge of the plot number 1827, then it turns towards north direction and goes through western edge of plot numbers 1823, 1824 upto Point-'I', which is situated on the north west common boundary point of plot numbers 1824 and 1814.

IH: The line starts from 'I' and proceeds towards east direction upto point south east corner of plot number 1817. Again it turns towards north direction and proceeds along the eastern boundary of plot number 1817 upto the plot number 1818. Again the line proceeds towards direction east along the boundary of plot numbers 1822, 1821 and upto south east corner of plot number 1785. Then line turns towards north direction and passes over west boundary of plot number 1872 upto north west corner of plot number 1782. Again it turns towards east direction and goes through northern edge of plot numbers 1782, 1781, 1780 and then it moves towards north direction and proceeds along parts west boundary of 1777 upto north west corner of 1777 again same line turns towards north east direction and passes through northern boundary of plot numbers 1777, 4698, 1775, 4701, 1773 and it turns south direction proceeds along east boundary of plot number 1773 reach upto point 'H'.

HK: The line starts from 'H' and proceeds towards south direction along west boundary of plot number 4708 and touch the Kansamunda village road, then it passes through partly northern boundary of plot number 1759 and passes through plot number 1759. Then it passes along the northern and partly western boundary of plot number 1682 and 1757, northern and western boundary of plot number 1751 partly western boundary of plot number 1752, northern and western boundary of plot number 1754, northern boundary of plot number 1741, northern and part western boundary of plot number 1740, northern and western boundary of plot number 1737, partly western boundary of plot number 1706, northern and western boundary of plot number 4412, western boundary of plot number 1707, partly northern boundary of plot number 1713, northern and western boundary of plot number 1726, part northern and western boundary of plot number 1721, western boundary of plot number 4577, northern and western boundary of plot number 4839, partly northern boundary of plot number 1974 and crosses the plot number 1974. Then it proceeds along the northern and partly western boundary of plot number 4060, partly northern boundary of plot number 3962. Eastern, northern and western boundary of plot number 3963, part western boundary of plot number 3962, western boundary of plot number 4615 and partly western boundary of plot numbers 4615 and 4055, northern boundary of plot numbers 4047 and 4046, Northern, western and partly southern boundary of plot number 4045 and partly western boundary of plot number 4050. Then the line moves along the northern and western boundary of plot number 4038, partly western boundary of plot number 4036, northern and western boundary of plot numbers 4024, 4026, west boundary of 4017, 4013, 4011, 4005 and 4004 and closes at Point 'K' on the common village boundary of village Kansamunda and Jaipur.

**Boundary Description Block-C**

AB: The line starts at point 'A' is the tri-junction pillar of village Jamania, Adaitaprasad, and Malapasi and proceeds towards south direction along common village boundary of village Malapasi and Jamania. Then the line touches the tri junction pillar of village Gundurinali, Jamania and Malapasi. The same line proceeds towards southeast direction along common village boundary of Gundurinali and Jamania and touches the west side of plot number 399 of village Jamania. Then it enter into village Gundurinali through northwest side of plot number 485 then it turns towards southeast direction along the boundary of same plot. After touching this point it turns towards southwest boundary of plot number 486. Again it turns and proceeds southeast direction along the boundary of above plot. Then the line moves towards southwest and proceeds along western boundary of plot number 973 and northern boundary of 972 and moves south direction along west boundary of plot numbers 972, 1064, 1066, 1068 and 1070. Again it turns towards east direction and passes through south side boundary of plot number 1070. Then the line turns towards south and passes west boundary of plot numbers 1074 and 1075. Again same line turns towards direction southeast and proceeds along the south boundary of plot numbers 1075 and 1838. After touching the common point of plot number 1838 and 1059. Next it proceeds towards east along south boundary of plot number 1059 and touches the village road again it turns towards south direction and proceeds west edge of same road upto end point of the road and turns towards east and passes upto its width. The same line moves towards northwest direction along east part edge of same road and reaches at northwest corner point of plot number 1796. Then it turns towards east direction along the South boundary of plot number 1795 upto east side common point of plot numbers 1795 and 1796. Again it turns south direction and proceeds through east boundary of plot numbers 1796 and 1797 then it turns towards west direction upto east common boundary point of plot Nos. 1797 and 1798 then it move towards south direction and proceeds along the east boundary of plot number 1798 again it turns towards west direction along the south boundary of same plot upto common point of plot numbers 1798 and 1800 again it turns towards south and proceeds along the part east boundary of plot number 1800 upto point 'B'.

BC: The line starts from Point 'B' which is situated at southwest side common point of plot number 1054 of village Gundurinali. Then the line passes through south boundary of plot number 1054 and reach upto common village boundary of Gundurinali and Chhelia and enters into village Chhelia along the south boundary of plot number 1826 of village Chhelia. Then it turns towards north direction along the east boundary same plot upto common point of plot numbers 1708 and 1826. Then it moves and proceeds through southern boundary of plot Nos. 1708, 16, 20, and 21 upto common point of 21 and 46. Again it turns towards direction south along west edge of plot numbers 46, 47 and south edge of 47 upto common point of plot numbers 47 and 48. Then it turns towards south direction and proceeds through southern boundary of plot numbers 61, 65, 64 and 74 upto common point of plot numbers 74 and 75. Again the line turns towards east direction and passes along southern boundary of plot number 74, then it turns and proceeds towards south east direction along west edge of plot number 1769 again it moves towards north east direction and proceeds along southern boundary of plot number 1769 upto south edge of plot number 139. Again it turns towards southeast direction proceeds along south edge of plot numbers 139, 137 upto starting point of plot number 135.

After crossing the width of plot number 137 the line moves towards northwest direction along the part east edge of plot number 137 and touches the common point plot numbers 137 and 248. Again it moves towards north direction along east edge of plot number 248 upto plot number 274. Again the line turns towards southeast direction and proceeds through south boundary of plot numbers 274, 1690, 276, 1662, 1473, 590, 545 and 543 and touches south corner of 543. Again it turns towards northeast direction and proceeds along western boundary of plot no. 488 and moves towards east direction along the southern boundary of plot numbers 542, 541, 501, 502, 504, 480, 441, 436, 420, 421, 422 upto west edge of Chhelia village road. Again the same line turns towards north direction and proceeds along the part western edge of the same road upto common point of plot number 995 and road. Then it turns towards east direction proceeds upto south corner of plot number 1199. Again it turns towards south direction and passes through western edge of plot numbers 1199, 1200 and 1483 upto southwest corner of 1483. Again it turns towards east direction and passes through south edge numbers 1483, 1484, 1201, 1202, 1203 and south boundary of 1363, 1207, 1364, 1681 part east of 1485, 1232, 1233, 1530, 1531, 1697, 1696, 1695, 1694, 1693, 1470, 1678, 1687, 1186 and 1184 and again it turns towards south east direction and proceeds along east edge of plot numbers 1318, 1319, 1320, 1321, 1322 and 1327 upto point 'C', which is situated at Tri-junction Pillar of Chhelia, Kaharmunda and Badatribida.

- CD: The line starts from point 'C' and proceeds towards north direction along east side edge of plot number 1171 that is the common village boundary of Chhelia and Kaharmunda, upto east corner of plot number 1170. Again the line turns towards northeast direction passes through same common village boundary upto Tri-junction Pillar of village Chhelia, Kaharmunda and Kamarei. Next the line proceeds towards north direction along common village boundary of Chhelia and Kamarei through the Trijunction pillar of village Chhelia, Kamarei and Matharagadi R.F. Again it extends in same direction along the common boundary of village Chhelia and Matharagadi R.F. and it touches point 'D', which is at turning point of common village boundary of Kamarei and Matharagadi R.F.
- DE: From Point 'D' the line starts and proceeds East direction along the common boundary of village Kamarei and Matharagadi R.F. upto Point 'E' which is East side boundary common point of same R.F.
- EF: The line starts from the point 'E' moves towards Northwest direction and proceeds along common boundary of village Kamarei and Matharagadi R. F. upto west corner of plot number 2550 of village Kamarei and again it turns towards northeast direction and passes through common village Boundary of Kamarei and Telisingha and cross Tri-junction Pillar of Telisingha, Kamarei and Dadasingha upto bi-junction pillar of Telisingha and Dadasingha. Again same line turns towards north direction proceeds along common village boundary of Dadasingha and Telisingha upto Tri-junction pillar of village Telisingha, Ambapal and Dadasingha. Again it proceeds in same direction along common village boundary of Telisingha and Ambapal upto Point 'F' which is situated on the same common boundary and north east corner point of plot number 2594 of village Telisingha.
- FG: The line starts from point 'F' proceeds west direction along the north boundary of plot number 2594 of village Telisingha again turns to south direction and proceeds along partly west boundary of same plot. Then it turns towards west direction along the northern boundary of plot numbers 817, 816, 815 and 813, upto north west corner of plot number 813. Then it moves towards south direction along the western boundary of plot No. 813 and 814. After reaching at south west corner of plot No. 814 again it turns to west direction and proceeds along the north boundary of plot numbers 837, 840 and 841. Again it turns towards south direction along the western boundary of plot number 840. Then it moves towards north west direction along the north boundary of plot numbers 844, 868, 869 and 870. Then it divert towards south west direction along the northern boundary of plot numbers 870, 871, 874, 876 and 880 upto south west corner of plot number 880. Again it turns towards west direction and proceeds along partly north boundary of plot number 881 upto east side of Telisingha village road. Again it turns towards south west direction and proceeds along the east edge of same village road upto plot numbers 2019. Again same line turns towards south west direction along the West boundary of plot numbers 2019, 2018, 2082, 2085 and 2087 to touch the southwest corner of plot number 2085. Again the line moves towards south east direction proceeds along the south boundary of 2085 up to south corner of plot number 2085. Again it turns and passes through west boundary of plot number 2087 to touch the common boundary point of 2087 and 2208. Again it moves towards west direction and passes along partly south boundary of 1912 and touch the north common boundary point of 1877 and 2208. Again it turns towards south direction and proceeds along east boundary of plot number 1877 to touches the south east corner of plot number 1877. Again it turns towards east direction and proceeds along north boundary of plot number 2631 upto common point of 2631 and 2207. Again it turns towards south direction and proceeds along east boundary of plot number 2211 and west boundary of 2218 upto road. After crossing the Telisingha village road the line move to south direction along east boundary of plot number 2255 to touch the point 'G', which is situated at common point of plot numbers 2255, 2254 and 2257.
- GA: The line starts from point 'G'. After crossing the village road of Telisingha the line moves towards west direction along north side of plot number 2259 upto north-west corner of same plot. Then it moves towards southwest direction along partly west side boundary of same plot. Then the line proceeds towards west direction along northern boundary of plot number 2266 and touch plot number 2269. Then turns towards south direction along west boundary of the plot number 2266 upto south-east corner of plot number 2269. It moves west direction along southern boundary of plot numbers 2269, 2270, 2271 and 1583 and reach at north-east corner of plot number 1580. The line turns towards south-west direction along eastern boundary of plot Nos. 1580 and 1581 and reach south east corner of plot number 1581. Next it turns towards west direction and proceeds through northern boundary of plot numbers 1582, 1575, 1576, 1574, 1570 and upto road. Again it turns towards south direction along the western edge of same road upto south corner of plot number 1562. Again it turns towards west direction and passes along north boundary of plot number 1533, 1534, 1535, 1481, 1498 and 1497 and touches the common village boundary of Telisingha and Jarada. Again it proceeds along the same direction then it enters in to village Jarada along the northern boundary of plot numbers 3785, 3777.

3775, 3774, 3767, 3768 of village Jarada. Next it turns towards south direction along the part west boundary of 3768 upto common boundary point of 3768 and 3751. Again it moves towards west direction and proceeds along the north boundary of 3751, 3754 and 3969 to touch east side of pond. Then it turns towards north direction and passes along partly eastern boundary of plot number 3748 (Embankment of pond) upto north-east corner of the same plot. Again the line moves towards west direction along the northern boundary of plot number 3747 (pond) upto north-west corner of 3746. Then the same line turns towards south direction to cover partly west boundary of same plot upto north-east corner of 3968. Again it turns towards west direction and proceeds along the south boundary of Jarada Basti and reach upto north-east corner of plot number 3313. The same line turns towards west direction and proceeds along northern boundary of plot number 3313, 3311, 3309 and 3307 and reach north-west corner of plot number 3306. Again the line moves towards north-west direction and proceeds along west boundary of plot number 3304, 3302, 3283, 3282, 3272 and 3271. Again the line proceeds towards west direction along the north boundary of plot number 1709, east of 1631, north of 1632, 1631, 1633, 1635, 1625, 1622, 1621, 1645, 1646, 1649, 1650, 1604, 1600, 1601, 1681, 1682 and 1683 upto common village boundary of Jarada and Jamania. Then the line moves towards north direction and proceed along same village boundary upto plot number 303 north-east corner of village Jamania. Then the line enters to Jamania village towards direction north-west and passes along north boundary of plot number 303, 302, 301, 300, 299. Again the line turns to direction north along the east boundary of plot number 298 then turn to west direction and proceeds along the north boundary of plot number 298, 297, 509, 286, 283, 588 upto 587. Next the line turns towards north direction and passes along the partly western boundary of plot number 276 upto common boundary corner of plot number 238 and 276. Then the same line moves towards north-west direction and passes along north boundary of plot number 238 then it crosses the existing Jamania village road and proceeds along the south edge of the same village road upto plot number 60. Then it turns towards south direction and proceeds along west boundary of plot number 60 then it moves towards west direction and passes along the south boundary of plot number 59, 57, 591. Then the same line turns towards north direction passes along part west boundary of 591 then it turns towards west direction and passes along south edge of plot number 51. Again it turns north direction along the same plot boundary then it turns towards west direction and proceeds along north boundary of plot number 53 upto common corner of plot number 50 and 53. Again it turns towards south direction along the east boundary of plot number 49 upto south-east corner of plot no. 49. Again moves towards west direction and proceeds along the southern boundary of plot number 49, 48, 43 and 42 upto south-west corner of plot number 42. Again the same line moves towards north direction along the point eastern boundary of plot no. 37 upto north-east corner of plot number 37. Then it turns towards west direction and proceeds along the southern boundary of plot number 41, 40, 7, 39. The same line proceeds along south boundary of 39, part east of 29, south of 29 part west of 29, south of 27, part west of 27, south of 26, 25 and west of 25 to touch the edge of road and turns towards west direction along the south edge of same road to close at point 'A'.

[F. No. 43015/11/2005-PRIW-I (Vol. II)]  
M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

का. आ. 2334.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यु. पाइप लाइन "मोरी # 12 से मोरी # 11 से अठावीपार्लेम # 1 जी.सी.एस." तक पेट्रोलियम के लिये कड़प लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यशर्त कि उक्त भूमि में हितबन्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप रखन प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रमाण राजामन्दि एसटके.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावरी भवन, राजामन्दि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुझाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : "मोरी # 12 से मोरी # 11 से अडावीपालेम # 1 जी.सी.एस." "

राज्य : आंध्र प्रदेश		मंडल : मालीकीपुरम			
जिला : पूर्व गोदावरी		गांव : संकारगुप्तम			
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेएस	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
542(GP)	0	31	0	0	77
546(GP)	0	27	0	0	67
547/1A	0	01	0	0	03
547/2A	0	00	5	0	01
547/2B	0	01	0	0	02
547/2C	0	00	5	0	01
547/3A	0	02	0	0	05
547/2D	0	01	5	0	04
547/4A	0	02	0	0	05
547/5A	0	02	0	0	05
547/6A	0	06	0	0	15
560/6A	0	05	0	0	12
549(GP)	0	14	0	0	34
561/5A	0	01	5	0	04
560/1A	0	03	0	0	07
557/17B	0	10	0	0	25
559/1A	0	01	5	0	04
557/2A	0	03	5	0	09
559/2B	0	01	0	0	03
550/2	0	30	5	0	75
558/2	0	18	5	0	41
Total :	1	61	5	3	99

राज्य : आंध्र प्रदेश		मंडल : मालीकीपुरम			
जिला : पूर्व गोदावरी		गांव : इरुसुमंडा			
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेएस	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
11	0	05	0	0	12
12/11B, 12/2B	0	0	21	0	52
8/3B	0	18	0	0	44
23/4B	0	18	0	0	45
27/4B	0	07	5	0	18
41/10A	0	00	5	0	01
41/1B	0	10	5	0	28
41/2	0	01	0	0	03
41/5A	0	01	0	0	02
42/1B, 42/2B	0	48	0	1	18
40/1B	0	04	0	0	10
39/1A, 39/2A	0	01	0	0	03
13/1B	0	27	5	0	68
13/2A	0	00	5	0	01
14/2	0	05	0	0	12
22/1B	0	21	0	0	52
22/2A	0	00	5	0	01
50/2B	0	18	5	0	38

1	2	3	4	5	6
51/5B	0	17	0	0	42
29/2	0	03	0	0	07
48/2	0	05	0	0	12
49/4B	0	04	5	0	11
50/2C	0	14	0	0	35
52/2	0	02	5	0	06
53/4B	0	02	5	0	07
53/5B	0	17	5	0	44
53/13A	0	00	5	0	01
53/14B	0	04	0	0	10
53/16B	0	02	5	0	06
53/15B	0	00	5	0	01
53/16C	0	05	5	0	14
53/17C	0	02	0	0	05
53/17B	0	02	5	0	06
55/2	0	02	0	0	05
56/4A	0	05	5	0	14
56/5B	0	06	0	0	15
56/6B	0	06	5	0	16
56/9B	0	06	5	0	16
56/16A	0	06	5	0	16
56/16B	0	06	5	0	16
57/1B	0	06	0	0	15
57/3B	0	06	0	0	15
64/1B	0	02	5	0	07
64/1C	0	08	5	0	22
82/2	0	04	0	0	10
84/B2	0	13	0	0	32
107/2D	0	04	0	0	10
80/B1B	0	06	0	0	15
107/2B	0	14	0	0	34
108/2A	0	00	5	0	01
80/2B	0	05	0	0	12
80/2C	0	04	5	0	11
74/4B	0	10	5	0	26
74/4E	0	01	0	0	03
74/4D	0	06	0	0	15
74/4F	0	10	5	0	26
74/12B	0	05	5	0	14
74/13B	0	08	0	0	20
74/14A	0	04	0	0	10
74/14B	0	14	0	0	34
74/15B	0	10	5	0	26
107/2B	0	05	0	0	12
107/2C	0	05	5	0	13
108/3A	0	04	5	0	11
106/2	0	04	0	0	10
105/1	0	06	5	0	16
112/1A	0	01	0	0	03
112/2A	0	07	0	0	17
112/3A	0	01	5	0	04
104/2	0	28	5	0	70
113/1A	0	03	0	0	08
113/2A	0	05	5	0	14
Total :	5	46	0	13	49



राज्य : आंध्र प्रदेश  
जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : राजोल  
गांव : चीतालापाल्ली

आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
259/2B	0	05	5	0	13
258/4B	0	27	0	0	67
258/2B	0	05	0	0	12
258/4B	0	27	0	0	67
263/1A	0	04	0	0	10
264/2B	0	09	0	0	23
264/1A	0	08	0	0	20
264/1B	0	08	5	0	22
264/2A	0	07	0	0	17
267/1B	0	10	0	0	25
267/4B	0	10	0	0	25
267/5B	0	07	0	0	17
226/2B	0	02	0	0	05
226/3B	0	02	0	0	05
227/1B	0	09	0	0	23
227/2B	0	05	5	0	13
227/3A	0	03	5	0	09
221/2	0	02	0	0	05
227/4B	0	02	0	0	05
227/5A	0	06	5	0	16
227/6A	0	04	5	0	11
227/7B	0	03	5	0	09
227/7C	0	05	0	0	12
227/7D	0	03	5	0	09
226/1B	0	07	0	0	17
226/1C	0	06	5	0	16
226/4B	0	02	0	0	05
226/5B	0	02	0	0	05
226/8A2	0	04	0	0	10
226/8B2	0	08	0	0	08
204/1B	0	12	5	0	31
205/2B	0	13	0	0	32
205/3B	0	06	5	0	16
205/3C	0	05	5	0	13
203/8B(GP)	0	01	0	0	03
203/3B	0	07	5	0	19
203/4B	0	08	0	0	20
203/6B	0	05	5	0	14
191/1B	0	13	5	0	33

1	2	3	4	5	6
192/8B	0	12	5	0	31
193/2 (GP)	0	02	0	0	05
189/6B	0	14	5	0	36
185/2	0	10	0	0	25
186/2	0	14	0	0	35
186/3	0	29	0	0	72
316/2(GP)	0	02	0	0	05
333/2C2	0	13	5	0	33
332/2	0	05	0	0	12
335/1B	0	16	0	0	40
335/1C	0	11	0	0	27
335/1D	0	13	5	0	33
335/2B	0	28	5	0	70
220/5B	0	05	0	0	12
Total :	4	52	5	11	18

[फ. सं. 12016/6/2009-ओएनजीडी-3]

एस.एम. सुन्दरम, अवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 17th August, 2009

**S. O. 2334.**—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from “Mori—12 to Mori—11 to Adavipalem # 1 GCS” in the state of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of user in the land described in the schedule annexed here to :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of user therein :

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for, laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

## ROU Pipeline from Mori—12 to Mori—11 to Adavipalem GCS

State : Andhra Pradesh		Mandal : Malikipuram			
District : East Godavari		Village : Sankaraguptam			
R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
542(GP)	0	31	0	0	77
546(GP)	0	27	0	0	67
547/1A	0	01	0	0	03
547/2A	0	00	5	0	01
547/2B	0	01	0	0	02
547/2C	0	00	5	0	01
547/3A	0	02	0	0	05
547/2D	0	01	5	0	04

1	2	3	4	5	6
547/4A	0	02	0	0	05
547/5A	0	02	0	0	05
547/6A	0	06	0	0	15
560/6A	0	05	0	0	12
549(GP)	0	14	0	0	34
561/5A	0	01	5	0	04
560/1A	0	03	0	0	07
577/17B	0	10	0	0	25
559/1A	0	01	5	0	04
557/2A	0	03	5	0	09
559/2B	0	01	0	0	03
550/2	0	30	5	0	75
558/2	0	18	5	0	41
Total :	1	61	5	3	99

State : Andhra Pradesh  
District : East Godavari

Mandal : Malikipuram  
Village : Erusumanda

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
11	0	05	0	0	12
12/11B, 12/2B	0	0	21	0	52
8/3B	0	18	0	0	44
23/4B	0	18	0	0	45
27/4B	0	07	5	0	18
41/10A	0	00	5	0	01
41/1B	0	10	5	0	28
41/2	0	01	0	0	03
41/5A	0	01	0	0	02
42/1B, 42/2B	0	48	0	1	18
40/1B	0	04	0	0	20
39/1A, 39/2A	0	01	0	0	03
13/1B	0	27	5	0	65
13/2A	0	00	5	0	01
14/2	0	05	0	0	12
22/1B	0	21	0	0	52
22/2A	0	00	5	0	01
50/2B	0	18	5	0	38
51/5B	0	17	0	0	42
29/2	0	03	0	0	07
48/2	0	05	0	0	12
49/4B	0	04	5	0	11
50/2C	0	14	0	0	35
52/2	0	02	5	0	06
53/4B	0	02	5	0	07
53/5B	0	17	5	0	44
53/13A	0	00	5	0	01
53/14B	0	04	0	0	10
53/16B	0	02	5	0	06
53/15B	0	00	5	0	01
53/16C	0	05	5	0	14
53/17C	0	02	0	0	05
53/17B	0	02	5	0	06

1	2	3	4	5	6
55/2	0	02	0	0	05
56/4A	0	05	5	0	14
56/5B	0	06	0	0	15
56/6B	0	06	5	0	16
56/9B	0	06	5	0	16
56/16A	0	06	5	0	16
56/16B	0	06	5	0	16
57/1B	0	06	0	0	15
57/3B	0	06	0	0	15
64/1B	0	02	5	0	07
64/1C	0	08	5	0	22
82/2	0	04	0	0	10
84/B2	0	13	0	0	32
107/2D	0	04	0	0	10
80/B1B	0	06	0	0	15
107/2B	0	14	0	0	34
108/2A	0	00	5	0	01
80/2B	0	05	0	0	12
80/2C	0	04	5	0	11
74/4B	0	10	5	0	26
74/4E	0	01	0	0	03
74/4D	0	06	0	0	15
74/4F	0	10	5	0	26
74/12B	0	05	5	0	14
74/13B	0	08	0	0	20
74/14A	0	04	0	0	10
74/14B	0	14	0	0	34
74/15B	0	10	5	0	26
107/2B	0	05	0	0	12
107/2C	0	05	5	0	13
108/3A	0	04	5	0	11
106/2	0	04	0	0	10
105/1	0	06	5	0	16
112/1A	0	01	0	0	03
112/2A	0	07	0	0	17
112/3A	0	01	5	0	04
104/2	0	28	5	0	70
113/1A	0	03	0	0	08
113/2A	0	05	5	0	14
Total :	5	46	0	13	49

State : Andhra Pradesh  
District : East Godavari

Mandal : Razole  
Village : Chintalapalli

R.S.No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
259/2B	0	05	5	0	13
258/4B	0	27	0	0	67
258/2B	0	05	0	0	12
258/4B	0	27	0	0	67
263/1A	0	04	0	0	10
264/2B	0	09	0	0	23
264/1A	0	08	0	0	20

1	2	3	4	5	6
264/1B	0	08	5	0	22
264/2A	0	07	0	0	17
267/1B	0	10	0	0	25
267/4B	0	10	0	0	25
267/5B	0	07	0	0	17
226/2B	0	02	0	0	05
226/3B	0	02	0	0	05
227/1B	0	09	0	0	23
227/2B	0	05	5	0	13
227/3A	0	03	5	0	09
221/2	0	02	0	0	05
227/4B	0	02	0	0	05
227/5A	0	06	5	0	16
227/6A	0	04	5	0	11
227/7B	0	03	5	0	09
227/7C	0	05	0	0	12
227/7D	0	03	5	0	09
226/1B	0	07	0	0	17
226/1C	0	06	5	0	16
226/4B	0	02	0	0	05
226/5B	0	02	0	0	05
226/8A2	0	04	0	0	10
226/8B2	0	08	0	0	08
204/1B	0	12	5	0	31
205/2B	0	13	0	0	32
205/3B	0	06	5	0	16
205/3C	0	05	5	0	13
203/8B(GP)	0	01	0	0	03
203/3B	0	07	5	0	19
203/4B	0	08	0	0	20
203/6B	0	05	5	0	14
191/1B	0	13	5	0	33
192/8F	0	12	5	0	31
193/2(GP)	0	02	0	0	05
189/6B	0	14	5	0	36
185/2	0	10	0	0	25
186/2	0	14	0	0	35
186/3	0	29	0	0	72
316/2(GP)	0	02	0	0	05
333/2C2	0	13	5	0	33
332/2	0	05	0	0	12
335/1B	0	16	0	0	40
335/1C	0	11	0	0	27
335/1D	0	13	5	0	33
335/2B	0	28	5	0	70
220/5B	0	05	0	0	12
Total :	4	52	5	11	18

[No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S.M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

का. आ. 2335.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन “के. एस.पी. (पश्चिम) # 2 से केसानापाल्ली (पश्चिम) जी.सी.एस” तक पेट्रोलियम के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजामंदि एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावारी भवन, राजामंदि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : “के. एस.पी. (पश्चिम) # 2 से केसानापाल्ली (पश्चिम) जी.सी.एस”

राज्य : आंध्र प्रदेश	मंडल : मालीकीपुरम				
जिले : पूर्व गोदावारी	गांव : केसानापाल्ली				
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
568/2c2	0	11	5	0	28
568/2c1	0	04	0	0	10
568/2b3	0	04	0	0	10
568/2b4	0	04	0	0	10
567/2b	0	09	0	0	22
567/2a3	0	05	0	0	14
567/2a2	0	01	5	0	04
567/2a1	0	09	0	0	22
562/1a	0	17	5	0	43
562/1b	0	17	5	0	43
562/1c, 1d	0	17	5	0	43
559/2c1	0	18	0	0	45
559/2c2	0	24	0	0	59
562/1e	0	01	5	0	04
566/1a	0	01	0	0	03
566/1b	0	02	0	0	05
559/2b	0	18	0	0	44
559/2a1	0	22	5	0	56
559/2a2	0	11	5	0	29
557/4p	0	00	5	0	01
558/p	0	48	0	1	18
532/2	0	06	0	0	15
489/2a2	0	03	0	0	08
489/1b	0	02	5	0	06
TOTAL	2	60	0	6	42

[फा. सं. 12016/6/2009-ओएनजी सी-3]

एस. एम. सुन्दरम, अवर सचिव

New Delhi, the 17th August, 2009

**S.O. 2335.**—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from “KSP (W) # 2 to Kesanapalli (W) GCS” in the state of Andhra Pradesh, in pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of user in the land described in the schedule annexed here to :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of user therein :

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for, laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K. G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

**SCHEDULE****ROU Pipe line from “KSP (W) # 2 to Kesanapalli (W) GCS”**

State : Andhra Pradesh		Mandal : Malikipuram			
District : East Godavari		Village : Kesanapalli			
R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
568/2c2	0	11	5	0	28
568/2c1	0	04	0	0	10
568/2b3	0	04	0	0	10
568/2b4	0	04	0	0	10
567/2b	0	09	0	0	22
567/2a3	0	05	0	0	14
567/2a2	0	01	5	0	04
567/2a1	0	09	0	0	22
562/1a	0	17	5	0	43
562/1b	0	17	5	0	43
562/1c, 1d	0	17	5	0	43
559/2c1	0	18	0	0	45
559/2c2	0	24	0	0	59
562/1e	0	01	5	0	04
566/1a	0	01	0	0	03
566/1b	0	02	0	0	05
559/2b	0	18	0	0	44
559/2a1	0	22	5	0	56
559/2a2	0	11	5	0	29
557/4p	0	00	5	0	01
558/p	0	48	0	1	18
532/2	0	06	0	0	15
489/2a2	0	03	0	0	08
489/1b	0	02	5	0	06
<b>TOTAL</b>	<b>2</b>	<b>60</b>	<b>0</b>	<b>6</b>	<b>42</b>

[F. No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S. M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

का. आ. 2336.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन "जी.एम.डी.ए., जी.एम.डी.बी, जी.एम.डी.डी., जी.एम.डी.ई., एवं जी.एम.डी.एफ.. से जी.एम.ए.ए." तक पेट्रोलियम के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजामन्दि एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावारि भवन, राजामन्दि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : "जी.एम.डी.ए., जी.एम.डी.बी, जी.एम.डी.डी., जी.एम.डी.ई., एवं जी.एम.डी.एफ.. से जी.एम.ए.ए."

राज्य : आंध्र प्रदेश			मंडल : उप्पालागुप्तम		
जिले : पूर्व गोदावारि			गांव : चल्लापाल्ली		
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
761/11p	0	02	5	0	07
761/13p	0	02	0	0	05
665/3p	0	13	5	0	33
665/3p	0	06	0	0	15
666/p	0	01	0	0	03
TOTAL	0	25	5	0	63

[फा. सं. 12016/6/2009-ओ एन जी डी-3]

एस. एम. सुन्दरम, अवर सचिव

New Delhi, the 17th August, 2009

S.O. 2336.—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from "GMDA, GMDB, GMDD, GMDE & GMDF to GMAA" in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for, laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K. G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.



## SCHEDULE

## ROU Pipe line from "GMDA, GMDB, GMDD, GMDE &amp; GMDF to GMAA"

State : Andhra Pradesh  
District : East Godavari

Mandal : Uppalaguptam  
Village : Challapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
761/11p	0	02	5	0	07
761/13p	0	02	0	0	05
665/3p	0	13	5	0	33
665/3p	0	06	0	0	15
666/p	0	01	0	0	03
TOTAL	0	25	5	0	63

[F.No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S. M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

का. आ. 2337.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन "जी.एम.ए.जी. से जी.एम.ए.ए." तक पेट्रोलियम के लिये पाइप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजामन्दि एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावारि भवन, राजामन्दि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : "जी.एम.ए.जी. से जी.एम.ए.ए."

राज्य : आंध्र प्रदेश	मंडल : उप्पालागुप्तम				
जिला : पूर्व गोदावारि	गांव : गोपावाराम				
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
204/3p1	0	06	5	0	16
204/3p2	0	02	5	0	06
203/p	0	01	0	0	02
205/p(GP)	0	01	5	0	04
200/p	0	07	5	0	19
198/p	0	05	5	0	13
197/1p	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6
197/2p1	0	01	5	0	04
197/2p2	0	03	0	0	08
196/2p1	0	01	0	0	03
196/2p2	0	03	0	0	08
196/2p3	0	03	0	0	08
196/4p	0	03	5	0	09
196/3p	0	01	5	0	04
193/p	0	05	0	0	12
194/p (GP)	0	02	5	0	07
TOTAL	0	53	0	1	31

राज्य : आंध्र प्रदेश  
जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : राजमहल  
गांव : चेल्लापल्ली

640/p (GP)	0	01	0	0	03
641/1p	0	05	5	0	13
641/3p	0	05	0	0	12
641/4p	0	04	0	0	10
641/10p	0	04	0	0	10
642/2/1p	0	04	0	0	10
642/2/2p	0	03	5	0	09
642/2/3p	0	03	5	0	09
642/2/4p	0	02	5	0	07
650/1p	0	09	5	0	24
651/p	0	16	0	0	40
TOTAL	0	59	5	1	47

[च. सं. 12016/6/2009-ओएनजीडी-3]

एस. एम. सुन्दरन, ज्य. सचिव

New Delhi, the 17th August, 2009

S.O. 2337.—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from “GMAG to GMAA” in the state of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the Land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for, laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

## SCHEDULE

## ROU Pipeline from "GMAG to GMAA"

State : Andhra Pradesh  
District : East Godavari

Mandal : Uppalaguptam  
Village : Gopavaram

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
204/3p1	0	06	5	0	16
204/3p2	0	02	5	0	06
203/p	0	01	0	0	02
205/p (GP)	0	01	5	0	04
200/p	0	07	5	0	19
198/p	0	05	5	0	13
197/1p	0	03	0	0	08
197/2p1	0	01	5	0	04
197/2p2	0	03	0	0	08
196/2p1	0	01	0	0	03
196/2p2	0	03	0	0	08
196/2p3	0	03	0	0	08
196/4p	0	03	5	0	09
196/3p	0	01	5	0	04
193/p	0	05	0	0	12
194/p (GP)	0	02	5	0	07
TOTAL	0	53	0	1	31

State : Andhra Pradesh  
District : East Godavari

Mandal : Uppalaguptam  
Village : Challapalli

640/p (GP)	0	01	0	0	03
641/1p	0	05	5	0	13
641/3p	0	05	0	0	12
641/4p	0	04	0	0	10
641/10p	0	04	0	0	10
642/2/1p	0	04	0	0	10
642/2/2p	0	03	5	0	09
642/2/3p	0	03	5	0	09
642/2/4p	0	02	5	0	07
650/1p	0	09	5	0	24
651/p	0	16	0	0	40
TOTAL	0	59	5	1	47

[F. No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S. M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

क्र. अ. 2338. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यु. पाइप लाइन "पी.एस.डी.ए. से ताटीपक्क जी.सी.एस. (IC पी.एस.पी. # 23 और 37)" तक पेट्रोलियम के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमन्दि एस्टेट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावरी भवन, राजमन्दि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाईन : "पी.एस.डी.असई. ( पी. एस. पी. # 11 ) से ताटीपाका जी.सी.एस. (I/C पी.एस.पी. # 23 और 37) "

राज्य : आंध्र प्रदेश		मंडल : मामीडीकुदुर			
जिले : पूर्व गोदावरी		गांव : पासरलापुडी			
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
242/2p	0	01	0	0	03
242/3p	0	01	0	0	03
242/2B p	0	03	5	0	09
240/2B p	0	05	5	0	13
240/2A p	0	04	5	0	12
240/1A p	0	07	5	0	18
240/1A p	0	10	0	0	25
239/p	0	02	0	0	05
238/1 p	0	07	5	0	19
237/p	0	03	5	0	09
238/3 p	0	02	5	0	07
238/4 p	0	00	5	0	01
TOTAL	0	50	0	1	24

[ फ़. सं. 12016/6/2009-ओएनजी डी-3 ]

एस. एम. सुन्दरम, अवर सचिव

New Delhi, the 17th August, 2009

S.O. 2338.—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from "PSDI (PSP # 11) cluster well to Tatipaka GCS (Inter connection at PSP # 23 & 37)" in the state of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of user in the land described in the schedule annexed here to;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K. G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

## SCHEDULE

ROU Pipe line from "PSDI (PSP # 11) to Tatipaka GCS (Inter connection at PSP # 23 &amp; 37) "

State : Andhra Pradesh  
District : East GodavariMandal : Mamidikuduru  
Village : Pasarlupudi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
242/2p	0	01	0	0	03
242/3p	0	01	0	0	03
242/2B p	0	03	5	0	09
240/2B p	0	05	5	0	13
240/2A p	0	04	5	0	12
240/1A p	0	07	5	0	18
240/1A p	0	10	0	0	25
239/p	0	02	0	0	05
238/1 p	0	07	5	0	19
237/p	0	03	5	0	09
238/3 p	0	02	5	0	07
238/4 p	0	00	5	0	01
<b>TOTAL</b>	<b>0</b>	<b>50</b>	<b>0</b>	<b>1</b>	<b>24</b>

[F.No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S. M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2009

का. आ. 2339. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन "पी.एस.ए.एस. से पी.एस.पी. # 32 (पी.एस.ए.ओ.)" तक पेट्रोलियम के लिये पाइप लाइन-तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजामन्दि एस&के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी., गोदावरी भवन, राजामन्दि, आंध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : "पी.एस.ए.एस. से पी.एस.पी. # 32 ( पी.एस.ए.ओ. )"

राज्य : आंध्र प्रदेश  
जिला : पूर्व गोदावरीमंडल : मामीडिकुदुरु  
गांव : पासरलापुडी

आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेएस	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
338/IC	0	01	5	0	04
338/IE	0	03	0	0	08
338/ID	0	02	0	0	05
338/1A	0	01	0	0	03
329/p	0	01	5	0	04
328/1Dp	0	06	0	0	15

1	2	3	4	5	6
328/1Cp	0	02	5	0	07
328/1Bp	0	02	5	0	07
328/2A	0	01	0	0	03
328/2B	0	01	0	0	02
328/3A	0	03	0	0	08
328/3Bp 1	0	01	5	0	04
328/3Bp 2	0	01	5	0	04
328/3Bp 3	0	01	5	0	04
327/p	0	08	0	0	20
327/p	0	12	0	0	30
319/p	0	01	0	0	02
320/p	0	00	5	0	01
317/1A	0	04	5	0	11
317/2A	0	11	5	0	29
317/2B	0	06	0	0	15
317/3A	0	06	5	0	16
330/p	0	01	0	0	03
331/p	0	04	0	0	10
308/1E 2	0	01	0	0	02
308/4p	0	03	0	0	08
308/1E 1	0	01	0	0	02
308/3 p	0	04	5	0	11
<b>TOTAL</b>	<b>0</b>	<b>96</b>	<b>5</b>	<b>2</b>	<b>38</b>

[फ. सं. 12016/6/2009-ओएनजीडी-3]

एस. एम. सुन्दरम, अवर सचिव

New Delhi, the 17th August, 2009

**S. O. 2339.**—Whereas it appears to the Government of India that it is necessary in public interest that for the transportation of petroleum from "PSAS to PSP # 32 (PSAO)" in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears to the Government of India that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the Land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Any person interested in the said land may, within twenty one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for, laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

**SCHEDULE****ROU Pipe line from "PSAS to PSP # 32 (PSAO)"**

State : Andhra Pradesh		Mandal : Mamidikuduru			
District : East Godavari		Village : Pasarlupudi			
R.S. No.	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
338/1C	0	01	5	0	04
338/1E	0	03	0	0	08
338/1D	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6
338/1A	0	01	0	0	03
329/p	0	01	5	0	04
328/1Dp	0	06	0	0	15
328/1Cp	0	02	5	0	07
328/1Bp	0	02	5	0	07
328/2A	0	01	0	0	03
328/2B	0	01	0	0	02
328/3A	0	03	0	0	08
328/3Bp1	0	01	5	0	04
328/3Bp2	0	01	5	0	04
328/3Bp3	0	01	5	0	04
327/p	0	08	0	0	20
327/p	0	12	0	0	30
319/p	0	01	0	0	02
320/p	0	00	5	0	01
317/1A	0	04	5	0	11
317/2A	0	11	5	0	29
317/2B	0	06	0	0	15
317/3A	0	06	5	0	16
330/p	0	01	0	0	03
331/p	0	04	0	0	10
308/1E2	0	01	0	0	02
308/4p	0	03	0	0	08
308/1E1	0	01	0	0	02
308/3p	0	04	5	0	11
TOTAL	0	96	5	2	38

[F No. 12016/6/2009-ONGD-III]

S. M. SUNDARAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 2009

का.आ. 2340.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में, तारीख 13 जून, 2009 को प्रकाशित, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1654 तारीख 09 जून, 2009 में निम्नलिखित रूप से संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के स्तम्भ 1 में, “श्रीमति राजिया बेगम, स्पेशल डेपुटी कलेक्टर”, शब्दों के स्थान पर “श्री एम. बाबैआ, डेपुटी कलेक्टर”, शब्द रखे जाएंगे।

[सं. आर-25011/10/2006-ओआर-1]

बी. के. दत्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 24th August, 2009

S. O. 2340.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas Number S.O. 1654 dated the 09th June, 2009, published in the Gazette of India on the 13th June, 2009, namely :—

In the said notification, in the Schedule, in column 1, for the words, “Smt. Razia Begum, Special Deputy Collector”, the words, “Shri M. Babaiah, Deputy Collector”, shall be substituted.

[No. R-25011/10/2006-OR-1]

B. K. DATTA, Under Secy.

**श्रम एवं रोजगार मंत्रालय**

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2009

का.आ 2341.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 185/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/312/97-आई आर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

**MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT**

New Delhi, the 30th July, 2009

S.O. 2341.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 185/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of India and their workmen, received by the Central Government on 30-7-2009.

[No. L-12012/312/97-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR  
SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL  
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT-1, CHANDIGARH**

Case No. I.D. 185/98

The General Secretary, S.B.I. Staff Congress, House  
No: 1304, Sector 23/B, Chandigarh-160017.

.....Applicant

Versus

The Asst. General Manager, State Bank of India,  
Region IV, Sector 17, Chandigarh-160017.

.....Respondent

**APPEARANCES**

For the Workman : Sh. Raj Koshik

For the Management : Sh. Ashok Phullar

**AWARD**

Passed on 22-7-2009

The Government of India by exercising its powers  
under Section 10 of the Industrial Disputes Act (the Act in

short), vide notification No. L-12012/312/97-IR (B-1) Dated 20-8-1998, referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal :-

"Whether the action of Asstt. General Manager, State Bank of India, Region IV, Chandigarh in denying duties and allowances of Teller to Shri Charanjit Singh, Clerk at Dhanualla Branch of State Bank of India and instead allowing the same to his junior is fair and just? If not, to what relief the workman is entitled to and from which date?"

The nature of reference referred to this Tribunal is relating to the transfer of Shri Charanjit Singh to Dhanualla branch of State Bank of India and denying him to work on an allowance of Teller. In statement of claim other issues have also been raised by the workman, but this tribunal has to confined itself for adjudication of the issue referred by the Central Government.

On perusal of the pleadings and evidence of the parties, it is evident that the workman was transferred to Dhanualla Branch, State Bank of India where his junior was already discharging the function of teller and getting allowances as such. The workman represented number of times that his seniority should be honored, and instead of his junior, he should be entrusted the responsibility of teller and paid teller allowances. The workman has referred para no. 529 of Shastri Award and alleged that failure of the management of State Bank of India for entrusting the duties and paying the teller allowance is violation of this para.

The management of bank appeared and contested the issue of teller allowance. It is contended by the bank that a teller is appointed after considering the existing seniority of the region for the time such appointment is made. If, any workman is transferred, thereafter, to that region, he cannot claim on the basis of his seniority to be appointed as teller.

The concern paras of Shastri Award regarding teller are 402, 403, 404, 405 and 406. The para 529 of Shastri Award referred by the workman is relating to the general seniority of a workman. It has no concern and nexus with the appointment of any workman as teller. Under above mentioned paras of Shastri Award detailed procedure has been given for appointment of teller, training and special allowance for teller. Para 402 of Shastri awards reads as under :-

"Teller will be appointed from amongst the clerical/cash department staff, as and when any vacancy arises on the basis of collective city seniority, if there are more than one branch in that city."

The plain reading of this para make it clear that on any vacancy, teller will be appointed on the basis of collective city seniority and not on the seniority of any branch. After appointment of a teller a training programme has been made mandatory by para 404 of Shastri Award.



The maintenance of seniority has also been mentioned in para 402 itself. The cumulative effect of the provisions of above mentioned para is that when any vacancy exists in any branch the teller shall be appointed on the basis of seniority of the District in which branch is situated and not the seniority of the branch where the vacancy exists. Thus, it is the seniority of the district at the time when vacancy exists which is to be considered for the appointment of a teller. If any workman has transferred to that District in any of the branch, may be to the branch in which teller was appointed, his seniority has no concern with the teller already appointed by the bank. The teller is appointed for a specific purpose and bank has made it mandatory for a training programme to discharge the function of a teller efficiently. The person so appointed as teller is properly trained and his discharging the duties as such, he becomes eligible to teller allowance. The workman was not working in Dhanuala branch and in district at the time of appointment a teller at Dhanuala branch. The appointment was made on the bases of District seniority for the time, the appointment of teller was made.

The person appointed in that particular branch was trained for that specific purpose of teller and just because of the fact that workman was thereafter transferred to that branch and is senior to him, he cannot claim to be appointed as teller at his place. Thus, there is no force in the reference and reference is answered with the finding that workman is not entitle for his appointment as tailor and getting the teller allowance as such.

Let Central Government be informed for publication of the award and thereafter, file be consigned.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2009

का.आ 2342.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध निरोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 53/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/121/98-आई आर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th July, 2009

S.O. 2342.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 53/99) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Kshetriya Gramin Bank and their workmen, received by the Central Government on 30-7-2009.

[No. L-12012/121/98-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/53/99

Presiding Officer : Shri Mohd. Shakir Hasan

Shri Lal Singh Choudhary,  
Vill-Khari, PO-Mutkuli,  
Tehsil-Piparia,  
Hoshangabad

.....Workman/Union

Versus

Chairman,  
Kshetriya Gramin Bank,  
Head Office, Mangalwara,  
Hoshangabad

.....Management

## AWARD

Passed on this 13th day of July, 2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/121/98-IR (B-1) dated 6-1-99 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the management of Chairman, Kshetriya Gramin Bank in terminating the services of Shri Lal Singh Choudhary w.e.f. 8-1-87 is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?”

2. the case of the workman, in short is that he was appointed by the management Bank as Part-time peon on daily wages @ Rs. 7.50 per day on 10-11-1983 and joined at Piparia branch office. It is stated that on his appointment, PF Contribution was deducted from his salary and PF A/c No. 3243/370 was allotted. It is stated that on 19-9-1986, a case of embezzlement of Rs. 50,000 was lodged at Piparia Police Station and number of staffs were made accused including the workman. Thereafter, he was taken into custody on 10-1-1987 and was released on bail after three months. He then approached the management Bank to join his duties but he was not allowed to join as the criminal case No. 157/87 was pending before Shri R. K. Nagpure, Judicial Magistrate, First Class, Piparia. It is stated that after trial he was acquitted in the case on 5-6-95. The workman is said to have submitted application on 4-8-95 to join his duties. Thereafter a reminder dated 10-2-96 was given by him but the management bank neither replied nor permitted him to join his duties. It is alleged that the management has illegally terminated him from the service. It is stated that there is relationship of employer and employee between the management and the workman under the provision of Industrial dispute Act, 1947. He has worked continuously more than 240 days in a calendar year and he was retrenched without adopting the provision of Sec-25-F of the I.D. Act. The workman claims to be reinstated with back wages.

3. The non-applicant appeared and contested the case by filing written statement. The case of the non-applicant, inter alia, is that the workman was engaged as daily wages worker (part time peon) therefore the rules and regulations of Bank's service does not apply and the question to initiate any departmental enquiry does not arise. It is admitted that an amount of Rs. 50,000 was misappropriated on 19-9-86 in the Piparia Branch of the non-applicant and a police case was instituted in which the workman was in custody. Later the prosecution failed to prove the charges against the workman and other accused persons and they were acquitted by the judicial Magistrate in case No. 157/87. He was not a permanent employee and as such he was not allowed the benefit of reinstatement as in case of Hargovind Sahu who was permanent employee of the Bank. It is stated that the workman never approached from May, 87 to 3-8-95 for re-appointment and approached in the Bank on 4-8-95 and on 10-2-96 for re-engagement in service. His application was not considered as part time peon was not required.

4. On the pleadings of the parties, the following issues are for adjudication-

(i) Whether the action of the management Bank in terminating the services of Shri Lal Singh Choudhary w.e.f. 8-1-87 is justified?

(ii) If not, to what relief the workman is entitled for?

#### 5. Issue No. 1

The workman has adduced oral as well as documentary evidence. The non-applicant Bank has not examined any evidence in support of his case.

6. Now let us examine the evidence of the workman in order to determine the point for consideration. It is an admitted fact that the workman was appointed as part time peon on daily wages from 10-11-83. The workman has filed photocopy of appointment letter which is marked as Exhibit W-1 which appears to have been issued by Branch Manager, Piparia. The workman has stated that he worked continuously and was taken into custody on 10-1-87 in a case of criminal mis-appropriation instituted by the non-applicant Bank. This fact is also not denied by the non-applicant rather it is admitted in the pleading that the workman worked as a part time peon in piparia branch from October, 1983 to December, 1987. It is established that the workman worked for more than 240 days in a calendar year. Further in support of the case, the workman filed carbon copies of Form 3-A which are paper Nos. 3/15 to 3/17. These papers are contribution towards Provident Fund of month to month from March, 84 to January, 87. This is filed to show that he was in continuous service.

7. The workman Lal Singh Choudhary has stated in his evidence that he was taken into custody on 10-1-87 in criminal mis-appropriation case and was acquitted by the court on 5-6-95. The workman has filed photocopy of the judgment passed by judicial Magistrate, 1st class in criminal

case No. 157/87 wherein the workman was acquitted of all the charges. The said judgment is marked as Exhibit W/3. The judgment shows that the workman was acquitted by way of complete exoneration and not by giving benefit of doubt. This fact is also admitted by the non-applicant in his pleadings.

8. It is also an admitted fact that non-applicant is an Industry and Industrial Dispute Act, 1947 is applicable to non-applicant. Now the important question is as to whether the workman was in continuous service as admittedly the workman filed an application on 4-8-95 before the non-applicant for reinstatement in this service which is marked as exhibit W/4 and again an application was filed on 10-2-96 which is marked as Exhibit W/5. As to whether the period from 1987 to June, 1995, in which the workman was not in job, be deemed to be in continuous service. It appears that the said period is deemed to be in continuous service for that period even if service is interrupted on account of cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman. Moreover the workman has stated in his evidence that after bail, he approached the non-applicant who told him that they would be reinstated only after acquittal. The workman has further stated in his evidence that he has been terminated without adopting the procedure of 25-F of the Industrial Dispute Act, 1947. This fact appears to be not denied by the non-applicant in his pleading and it is deemed to be admitted. Thus from the evidence adduced by the workman, it is proved that he worked continuously for more than 240 days in a calendar year and without observing the provision of Sec-25-F of the I.D. Act, he was orally terminated. Accordingly I find that the action of the non-applicant was not justified in terminating the service of the workman w.e.f. 8-1-87. This issue is decided in favour of the applicant and against the non-applicant.

#### 9. Issue No. 2

On the basis of the discussion made above, the workman is entitled to be reinstated on the post from the date of termination i.e. 8-1-87. The applicant appears to have applied to be taken in service from 4-8-95. As such, the back wages is entitled to be paid from 4-8-95. Accordingly this issue is decided.

10. In the result, the award is passed in favour of the applicant and against the non-applicant with back wages w.e.f. 4-8-95 without any order of costs.

11. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2009

का.आ. 2343.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक

अधिकरण/श्रम न्यायालय लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 64/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/41/2000-आई आर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th July, 2009

**S.O. 2343.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 64/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Uttar Railway and their workmen, received by the Central Government on 30-7-2009.

[No. L-41012/41/2000-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

Present : N. K. Purohit, Presiding Officer

I. D. No. 64/2000

Ref. No. L-42012/41/2000-IR (B-1) dated : 17-08-2000

#### BETWEEN

Shri Ranjeet Singh  
S/o Late Cheda Singh  
H. No. 555 Ka Om Nagar  
Bhilwan, Alambagh

AND

The Chief Works Manager,  
Loco Work Shop, Uttar Railway  
Charbagh, Lucknow

#### AWARD

22-07-2009

1. By order No. L-41012/41/2000-IR (B-1) dated : 17-08-2000 the Central Government in the Ministry of Labour, New Delhi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub section (1) and sub section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between sri Ranjeet Singh S/o Late Cheda Singh H. No. 555 ka Om Nagar, Bhilwan, Alambagh, Lucknow and The Chief Works Manager Loco Workshop, Uttar Railway, Charbagh, Lucknow for adjudication.

2. The reference under adjudication is :

“ Whether the action of the Management of Uttar Railways, Lucknow was justified in terminating the Services of Ranjeet Singh from 13-12-86 ? If not, what relief the workman is entitled to ? ”

3. In brief, the case of the workman is that he was engaged as casual labour in Loco workshop Northern Railway Charbagh, Lucknow and after working required period he was granted temporary status w.e.f. 13-12-86. The workman has alleged that he has been discharged from the services vide order dt. 12-12-86 without issuing any charge sheet in violation of Railway Rules and principle of natural justice, therefore, impugned order is liable to be set aside. The workman has prayed to reinstate him with full back wages and consequential benefits.

4. In reply, the claim of the workman has been refuted by the railway administration. It is alleged that the workman obtained the employment on the basis of a forged educational certificate. Thus, his engagement was void ab-initio. It is also contended that rules allegedly contended in Railway Board letter No. (NG) II-83/CL/HC/90 also does not attract to the present case as the workman had never been legally and validly engaged as workman in any cadre whatsoever. The workman has been discharged from the service on account of submission of forge and false educational certificate, which impaired the fitness for engagement as Railway servant/ workman. The workman had given an undertaking that in case false facts comes to the notice of the opposite party at any time, he would be liable to be terminated/discharged. It is also submitted that the workman was paid one month wages in compliance of Section 25F of the I. D. Act only in order to avoid the technicalities in future if any dispute is raised. It is further contended that the workman did not had the status of workman of the railway as such it was not incumbent on the railway to issue any chargesheet or to hold any enquiry. Thus, there is no violation of principle of natural justice in discharging the workman. In additional pleas the railway has contended that applications invited for the engagement of casual labour vide its office notice No. 105/E/A/ Dt. 4-12-82 wherein the minimum educational qualification was required for the post of casual labour to be VIII class passed, but the workman submitted false transfer certificate of VIII class pass which was found bogus on its verification from institution concerned. Since, the applicant was not eligible even to apply for the engagement as casual labour on the relevant dates as such neither the workman can be said to be workman of the railway nor his claim legally is considered. It is further contended that the workman has filed his claim after lapse of 14 years without explaining such inordinate delay therefore, claim deserves to be rejected on this ground only.

5. In rejoinder filed by the workman, he has only besides reiterated the earlier averments made in his statement of claim.

6. The workman did not file any document in support of his claim and on 16-12-2000 the authorized representative on behalf of the workman submitted that no oral evidence should be adduced by the workman. The management filed affidavit of Sri S. Ram, Sr. P. O. he has not been cross-

examined by the workman or his authorized representative. The management has also examined Sri Sunil Kumar Verma, Asstt. Clerk of Bappa Srinarain Vocational Inter College as witness.

7. The learned representative on behalf of the workman has submitted that the workman has been disengaged without in violation of principle of natural justice and Railway Rules. Therefore, impugned order is liable to be set aside.

8. Per contra, the learned representative on behalf of the railway has submitted that the workman has failed to adduce any oral or documentary evidence in support of his claim despite opportunity given to him. He has further contended that the management witness Sri Siya Ram, Sr. P. O. has not been cross examined by the workman side, therefore, there is no reason to disbelieve his statement. He has further contended that from the evidence of Sri Sunil Kumar Verma, Asstt. Clerk of the college concerned and documentary evidence on record it is established that the educational certificate submitted by the workman is fake document, therefore, his engagement was void-ab-initio.

9. I have given my thoughtful consideration on the submissions made by both the sides and perused the record.

10. It is well settled that if a party challenges the legality of the order, the burden lies upon him to prove illegality of the order and if no evidence is produced the party invoking jurisdiction of the court must be failed. In the instant case the burden was on the workman to set out the ground to challenge the validity the action of the management of railway. The workman has not adduced any oral or documentary evidence in support of his claim even, he has not examined himself in support of his claim, whereas the management has submitted the affidavit of Sri Siya Ram, Sr. P.O., Loco Workshop, Northern Railway, Charbagh, Lucknow who has deposed that the workman snatched the employment from the railway management by submitting the forged and bogus educational certificate wherein he has been shown as class VIII pass from Bappa Srinarain Vocational Inter College, Lucknow in the year 1975-76 on inquiring from the Principal of the concerned college, it revealed that Transfer Certificate bearing Serial No. 3076 has not been issued by the college and the name of the workman Ranjeet Singh does not appear at Serial No. 3076 in the original record. When this fact came into the notice, the engagement of the workman was recalled on the ground that certificate submitted by him is not genuine and alleged engagement was non-est appointment and void-ab-initio. He has further stated the Railway Board's letter dt. 17-5-82 does not attract to the present case as the workman had never legally and validly engaged as workman.

11. The management witness Sri Sunil Kumar Verma, Asstt. Clerk of Bappa Srinarain Vocational Inter College

has also corroborated the version of the above witness. This witness brought the original scholar register for that year 1973-74 at the time of his evidence and has stated that Paper No. (5/13) has not been issued by his institution and the endorsement on the said paper has been made by Rameshwar Prasad Shukla the then Clerk and countersigned thereon has been made by Sri Lakshmi Kant Bajpai the then Principal of the Institution Bappa Srinarian Vocational Inter College, Lucknow the witness has further stated that the disputed document 5/13 is forged as at Serial No. 3076 in original Scholar register does not find the name of Ranjeet Singh S/o Chedha Singh. In his cross-examination nothing has come on the basis of which his evidence may be discarded or disbelieved. Thus, it is well established from the evidence of the management witness and documents adduced by it that the transfer certificate of class VIII passed submitted by the workman is forged and fake.

12. Although, the workman has pleaded in his statement on oath that he had acquired temporary status but there is neither oral nor any documentary evidence to establish above fact. Mere pleadings are no substitute of proof. Thus, as a casual labour he was even not entitled for constitutional protection under Article 311. Moreover, in his application for appointment as casual labour which is admitted document, it has been categorically mentioned that in case it comes in notice that false information has been furnished, his services would be liable to be terminated.

13. In view of the above discussions it is established that the workman was engaged as a casual labour and the certificate given by him regarding educational qualification is forged and he was not even eligible for the appointment of casual worker and his initial engagement as casual labour is ab-initio-viod.

14. Accordingly, the action of the management of Uttar Railways, Lucknow cannot be said to be unjustified in terminating the services of Sri Ranjeet Singh w.e.f. 13-12-86. Resultantly, he is not entitled for any relief.

15. The reference under adjudication is answered accordingly.

16. Award as above.

Lucknow  
22-07-2009

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2009

क्र.आ. 2344.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार धिलासपुर-रायपुर कसेतरीया ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 245/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/104/99-आई आर (बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th July, 2009

**S.O. 2344.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 245/99) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 30-7-2009.

[No. L-12012/104/99-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/245/99

**Presiding Officer :** Shri Mohd. Shakir Hasan

Shri Bhulau Ram Verma,  
Vill-Tarashiv, P.O. Chicholi,  
P.S. : Nevra,  
Distt. Raipur (MP)

.....Workman/Union

Versus

The Chairman,  
Bilaspur - Raipur Kshetriya Gramin Bank,  
Dayalband,  
Bilaspur

....Management

#### AWARD

Passed on this 15th day of July, 2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/104/99-IR (B-1) dated 28-6-99/5-7-99 has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

“ Whether the action of the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur in terminating the services of Shri Bhulau Ram Verma, Ex-Messenger, Tarashiv Branch w.e.f. 10-5-97 is justified. If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. In this case the applicant appeared but did not file statement of Claim though sufficient time was granted to him. Lastly the Predecessor's Court proceeded ex-parte on 1-2-06 against the applicant/workman.

3. The non-applicant/management also not filed the Written Statement. Lastly an application is filed stating therein that Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank is not in existence. The said bank has been amalgamated in Chhattisgarh Gramin Bank. It is submitted that no dispute Award be passed.

4. Heard the non-applicant. The applicant was absent. It appears that the reference is pending since 1999 and none of the parties have filed their pleadings. This itself shows that none is ready to contest the reference or they have no case.

5. In the result, No Dispute Award is passed without any costs.

6. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2009

**का.आ. 2345.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर के प्रबंधन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 15/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/272/2003-आई. आर. (बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th July, 2009

**S.O. 2345.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 15/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on 30-7-2009.

[No. L-12012/272/2003-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/15/04

**Presiding Officer :** Shri Mohd. Shakir Hasan

The General Secretary,  
State Bank of Indore Employees Union,  
C/o State Bank of Indore,  
Zonal Office, I, Arera Hills,  
Jail Road, Bhopal (MP)

.....Workman/Union

Versus

The General Manager (Operations),  
State Bank of Indore,  
Head Office, 5 Yeshwant Niwas Road,  
Indore.

....Management

#### AWARD

Passed on this 16th day of July, 2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/272/2003-IR (B-1) dated

26-2-04 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“ Whether the action of the management of General Manager (O), State Bank of Indore in not ensuring payment of wages and other benefits of the settlement according to Bipartite Settlement and paying her scale wages without DA, CCA and HRA in r/o Smt. Krishna Bai, Sweepere is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?”

2. The case of the applicant in short is that the service conditions of the Bank employees are governed by Desai Award, Shastri Award, various other awards, Standing orders and Circulars and Bipartite settlement. The clause-18 of Bipartite settlement dated 10-4-89 deals with the wages to be paid to the part time employees. The workman Smt. Krishna Bai as per approval of the Competent authority was engaged for sweeping/cleaning work from 1-11-1997 on half scale wage. She was being paid a wage of Rs. 1375 per month i.e. half of Rs. 2750 since 1-11-1997 but the management was not paying annual increments, DA, CCA and HRA benefits which was totally unjustified, unfair and was in violation of Bipartite settlement signed between the Unions and Indian Bank Association. On these grounds, the reference be answered in favour of the workman.

3. The non-applicant/management appeared and contested the case by filing written Statement. The case of the management is that Smt. Krishna Bai was appointed as part time Sweeper at T.T. Nagar and was paid 1/2 of the scale wages for the work done by her for 13 to 19 hours in a week as decided by the Competent authority and therefore she was not entitled for the DA, CCA, HRA and other benefits permissible to regular/full time employees engaged in the bank. It is stated that the wages paid to the applicant was based on the basis of settlement arrived at between the representatives of the Unions and banking Industries and was in binding nature. Under the circumstances the applicant is not entitled the wages as has been claimed for.

4. During the course of proceedings both the parties have settled the disputes and an application alongwith photocopy of the settlement arrived at between the parties is filed praying therein to pass award in terms of settlement. I perused the settlement. It appears that the settlement is proper and legal. The following are the terms of agreement :—

- (i) That Smt. Krishna Bai shall be absorbed by the bank on part time permanent basis w.e.f. 1-8-2001.
- (ii) That Smt. Krishna Bai shall be eligible to get DA, CCA, HRA as applicable to the part time permanent employees of the bank w.e.f. 1-8-2001.
- (iii) That the other benefits like deduction of PF, Group Insurance, all kinds of leave, LFC (on prorate basis), Gratuity and Leave encashment on superannuation shall be made available w.e.f. 1-1-2006 to Smt. Krishna Bai.

- (iv) That the State Bank of Indore employees Union (MP) and Bank shall record the compromise settlement in the CGIT and the Employees Union shall have no claim with regard to the industrial Dispute bearing No. CGIT/LC/R/15/2004.

5. After considering that the parties have settled their disputes amicably, the award is passed in terms of settlement mentioned above without any costs.

6. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour and Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2009

का.आ. 2346.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 314/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/151/2000-आईआर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st July, 2009

S.O. 2346—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 314/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of WCL and their workmen, which was received by the Central Government on 31-7-2009.

[No. L-22012/151/2000-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI A. N. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/314/2000

Date: 21-7-2009

Petitioner/Party No. 1

The General Secretary,  
Bhartiya Koyala Khadan Mazdoor,  
Sangh (BMS), Vishwakarama Bhavan,  
Post : Parasia, Dist Chhindwara (M. P.)

Versus

Respondent/Party No. 2

The General Manager (IR),  
Western Coalfields Limited,  
Coal Estate, Civil Lines,  
Nagpur

**AWARD**

Dated: 21st July, 2009

The Central Government after satisfying the existence of dispute between the General Secretary, Bhartiya Koyala Khadan Mazdoor Sangh (BMS), Dist. Chhindwara (M.P.) (Party No.1) and the General Manager (IR), Western Coalfields Limited, Nagpur (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No. L. 22012/151/2000-IR (C-II) dated 14/21-11-2000 under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule.

2. "Whether the action of the management of WCL. Pench Area, PO: Parasia, Dist. Chhindwara (MP) in not promoting Sh. A. K. Dongre, Pharmacist from I & S Gr. 'C' to Gr 'B' while superceding by his juniors is legal justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

3. The case came up on hearing on 9-7-2009. On that day, the Petitioner and his counsel were absent. The counsel for the respondent was present. He filed an application with a request to close the case since the Petitioner was not attending the Court from last 2 years.

4. I have perused the case as well as Rojnama of the case. It appears that the Petitioner is not attending the Court since 23rd February, 2004. It seems that it was the case for challenging the promotion of another workman superceding him. But the Petitioner has lost the interest and he is not taking further steps in the proceeding as he is not attending the Court. The case is simply being prolonged for his presence or appearance. In fact he has already filed the Statement of Claim as well as rejoinder after filing Written Statement by the respondent. However, as he is not attending the court, there is no other go than to dismiss the reference for his default. Hence the reference is dismissed for the default for the Petitioner and negative Award has been passed. Hence this negative Award.

Date: 21-7-2009

A. N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2009

का.आ. 2347.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 86/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-7-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/320/2002-आईआर(सी-11)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st July, 2009

S.O. 2347.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 86/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Western Coalfields

Limited of Kanhan Area, and their workmen, received by the Central Government on 31-7-2009.

[No. L-22012/320/2002-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI A. N. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR**

Case No. CGIT/NGP/86/04

Date: 15-7-2009

Petitioner/Party No.1

The General Secretary,  
Coal Mines Engineering Workers'  
Association, Guddi, PO: Palachourai  
Dist Chhindwara (M. P.)

Versus

Respondent/Party No.2

The General Manager,  
Western Coalfields Limited of Kanhan Area,  
PO. Dungaria,  
Dist. Chhindwara.

**AWARD**

Dated: 15th July, 2009

The Central Government after satisfying the existence of dispute between the General Secretary, Coal Mines Engineering Workers' Association, Chhindwara (M.P.) (Party No.1) and the General Manager, Western Coalfields Limited, of Kanhan Area, Chhindwara (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No. L. 22012/320/2002-IR (C-II) dated 9-9-2004 under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule.

2. "Whether the action of the management of Ambara Colliery of WCL of Kanhan Area in retiring Shri Hamid Hasan S/o Abid Hasan, Mechanical Fitter, prematurely w.e.f. 30-6-2002 on the basis of wrong and correct date of birth is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

3. The reference came up on hearing on 23-9-2005 the Petitioner and his counsel were present. The Petitioner has not filed statement of claim also. On 10-7-2009, the Petitioner and his counsel were absent and the Respondent present. It seems that the Petitioner is not interested in prosecuting the case after long period. I do not think it proper to continue it on the same stage years together. In the circumstances, no purpose will be served in continuing the case, hence I dismiss it for the default of the Petitioner and pass the negative award that he is not entitled for any relief. Hence this Award.

Date: 15-7-2009

A. N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 2009

का.आ. 2348.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नारदन रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच,

अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक/अधिकरण श्रम न्यायालय, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 6/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41011/31/2007-आईआर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd August, 2009

S.O. 2348.—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 6/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Northern Railway and their workmen, received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-41011/31/2007-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

Present : N. K. PUROHIT, Presiding Officer

I.D. No. 6/2008

Ref. No. L-41011/31/2007-IR(B-I) dated: 11-1-2008

#### BETWEEN

Zonal Vice President,  
Uttar Railway Karmchari Union,  
49, Tilak Nagar, Lucknow  
(Espousing case of Shri Ram Prasad Yadav)

#### AND

Deputy Chief Mechanical Engineer,  
C & W Workshop,  
Northern Railway,  
Alambagh, Lucknow.

#### AWARD

27-7-2009

1. By order No. L-41011/31/2007-IR (B-I) dated: 11-1-2008 the Central Government in the Ministry of Labour, New Delhi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between Zonal Vice President, Uttar Railway Karmchari Union, 49, Tilak Nagar, Lucknow, (Espousing case of Shri Ram Prasad Yadav) and Deputy Chief Mechanical Engineer, C & W Workshop, Northern Railway, Alambagh, Lucknow for adjudication.

2. The reference under adjudication is:

“Kya Up-Mukhya Yantrik Engineer C & W Workshop, Uttar Railway, Lucknow द्वारा Shri Ram

Prasad T. Jn. 115/M Tecnichian Grade-1 ko sanyukt varyata soochi dinank 8-8-2000 main varishth hone par 1-8-2000 se padonati na diya jana nayayochit avam vaidh hai? Yadi nahi to kaamgaar kis raahat ko pane ka haqdaar hai?

3. The order of reference was endorsed to the Zonal Vice President, Uttar Railway Karmchari Union, 49, Tilak Nagar, Lucknow with direction to the party raising the dispute to file the statement of claim along with relevant documents, list of reliance and witnesses with the Tribunal within fifteen days of the receipt of the order of reference and also forward a copy of such a statement to each one of the opposite parties involved in this dispute under rule 10 (B) of the Industrial Disputes (Central), Rules, 1957.

4. The order of reference was received in the Tribunal on 21-1-2008 and the Tribunal waited for the statement of claim till 8-2-2008; but no statement of claim together with documents etc. was filed. In the circumstances it was ordered for issuance of registered summons to the workman's union to file their statement of claim along with relevant documents and list of reliance and witness on 4-4-2008. The registered notice was issued but no statement of claim is received till date. Moreover the representative of the workman's union, Shri D.P. Awasthi filed applications W- 3 & 4, wherein he has mentioned that the workman concerned has already been promoted on the post of M.C.M., as such, his grievances have got redressed. Accordingly, it was requested in the said applications that the case may be closed and a no claim award in the present case may be passed.

5. It is well settled that if a party challenges the legality of an order, the burden lies upon him to prove illegality of the order and if no evidence is produced the party invoking jurisdiction of the Court must fail. In the instant case the burden was on the workman's union to set out the grounds to challenge the validity of the action of the management of Railway in not promoting the workman by filing its statement of claim and to prove the said action is illegal and unjustified. The workman's union has not filed its statement of claim. Moreover, the representative of the workman's union itself has requested to pass a no claim award as the workman concerned is not contesting the present case.

6. In view of the submission of the workman's union for no claim award, the present reference order is decided as if there is no grievance left with the workman. The Trade Union's case for relief claimed stands withdrawn. No relief is required to be given to the workman concerned. The reference under adjudication is answered accordingly.

7. Award as above.

Lucknow

27-7-2009.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer



नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2349.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, इरनाकुलम कोचीन के पंचाट (संदर्भ संख्या 260/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/78/2006-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2349.—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.260/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam, Cochin as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12011/78/2006-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present : Shri P. L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer  
(Wednesday the 1st day of July, 2009/10th Asadha, 1931)

I.D. No. 260/2006

#### Union :

The Assistant Secretary,  
Canara Bank Staff Union (Regted),  
Regional Office, Naresh Pal Centre,  
Near Lissie Hospital, Ernakulam District,  
Ernakulam-682 018

Adv. Sri H. B. Shenoy

#### Management :

The Deputy General Manager,  
Canara Bank, Circle Office,  
Trivandrum, Kerala State.

By Adv. P. Gopinath Menon.

This case coming up for hearing on 24-6-2009, this Tribunal-cum-Labour Court on 1-7-2009 passed the following.

#### AWARD

This is a reference made under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

“Whether the demand of the Canara Bank Staff Union for regularising Smt. K. Kanakamma as regular

part-time Sweeper at the Haripad Branch of Canara Bank is justified? If so, to what relief the workman is entitled and from which date?”

2. The facts of the case in brief are as follows:— Smt. K. Kanakamma, the worker in this case was engaged as casual part time sweeper in Haripad branch of Canara Bank. She was working in the leave vacancy of permanent part time sweeper Smt. Saradamma. The said employee retired on 30-11-2005. The worker continued to work without break ever since the retirement of the permanent part time sweeper. While so, the management initiated steps to fill up the vacancy by calling for list of candidates from employment exchange on 28-10-2005. The representation of the worker for absorption was not favourably considered by the management. Hence she raised the dispute.

3. According to the worker she was engaged intermittently from 3-2-1992 to 30-11-2005 and thereafter continuously up to this date. She has rendered long service. Yet she is not absorbed. It is an unfair labour practice. The bank has been following the system of absorbing casual part time sweeper whenever vacancy arose. She is eligible to be absorbed.

4. According to the management there are recruitment norms for filling the vacancy of a part time employee. The worker does not conform to the eligible criteria and hence the bank is not able to consider her absorption. The worker was first engaged in December, 1995 intermittently. The regular vacancy arose only on 30-11-2005. She is not entitled to be absorbed.

5. The only point that arises for consideration is:

Whether the worker is eligible to be absorbed?

6. The evidence consists of the oral testimony of WW1 and documentary evidence of Exts.W1 to 3 on the side of the Union and MW1 and Exts.M1 to M5 on the side of the management.

7. The point :— It is an admitted fact that Smt. K. Kanakamma was initially engaged in the leave vacancy of permanent part time sweeper Smt. Saradamma. The latter retired from service on 30-11-2005. A regular vacancy arose since then. The claimant was thereafter working continuously in the said vacancy. The position continuous even now. The process for regular recruitment was initiated by the management in 2005. The question is whether Smt. K. Kanakamma is eligible for absorption in the regular vacancy. According to the management the vacancy can be filled up only in accordance with the recruitment norms. Ext.M2 is recruitment norms. As per that the age criterion is 18-26 years with relaxation for SC/ST candidates, Ex-servicemen and physically handicapped persons. The union has no case that the worker belongs to any of the aforesaid categories to get age relaxation. The worker (WW1) admits in the cross examination that she was aged 45 at the time of

examination. She was examined on 17-12-2008. The regular vacancy arose on 30-11-2005. At that time she was aged 42 years and was thus over aged. The norms says that the Deputy General Manager has the authority to relax age criterion in case of engagement of part time employees on consolidated wages. WW1 admits in the chief examination itself that she was engaged on daily wage basis. The union has no case that she was given consolidated wages. Even for engaging on daily wage basis as casual part time sweeper that age limit is 22 years with relaxation of age for SC/ST, Ex-servicemen and physically handicapped persons. At any rate she had crossed the age bar at the time of initial engagement intermittently and on the date when the regular vacancy arose on 30-11-2005. As per norms the educational qualification is 5th standard as far as possible. If no such candidate is available for appointment then persons who have not passed 9th standard can also be considered. The worker had passed 6th standard and thus was over qualified. But the management has the discretion to consider candidates who have not passed 9th standard. Yet the worker cannot be considered for absorption due to age bar. However circular dated 5-10-2000 provides for norms relaxation. The opening para relevant portion reads :— "As per the procedure in vogue, the vacancy of the part time employee in a branch, is being filled by considering the candidature of the person engaged in the leave vacancy of the regular vacancy, provided, he/she has worked for a sufficiently long period of time and conforms to the norms, to be recruited as a part time employee."

8. As per recruitment norms as already mentioned (Ext.M2) the Deputy General Manager has the authority to relax age criterion. The worker has been working for a very long time over 10 years, sometimes intermittently and from 30-11-2005 continuously as part time sweeper. The bank has no case that her work is not satisfactory. The bank has not imputed any misconduct on her part so far. She is now aged 49 years and she cannot seek employment elsewhere at this juncture. Nobody else had worked in the regular vacancy of part time sweeper. Therefore it is only fair and proper to consider her candidature for absorption. There is no disqualification as regards educational qualification.

9. However it was contended by the learned counsel for the management that as per recruitment norms the selection has to be made from among candidates sponsored by employment exchange. In fact, by Ext.M1 dated 28-10-2005 the management had called for a list of 10 candidates from employment exchange. But as per norms regarding method of appointment it is mentioned that for filling up part time employee vacancies at rural/semi-urban branches it is not necessary to approach employment exchange for sponsoring candidates. The claimant is working in Haripad branch which is admittedly

a semi-urban branch (MW1 cross examination). Hence it is not necessary to call a panel of candidates from employment exchange to fill up the vacancy. Besides as per S.3(d) of Employment Exchanges (Compulsary Notification of vacancies) Act, 1959 the provisions of the Act do not apply in relation to vacancies in any employment to do unskilled office work. Thus it is clear that the management is not bound to call for a list of candidates from employment exchange to fill up the vacancy of part time employees (unskilled). The attempt to appoint a general candidate from outside is unfair.

In the result an award is passed finding that the demand of the union for regularisation of Smt. K. Kanakamma in the post of part time sweeper in Haripad Branch of Canara Bank is legal and justified and she is entitled to be regularised in service by relaxing the age criterion w.e.f. 30-11-2005 (when the regular vacancy arose) with consequential benefits.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 1st day of July, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

#### Appendix

##### Witness for the Union

WW1 - 17-12-2008 Smt. Kanakamma

##### Witness for the Management

MW1 - 19-6-2009 Shri. A.P. Janardhanan

##### Exhibits for the Union

W1 - Copy of representation dated 25-6-2002 submitted by workman to the management.  
W2 - Copy of representation dated 21-7-2003 submitted by workman to the management.  
W3 - Employment Exchange Card of Smt. Kanakamma.

##### Exhibits for the Management

M1 - Letter written by the Branch to the Employment Exchange Officer dated 28-10-2005.  
M2 - Recruitment Norms.  
M3 - Relevant pages of Bi-partite Settlement.  
M4 - Representation from Kanakamma dated 6-3-2006.  
M5 - Reply of the Bank dated 22-3-2006 to the letter of worker.

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

**का.आ. 2350.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के फैाट (संदर्भ संख्या 2/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12014/1/2009-आईआर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

**S.O. 2350.**—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.2/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of India and their workmen, received by the Central Government on 4-8-2009.

[No. L-12014/1/2009-IR(B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, AT HYDERABAD

**Present :** Shri VED PRAKASH GAUR Presiding Officer

Dated the 5th day of February, 2009

Industrial Dispute L. C. No. 2/2005

#### BETWEEN

Sri Kaleru Satyanarayana,  
S/o K. Venkataiah,  
R/o H.No.5-11-1346,  
Hanuman Nagar, KUC Road,  
Hanmakonda,  
Warangal District

....Petitioner

#### AND

The Asst. General Manager,  
State Bank of India,  
Personnel & HRD, Local Head Office,  
Bank Street, Koti  
Hyderabad

....Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. C. Vijaya Shekar Reddy  
& S. Vijay Venkatesh,  
Advocates

For the Respondent : M/s. B. G. Ravindra Reddy  
& B. V. Chandra Sekhar,  
Advocates

#### AWARD

This case was taken in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in 1997

(3) LLJ Supplement, page 1141 in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others.

2. The Petitioner filed this petition against the Respondents questioning the action of the Respondents in terminating him. He submitted that he was appointed as Messenger on 1-11-89 in SBI Hanumakonda Branch of the respondent bank. He worked in different spells from 1-11-1989 to 9-8-1991 in total 161 days. He was empanelled for regularization in the year 1991 and was absorbed as messenger in 1992. He was terminated orally on 31-3-1997. He prays this Court to direct the Respondent to reinstate him as a regular employee with all consequential benefits.

3. As against this, the Respondents filed a counter denying the allegations in the claim statement of the Petitioner. It is submitted that the Petitioner was never appointed as messenger/sweeper-cum-water boy/watchman by the respondent and never terminated from service on 31-3-1997. It is further submitted that under exigencies and in leave vacancies bank used to take temporary sub-staff and further explained the stipulated rules, agreements and settlements under which the temporary employees were categorized. According to categories, panels were prepared. It is submitted that the petitioner has not worked for the number of days as shown by him in his claim statement. As such petition is liable to be dismissed.

4. Parties were directed to produce evidence in their support their respective contentions. Petitioner workman filed his affidavit on 9-5-2005. Thereafter, the Petitioner did not appear before this court for cross examination and for marking of the documents. But he did not turn up for cross examination. Hence, petitioner's evidence is closed.

5. On 5-2-2009 none responded from the side of the petitioner while Respondent's counsel is present. Petitioner is not attending to the case for about more than three years, as such, Petitioner's evidence is closed. Hence, Nil Award is passed in absence of evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt P. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her and corrected by me on this the 5th day of February, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

WW1: Sri K. Satyanarayana

Witnesses examined for the Respondent

MW1: Nil

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2351.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स एस. के. शिपिंग लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 17/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/3/2005-आईआर(बी-11)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2351.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 17/2006) of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad now as shown in Annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. ESS KAY Shipping Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/3/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Dated the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 17/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor,  
Sangh, H. No. 53-20-21/1, Chaitanyanagar,  
Visakhapatnam -530013 .....Petitioner

#### AND

The General Manager,  
M/s. ESS KAY Shipping Ltd.,  
D. No. 24-1-20, Thompson Street,  
Visakhapatnam -530001 .....Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. O. Srinivas &  
K. Bhavani Shankarudu,  
Advocates

For the Respondent : M/s. C. Sanjeeva Rao &  
C.N.S.P. Krishna Rao,  
Advocates

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by  
its order No. L -34011/3/2005-IR (BII) dated 19-12-2005

referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. ESS KAY Shipping Ltd. and their workman. The reference is,

#### SCHEDULE

“Whether the demand of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S/Shri V. Simhachalam and 7 others, Ex Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. ESS KAY Shipping Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned workmen is entitled?”

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 17/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement stating that the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the Petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual applicant.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant workmen and the Respondent and hence, the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam camp court, Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner has not filed evidence affidavit, as such, Petitioner's evidence is closed as he is not attending this case for more than 2 years. Hence, Nil Award is passed in absence of evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt P. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her and corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

**का.आ. 2352.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स राय एवं चटर्जी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 18/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/4/2005-आई आर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

**S.O. 2352.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 18/2006) of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Roy & Chatterjee Private Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/4/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT  
HYDERABAD**

**Present :** Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 19th day of March, 2009

**Industrial Dispute No. 18/2006**

**BETWEEN**

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor  
Sangh, H.N. 53-20-21/1, Chaitanyanagar,  
Visakhapatnam-530013.

.....Petitioner

**AND**

The Manager,  
M/s. Roy & Chatterjee Private Ltd.,  
Roychatt Building, D. No. 25-12-36,  
Godavari Street,  
Visakhapatnam-530001.

....Respondent

**APPEARANCES**

**For the Petitioner :** M/s. O. Srinivas & K.  
Bhavani Shankarudu, Advocates

**For the Respondent :** M/s. Chintalapudi Sanjeeva Rao,  
C. Syamsundara Rao & C.N.S.P.  
Krishna Rao, Advocates.

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour by its  
order No. L-34011/4/2005-IR (B. II) dated 19-12-2005 referred

the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. Roy & Chatterjee Private Ltd., and their workman. The reference is.

### **SCHEDULE**

“Whether the demand of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S/Sh. Yendada Korlayya and 6 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. Roy & Chatterjee Private Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?”

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 18/2006 and notices issued to the parties.

2. Petitioner union filed claim statement stating that the workmen are the rowing boat workers and they are designated as Tindal or Khallasi and they were employed as and when a ship is berthed. It is submitted that they were removed without any notice or compensation. Hence, it is prayed to direct the Respondent to pay retrenchment compensation to each individual applicant in accordance with the length of their service etc.

3. Counter has been filed by the management. It is submitted that the management used to engage workers on casual basis and used to pay daily wages as per the circulars of the Ministry of Shipping. It is further submitted that at no point of time the applicant workmen worked with the Respondent management and as such the claim is not maintainable. Hence, the I.D. be dismissed.

4. On 19-3-2009, both parties called absent. The case is fixed for Petitioner's evidence but Petitioner is not attending to this case from 28-12-2006 as such, there is no justification to adjourn the case. Petitioner has to file affidavit of his witness, since he is absent evidence of parties are closed. Hence, a Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 19th day of March, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

### **Appendix of evidence**

Witnesses examined for the Petitioner	the Witnesses examined for the Respondent
--	--

NIL

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली 4, अगस्त, 2009

का. आ. 2353.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 1, दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 49/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/43/2004-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2353.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 49/2004) of the Central Government Industrial Tribunal, Labour Court I, Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Indian Bank and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12012/43/2004-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE DR. R.K. YADAV, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT NO. I, NEW DELHI  
KARKARDOOMA COURT COMPLEX, DELHI

I.D. No. 49/2004

Shanti Devi w/o Shri Attar Singh,  
H. No. 110, Raj Mohalla,  
Kath Mandi, Rohtak.

... Workman

Versus

The Manager,  
Indian Bank, (Main Branch),  
Near State Bank of India, Rohtak.

... Management

#### AWARD

Smt. Shanti Devi was engaged by Indian Bank on 1-4-92 for sweeping its extension counter, located in a small area of 650 Sq.ft. at Rohtak, only on need and casual basis. She used to work there only for a period of 30 minutes per day and was paid @ Rs.175 per month. Being a casual employee, her duties were less than 3 hours per day, hence she was not entitled to wages even of a part time employee. Her services were not engaged through employment exchange, by way of an interview and approval from Zonal authorities of the Bank. She worked on that extension counter till 28-2-2002. Thereafter she started sending her daughter-in-law to sweep the premises, who also stopped

coming after October, 2002. In January, 2003 Shri Attar Singh, her husband worked on casual basis at the said extension counter. She approached the bank and asked for payment of her wages @ Rs. 440 pm. When her request was turned down, she raised a dispute before the Conciliation Officer. When conciliation proceedings failed, appropriate Government referred the dispute to this Tribunal vide order No. L-12012/43/2004-IR(B-II) dated 29-09-2004 with following terms:

“Whether the action of the management of Indian Bank, Rohtak, in terminating the services of Smt. Shanti w/o Attar Singh, part time sweeper w.e.f. 1-8-2002 is just and legal? If not, to what relief workman is entitled to?”

2. Claim statement was filed by Shanti Devi, pleading that she was working as part time sweeper with Indian Bank since 1992. Her work and conduct was not satisfactory. She was paid wages @ Rs.175 pm. Though she worked for more than 13 years with the Bank, yet her salary was never increased. Once she made a request to increase her salary, which fact annoyed the authorities. Her services were illegally terminated on 1-8-08 without assigning any reason. Neither notice was served upon her nor pay in lieu of notice was given to her. She was not given retrenchment compensation. Her juniors were working in the office of the management on the same post. The act of the management in terminating her services amounts to unfair labour practice. She claims reinstatement in service with full back wages and continuity of service.

3. Contest was given to her claim statement pleading therein that services of Smt. Shanti Devi were utilized by the Bank at its extension counter located at Rohtak, which counter was catering needs of a small number of clients. She was engaged as need based casual employee, who performed duties for 30 minutes in a day. In 2001 she raised a demand that her wages be paid @ Rs. 440 pm, in pursuance of circular No.71-97-98 dated 6-1-98. It was made known to her that timings of her work was less than 3 hours a day and as such she was not entitled to claim wages at Rs. 440 pm. While rendering her services at the said extension counter, she was working in some houses in the locality. On account of old age and illness she was not able to attend to her duties. She started sending her daughter in law, namely, Smt. Rani, who worked with the bank till October, 2002. Subsequently her husband, namely, Attar Singh started working with the bank on casual basis. She stopped coming to her duties. Her services were never terminated by the Bank. Since she had abandoned her services, she was not entitled to any notice or pay in lieu thereof. It is denied that she was entitled to retrenchment compensation. Management projects that her claim of reinstatement with continuity of service and back wages is not justified.

4. On 19-6-2009 Surat Singh appeared and made a statement that Smt. Shanti Devi had expired. It was ordered that legal representative of deceased workman may take

steps for their substitution. Thereafter neither substitution was sought by anyone for the deceased workman nor anyone attended the proceedings. It is evident that after death of Shanti Devi, her legal representative opted not to participate in the proceedings.

5. Parkash Chander, Manager, Rohtak Branch of Indian Bank filed an affidavit swearing therein that Smt. Shanti Devi was never appointed as part time sweeper. She was engaged as casual employee on need based situation. Her name was not entered in the rolls/attendance register of the management. There was no question of her availing leave, provident fund, ESI and Medical facilities. Out of facts sworn by Shri Parkash Chand and those reflected in the written statement, it came to light that Shanti Devi was engaged as a casual employee on need basis. She was not even a part time employee of the Bank. Her services were not availed by following norms, procedure and rules for appointment of a permanent or part time employee.

6. No evidence was adduced either by the workman, during her life time or anyone on her behalf thereafter to substantiate the claim put forward. On the other hand Shri Parkash Chander deposed that she was engaged as casual employee on need based situation. Management projects that she used to perform her duties only for 30 minutes in a day. Question for consideration comes as to whether Shanti Devi was a workman. Definition of word "workman" is given in clause (s) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (in short the Act) in following terms :

- (s) "workman" means any person (including an apprentice) employed in any industry to do any manual, unskilled, skilled, technical, operational, clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person.—
- (i) who is subject to the Air Force Act, 1950 (45 of 1950), or the Army Act, 1950 (46 of 1950), or the Navy Act, 1957 (62 of 1957); or
  - (ii) who is employed in the police service or as an officer or other employee of a prison ; or
  - (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity; or
  - (iv) who, being employed in a supervisory capacity, draws wages exceeding one thousand six hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature.

7. Definition of workman contain three limbs. First limb of the definition gives statutory meaning of the word and determines a workman by reference to a person (including an apprentice) employed in an industry to do any manual, unskilled, skilled, technical, operative, clerical or supervisory work for hire or reward. The second limb is designed to include a person—(i) who have been dismissed, discharged or retrenched in connection with an industrial dispute, or (ii) whose dismissal, discharge or retrenchment is led to an industrial dispute, within the ambit of workman. However, the third part of the definition excludes the categories of persons specified in clause (i) to (iv) from the expression "workman". The definition does not state that a person, in order to be a workman should have been employed in a substantive capacity or on temporary basis in the first instance or after he is found suitable for the job after a period of probation. In other words, every person employed in an industry irrespective of his status-temporary, permanent or probationary—would be a workman. The expression "employed" has at least two known connotations, that is, a relationship brought by express or implied contract of service in which employee render service for which he is engaged by the employer and the latter agrees to pay him in cash or kind, as agreed between them or statutorily provided. It discloses a relationship of command and obedience. Reference can be made to the precedent in Food Corporation of India's case (1985) (2) (LLJ4).

8. A distinction is also drawn between contract for service and contract of service. In one case the master can order or require what is to be done, while in the other case he cannot only order or require what is to be done, but how itself it shall be done. The distinction is—under a contract of service, a man is employed as a part of the business and work is done as an integral part of the business, while under contract for service, his work, although done for the business, is not integrated into it but is only assessorary to it. But the test of being a servant does not rest now a days on submissions to orders. It depends on whether person is part and parcel of the organisation.

9. Mere existence for a contract of service would not confer a relationship of employer and employee until the employer is in a position to control the work of the employee. A master is one who not only prescribes to the workman and of his work, but directs or at any moment may direct the means also, or, as it has been put, "retains the power of controlling the work", a servant is a person subject to the command of his master as to the manner in which he shall do his work. An independent contractor is one who undertakes to produce a given result but so that in the actual execution of the work he is not under the order or control of the person for whom he does it, and may use his own discretion in things not specified before hand.

10. Here in the case the management bank used to prescribe to Smt. Shanti Devi the end of her work. She used

to perform the job herself and many a times-used to send her daughter-in-law to perform the job. That fact makes it clear that the management never retained the power of controlling work of Smt. Shanti Devi. She was not under the command of the management as to how she will sweep the extension counter. The Management only prescribed work to her to the effect that extension counter would be swept. That work was performed by her either personally or through her daughter-in-law. It is evident that the matter in which sweeping work was to be performed was never prescribed or directed by the management. Consequently it is emerging that there was a contract for service in between Smt. Shanti and the management. It was not a contract of service. All these facts are suggestive that Smt. Shanti Devi was not a workman within the meaning of definition provided under clause (s) of Section 2 of the Act.

11. When there was no contract of service between Smt. Shanti Devi and the management, under these circumstances, it cannot be said that management terminated her services. Under these circumstances there is no necessity to adjudicate justification and legality of action taken by the management. Shanti Devi has entered into a contract for service with the management and in that eventuality she was not entitled for relief of reinstatement. Even otherwise Smt. Shanti Devi is no more in this World. Resultantly relief of reinstatement of her service has become infructuous also. An Award is accordingly passed. It be sent to the appropriate Government for publication.

Dr. R. K. YADAY, Presiding Officer

Dated : 14-7-09

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2354.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विशाखापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 8/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/2/2003-आई.आर.(बी. II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2354.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 8/2006) of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/2/2003-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 2nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 8/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Janata Port and Dock Employees Union,  
D. No. 21-30-18, Punja Junction,  
Chengalraopeta,  
Visakhapatnam-530001.

....Petitioner

#### AND

The Dy. Chairman,  
Visakhapatnam Port Trust,  
Port Area,  
Visakhapatnam-530035

....Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : Sri A Madhusudhan Rao, Advocate

For the Respondent : M/s. B.S.S.N. Raju, Advocate

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/2/2003-IR(B-II) dated 22-4-2005 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman. The reference is.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Janata Port and Dock Employees' Union, Visakhapatnam for regularization of service of Smt. P. Rajamma and 17 others (as per list below) by the management of Visakhapatnam Port Trust from their date of casual employment with all service benefits is legal and/or justified? If not, to what relief the union is entitled?"  
List of the workmen:—(1) Smt. P. Rajamma (2) Smt. V. Appalanarasamma (3) Smt. B. Sanyasamma (4) Smt. M. Suraya Kumari (5) Smt. K. Kanaka (6) Smt. K. Eswaramma (7) Smt. B. Ramanamma (8) Smt. K. V. Ratnam (9) Smt. P. Satyavathi (10) Smt. G. Suri Devudamma (11) Smt. S. Yerramma (12) Smt. P. Mangamma (13) Smt. K. Varalakshmi (14) Smt. Alla Nookalamma (15) Sh. V. S. Prakasa Rao (16) Sri Maddila Kanka Raju (17) Sh. A. Gangaiah (18) Sh. B. Nooka Raju Reddy.

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 8/2006 and notices issued to the parties.

2. Petitioner union filed claim statement stating the the workmen are presently working as Female/Casual



Labour workers (Khalasis) in Assistant Engineer Section of Chief Engineer department. It is submitted that through the Petitioners have been working for more than 10 years continuously they have not been regularized. It is prayed that the management be directed to regularise their service after completion of 240 days service from initial appointment of each Petitioner and to pay all other attendant benefits.

3. Counter has been filed by the management. It is submitted that the management used to engage workers on temporary basis and at present 27 Garden labourers are working. It is submitted that out of the above 27 garden labourers certain persons have filed a writ petition No. 5016/99 in the Hon'ble High Court of A.P. requesting to direct the Visakhapatnam Port Trust to regularize their services and on which Writ Appeal vide No. 2123/03 was filed; on which the final judgment is awaited. Hence the I.D. is subjudice.

4. On 2-4-2009, both parties called absent. Parties are not attending to this case for last more than a year as such, his evidence is closed. Respondent is also not showing interest to adduce evidence, his evidence is also closed. Hence a Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly, Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 2nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
Nil	Nil

#### Documents marked for the Petitioner

Nil

#### Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2355.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स ई. सी. बोस एण्ड कम्पनी के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 28/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34012/2/2005-आईआर(बी- II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2355.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 28/2006) of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of M/s E.C. Bose and Company and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34012/2/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri Ved Prakash Gaur Presiding Officer

Dated the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 28/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Vishakhapatnam Port and Dock  
Mazdoor Sangh, H. No. 53-20-2/1,  
Chaintanyanagar,  
Visakhapatnam-530013

....Petitioner

#### AND

The Manager,  
M/s. E.C. Bose and Co. (Visakhapatnam) Pvt. Ltd.  
Stevedores, Steamer Agents, C&F Agents,  
No. 24-1-12, Thompson Street,  
Visakhapatnam-530001.

....Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : Sri O. Srinivas & K. Bhavani  
Shankarudu Advocates

For the Respondent : M/s. C. Sanjeeva Rao and C.  
Syamasundara Rao, Advocate

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34012/2/2005-IR(B-II) dated 15-2-2006 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. E.C. Bose and Co. (Visakhapatnam) Pvt. Ltd. and their workman. The reference is.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment Compensation amount to their member workmen viz. S/Sh. Pilla Nookanna and 7 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. E.C. Bose and Co. (Visakhapatnam) Pvt. Ltd., Visakhapatnam is legal and or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 28/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement stating that the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the Petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual applicant.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant workmen and the Respondent and hence, the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam camp court, Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner is not attending for more than 2 years, hence, Petitioner's evidence is closed. Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her, corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
Nil	Nil

#### Documents marked for the Petitioner

Nil

#### Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2356.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स साऊथ इण्डिया कारपोरेशन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 27/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34012/1/2005-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2356.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 27/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s South India Corporation and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-34012/1/2005-IR(B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated, the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 27/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Vishakhapatnam Port and Dock  
Mazdoor Sangh, H. No. 53-20-2/1,  
Chaintanyanagar,  
Visakhapatnam-530 013

....Petitioner

#### AND

The Manager,  
M/s. South India Corporation (Agencies)  
Ltd. 25-12-39, Godeyvaro Street,  
Visakhapatnam-530 001.

....Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. O. Srinivas, K. Bhavani  
Shankarudu & S.M. Valli,  
Advocates

For the Respondent : M/s. C. Sanjeeva Rao and C.  
Syamasundara Rao, Advocates

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34012/1/2005-IR(B-II) dated 15-2-2006 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. South India Corporation (Agencies) Ltd. and their workman. The reference is :

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment Compensation amount to their member workmen viz. S/Sh Sathirajulu and 3 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. South India Corporation (Agencies) Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 27/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement stating that the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the Petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual-applicant.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant-workmen and the Respondent and hence the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam court. Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner is not attending for more than 2 years, hence, Petitioner's evidence is closed. Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
Nil	Nil

#### Documents marked for the Petitioner

Nil

#### Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2357.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स उडीसा स्टीवर्ड्स लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 26/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34012/7/2005-आईआर(बी-II)]  
राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2357.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 26/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s Orissa Stevedores Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-34012/7/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present : Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated, the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 26/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and Dock  
Mazdoor Sangh, H. No. 53-20-2/1,  
Chaintanyanagar,  
Visakhapatnam-530013

...Petitioner

#### AND

The Branch Incharge,  
M/s. Orissa Stevedores Ltd.,  
D. No. 23-35-1, 'A' Block, II Floor,  
Manna Enclave, Near I Town Police Station,  
Visakhapatnam-530001.

...Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. O. Srinivas and K. Bhavani  
Shankarudu, Advocates

For the Respondent : M/s. C. Sanjeeva Rao and C. Syamasundara Rao, Advocates

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34012/7/2005-IR(B-II) dated 15-2-2006 referred the following dispute under Section (1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. Orissa Stevedores Ltd. and their workman. The reference is :

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment

compensation amount to their member workmen viz. S./Shri V. Suri Babu and 3 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of Orissa Stevedores Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 26/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union field claim statement stating the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the Petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual applicant.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant workmen and the Respondent and hence the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam camp court. Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner is not attending for more than 2 years, hence, Petitioner's evidence is closed. Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witness examined for the Respondent
---------------------------------------	-------------------------------------

Nil

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2358.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी.सी. डी.एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में

केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/66/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-31011/15/2003-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2358.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 2/66/2003) of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of M/s. B.C.D. Agency Pvt. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-31011/15/2003-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II AT MUMBAI

Present : Shri A.A.LAD, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/66 of 2003

Employers in relation to the Management of M/s. B.C.D. Agency Pvt. Ltd.

The Director,  
M/s. B.C.D. Agency Pvt. Ltd.,  
105, Vyapar Bhavan, 1st floor,  
49, P.D. Mello Road,  
MUMBAI-400 009.

...First Party

AND

Their workman  
(Dilip Adhar Kumar Adhikari)

The President,  
Transport & Dock Workers Union,  
P.D. Mellow Bhawan, Carnac Bunder,  
MUMBAI -400 038

...Second Party

#### APPEARANCES

For the Employer : M/s Sonia Sunil, Ms. Uma C.P.,  
Ms. Nirmala Pinto, Mr. A.K. Singh,  
and

Mr. D.A.Das, Advocates

For the Workman : Mr. A. M. Koyande, Advocate

Date of reserving the Award: 22-01-2009.

Date of Passing the Award: 19-05-2009.

**AWARD - PART-I**

1. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-31011/15/2003-IR(B-II) dated 29th September, 2003 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of M/s. BCD Agency Pvt. Ltd., Mumbai by terminating the services of Shri Dilip Adhar Kumar Adhikari, Custom Clerk w.e.f. 30-11-2002 is justified or not? If not, what relief the workman, Shri Dilip A. Kumar Adhikari is entitled to?”

2. Claim Statement is filed by the concerned workman at Exhibit 9 making out the case that, he joined 1st Party as a Customs Clerk and raised disputes about his termination effected by the Management with effect from 30-11-2002.

3. The said dispute was raised by the concerned workmen with the Assistant Labour Commissioner (C), Mumbai, with a demand of reinstatement with back wages who sent failure report to Government of India, Ministry of Labour and in turn Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, sent the reference for adjudication about termination and demand of 2nd Party for reinstatement with back wages.

4. According to 2nd Party show cause notice dated 21-2-2002 was issued by the Director of M/s. BCD Agency Pvt. Ltd. alleging that, concerned workman had altercation with some staff members viz. Mrs. Shaila Mahadik on 20-2-2002 for not getting shipment from IPCA due to his late arrival, misbehaviour and non-co-operation. It was also alleged that, as a result of it original AR 4S and mate receipts belonging to M/s. Taurus Chemicals and M/s. Lyka Exports Ltd. which were kept in the lockers was found missing. It was also alleged that, the said were not meeting drivers promptly inspite of repeated instructions.

5. Concerned workman denied all the allegations by his reply dated 6th March, 2002 but the said was not considered by 1st Party. He states that, 1st Party decided to start with the enquiry. Concerned workman raised the dispute about venue of the enquiry place. It was not considered by the 1st Party and on that, he requested 1st Party to keep enquiry proceeding in abeyance till issue of venue is decided by competent authority. It is alleged that, the enquiry was not kept in abeyance and witnesses were examined in the absence of the concerned workman. It is alleged that, he was made to sit idle in 1st Party's office since 18-1-2002 to 20-2-2002 and show cause notice dated 21-2-2002 was issued to him and some spurious charges were leveled against him of flimsy nature. Enquiry was made in haste to victimize the concerned workman. There was no truth in the allegations leveled against the

concerned workman, without giving opportunity, without following the principles of natural justice Enquiry Officer concluded the enquiry and held the concerned workman guilty of the charges leveled against him. He states that, the Enquiry Officer was bias. He himself was recording objections on behalf of the Management. Representative though actually did not raised objection said were raised by Enquiry Officer. Even he did not wrote statement of witnesses properly. Though witnesses of Management were required for cross but said were not made available to the concerned workman and his Defence Representative. The finding given by the Enquiry Officer is perverse. So it is prayed that, the enquiry conducted be declared null and void with findings perverse. He also request to reinstate him with benefit of continuity of services and back wages.

6. Said is challenged by the Management by filing written Statement at Exhibit 22 stating that, false case is made out by 2nd Party about enquiry and finding given by the Enquiry Officer. It is stated that, full opportunity was given to the concerned workman. It is stated that, witnesses were made available to the concerned workman for cross. It is stated that, Enquiry Officer considered the findings and then gave finding holding the concerned workman guilty of the charges leveled against him. It is stated that, enquiry was fair and proper and finding not perverse. It is stated that, it is the 2nd Party workman who is responsible for all that and deserve punishment as given which he not challenge.

7. In view of the above pleadings Issues were framed at Exhibit 23. Out of them issue of enquiry and finding are taken as preliminary which I answer as follows:

ISSUES	FINDINGS
1. Is enquiry fair and proper?	No
2. Is finding perverse?	Yes

**REASONS:****ISSUE NOS. 1 & 2 :**

8. The concerned workman challenged the enquiry and finding of it stating that, Enquiry Officer was bias. He did not give fair opportunity to the concerned workman and opportunity to cross-examine the witnesses of the Management and witnesses though called were not made available for cross. Enquiry Officer was bias and was recording the objections on behalf of the Management representative though actually representative of the Management did not do it. The finding given by the Enquiry Officer is perverse. To prove that, 2nd Party examined himself by filing his an affidavit at Exhibit 24 in lieu of his examination in chief, where he states that, the allegations of altercation with staff members most particularly with Mrs. Shaila Mahadik on 20-2-2004 was leveled against the concerned workman under the guise of misbehaviour. It was also it was alleged that, due to the irregularity of the

concerned workman, in attending duty the receipts belonging to Mis. Taurus Chemicals and M/s. Lyke Exports Ltd. were not attended in time and as such said customers received loss. He denied all these allegations and even he replied to it by his letter dated 6-3-2002. He states that, it was not considered by the Enquiry Officer and enquiry was held without giving him an opportunity. According to him enquiry was held without following the principles of natural justice and the finding given by the Enquiry Officer is perverse.

9. Though concerned workman on oath says like that, it is not disputed by 1st Party by cross examining the witness though matte was kept for cross of the concerned workman on number of occasions. 1st Party did not take care to attend the dates and cross examine the workman to support its action and to justify it. Even there was no request to recall the witnesses and permit concerned workman to cross examine the witnesses. However, there was one application dated 14-8-2008 i.e. after number of dates where 1st Party's Advocate requested to permit him to cross examine the 2nd Party workman. However, that application was not yet properly pursued by the 1st Party and said remained unattended. Thereafter 2nd Party filed written arguments at Exhibit 28 repeating the same story and evidence as reproduced above.

10. All this reveals that, the witnesses examined by 1st Party were not made available for cross of the 2nd Party or his representative. Enquiry proceeding was not filed by the 1st Party to justify that, the enquiry was fair and proper and the finding not perverse. In fact burden is on the 1st Party to show that, enquiry was fair and enquiry finding not perverse. When concerned workman alleges that, the enquiry was farce and finding perverse. Still he try to produce some documents with a list at Exhibit 14 in form of copy of enquiry proceeding. However, it is not explained how these pages are concerned with which witness and how it can help in holding, enquiry not fair and proper. All this reveals that, there is no systematic recording of proceedings of recording of inquiry by the Enquiry Officer to show that, enquiry was fair and proper and finding not perverse.

11. Concerned workman alleges that, enquiry was not fair and proper and finding given, is perverse. To justify that, 1st Party did not step in witness box neither called Enquiry Officer to substantiate his decision of holding enquiry and giving finding in favour of the Management. Against that, concerned workman by filing affidavit claim that, enquiry was not fair and proper and finding perverse. In the absence of evidence of the 1st Party on that point, I conclude that, enquiry is not fair and proper and finding perverse. So I answer these Issues to that effect.

12. Considering all this I conclude that, enquiry conducted against the concerned workman was not fair and proper and finding perverse.

13. Now burden shifts on 1st Party to justify its action of termination and I direct 1st Party to justify its action of termination. Hence, the order:

#### ORDER

- (a) Enquiry not fair and proper,
- (b) Finding perverse,
- (c) 1st Party is directed to justify its action of termination.

Bombay,  
19th May, 2009

A. A. LAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

क्र. आ. 2359.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स के. रामब्रह्मम एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 20/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/6/2005-आईआर(बी. II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2359.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 20/2006) of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of M/s. K. Ramabrahmam and Sons Pvt. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-34011/6/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT : Shri Ved Prakash, Presiding Officer

Dated the 19th day of March, 2009

Industrial Dispute No. 20/2006)

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and  
Dock Mazdoor Sangh,  
H.No.53-20-2/I, Chaitanyanagar,  
Visakhapatnam-5300 13.

...Petitioner

#### AND

The Director,  
Mis. K. Ramabrahmam & Sons Pvt. Ltd.,  
Steamer Agents, Stevedores, Shipping,  
Clearing & Forwarding Agencies, Regd.  
Office, 'Port View', Visakhapatnam-530 013 ...Respondent

**APPEARANCES**

For the Petitioner: M/s. O. Srinivas & K. Bhavani  
Shankarudu, Advocates

For the Respondent: M/s. Chintalapudi Sanjeeva  
Rao & C.N.S.P. Krishna Rao,  
Advocates

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L34011/6/2005-IR(B.II) dated 19-12-2005 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. K. Ramabrahmam & Sons Pvt. Ltd., Steamer Agents, Stevedores, Shipping, Clearing & Forwarding Agencies, and their workman. The reference is,

**SCHEDULE**

"Whether the del1land of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S/Sh. Kasarapu Appa Rao and 7 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. K. Ramabrahmam & Sons Pvt. Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 20/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement. It is submitted that the applicant workmen were employed by the Respondent as and when a ship is berthed and their services are utilized in accordance with the norms and regulations of the Shipping Ministry and as such they are also entitled for all social security measures and have been receiving bonus, D.A. etc., and their wages which are fixed as per the regulations of the Ministry of Shipping. It is further submitted that all of the applicant workmen have become jobless due to plying of buses by the D.L.B. buses. Hence, they are entitled for retrenchment compensation and other benefits so admissible.

3. Counter has been filed by the management. It is submitted that the management used to engage workers on casual basis and used to pay daily wages as per the circulars of the Ministry of Shipping. It is further submitted that at no point of time the applicant workmen worked with the Respondent management and as such the claim is not maintainable. Hence, the I.D. be dismissed.

4. On 19-3-2009, both parties called absent. The case is fixed for Petitioner's evidence but he is absent for more than a year, there is no justification for his absence or for adjournment, as such, evidence is closed. Hence, a Nil Award is passed in absence of evidence Transmit.

Award passed accordingly.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 19th day of March, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

**Appendix of evidence**

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

**Documents marked for the Petitioner**

NIL

**Documents marked for the Respondent**

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2360.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार प्रथम्युशा एसोसिएट्स के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 15/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/9/2005-आई.आर.(बी. II)]

राजेंद्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2360.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 15/2006) of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of M/s. Prathyusha Associates and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-34011/9/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT  
AT HYDERABAD**

**PRESENT:** Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 22nd day of April, 2009

**Industrial Dispute No. 15/2006**

**BETWEEN**

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and  
Dock Mazdoor Sangh,  
H.No.53-20-21/1, Chiatanyanagar,  
Visakhapatnam- 530013.

....Petitioner

## AND

The General Manager,  
M/s. Prathyusha Associates,  
Stevodoring Clearing,  
Forwarding Steamer Agents,  
Prathyusha House,  
D.No.25-40-12, Gangulavari Street,  
Visakhapatnam-53 0001.

.....Respondent

## APPEARANCES

For the Petitioner: M/s. O. Srinivas & K. Bhavani  
Shankarudu, Advocates

For the Respondent: M/s. Sanjeeva Rao & C.N.S.P.  
Krishna Rao, Advocates

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/9/2005-IR (B-II) dated 19.12.2005 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. Prathyusha Associates and their workman. The reference is,

## SCHEDULE

"Whether the demand of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S/Shri V. Srinivasa Rao and 7 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s Prathyusha Associates, Visakhapatnam is legal and /or justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 15/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement stating that the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the Petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual applicant.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant workmen and the Respondent and hence, the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam camp court, Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner has not filed evidence affidavit, as such, Petitioner's evidence is closed. Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

## Appendix of evidence

Witnesses examined  
for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the  
Respondent

NIL

## Documents marked for the Petitioner

NIL

## Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

क्र. आ. 2361.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण इरनाकुलम, कोचीन के पंचाट (संदर्भ संख्या 259/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/77/2006-आई.आर.(बी. II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2361.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 259/2006) of the Central Government Industrial Tribunal Ernakulam, Cochin now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-09.

[No. L-12011/77/2006-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

## IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT ERNAKULAM

Present: Shri.P.L.Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer  
(Wednesday the 1st day of July, 2009/10th Asadha, 1931)

I.D.259/2006

Union :

The Assistant Secretary,  
Canara Bank Staff Union (Regtd),  
Regional Office, Naresh Pal Center,  
Near Lissie Hospital, Ernakulam  
District, Ernakulam - 682 018.

Adv. Sri. H. B.Shenoy.



**Management :** The Deputy General Manager,  
Canara Bank,  
Circle Office, Trivandrum,  
Kerala State.

By Adv.P.Gopinath Menon.

This case coming up for hearing on 24-06-2009, this Tribunalcum-Labour Court on 01-07-2009 passed the following.

### AWARD

This is a reference made under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

"Whether the demand of the Canara Bank Staff Union for regularising Smt.Kumari Jayanthi as regular part-time Sweeper at the Attingal branch of Canara Bank is justified? If so, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. The facts of the case in brief are as follows:- Smt.Kumari Jayanthi, the worker in this case was engaged as casual part-time sweeper at Attingal branch of Canara Bank on 29-3-2004. She continued to work as such. While so, the management attempted to recruit part-time sweepers for permanent appointment. The worker then raised an industrial dispute. Hence this reference.

3. According to the management the worker was engaged as casual part-time sweeper on 29-03-2004. She was working only intermittently and not continuously. The management had initiated steps for regular recruitment as per recruitment norms by calling a panel of candidates from employment exchange. But the process got delayed. The worker did not conform to the eligibility criteria and hence her candidature could not be considered for absorption. The selection of the employment exchange sponsored candidates was conducted in 2006. Since the worker raised a dispute no appointment was made out of the selected candidates. The worker is not entitled for absorption. The management has not violated any of the provisions of Industrial Disputes Act.

4. In the light of the above contentions the only point that arises for consideration is :

#### Whether the worker is entitled for absorption?

The evidence consists of the oral testimony of WW 1 and 2 and Exts.W1 to 3 on the side of the union and MW1 and Exts. M1 to M4 on the side of the management.

5. **The point:**—The Attingal branch of Canara Bank was started on 29-3-2004. On the same day the worker Smt.Kumari Jayanthi was engaged as casual part-time sweeper. She continued to work. The management has no case that any other sweeper was engaged. While so, on 21-06-2004 the management obtained a list of candidates from employment exchange for the purpose of recruitment to the post of part time sweeper. It is evidenced by Ext. M1 (2nd page). A selection was made on 06-02-2006 (Ext.M 1

page-1). Meanwhile the worker raised a dispute. There was conciliation before the Assistant Labour Commissioner and Ext.W3 is the minutes of conciliation proceedings held on 23-5-2006. All along the worker was being engaged as casual part-time sweeper in the branch.

6. According to the management appointment to the post of regular part-time sweeper can be made only in accordance with recruitment norms for part-time employees. Ext. M2 is the recruitment norms. As per that the age limit for regular appointment as part-time sweeper is 18-26 years with age relaxation for SC/ST candidates, Ex-servicemen and physically handicapped persons. But the age criteria can be relaxed by Dy.General Manager of the circle in case the engagement of part-time employee is on consolidated wages. The worker admits that she was aged 43 at the time of her examination in Court on 13-2-2009. Regular vacancy of part-time sweeper arose on 29-3-2004 when the branch started functioning. That means the worker was aged 38 years in 2004. Since the maximum age limit is 26 years she was ineligible for recruitment. There was no possibility for relaxation of age by Deputy General Manager since she was paid on daily wage basis and not on consolidated wage basis. The union has no case that she belongs to SC/ST category or handicapped. Even if any of the relaxation mentioned in the recruitment norms is given still she would cross the age limit of 26 years. Regarding the educational qualification Ext.M2 norms provides that the maximum qualification is 5th standard and if such suitable persons are not available other candidates who have not passed 9th standard can be considered. WW1 admits that she had studied up to 10th standard and failed in the examination.

7. According to the union no recruitment norms are followed by the bank and Ext. M4 circular provides for consideration of casual part-time sweepers for absorption disregarding the norms. Ext. M4 is a circular dated 5-10-2000. The first paragraph of the circular says that when vacancy of part-time employee in a branch is filled up, the candidature ., of the person engaged in the leave vacancy of regular employee or in the regular vacancy, has to be considered first provided such person has worked for a sufficiently long period and conforms to the norms. In deserving cases, the norms can be relaxed for engaging such persons in regular vacancy. But as per Ext. M2 Recruitment Norms of 1993 the relaxation is applicable to age only and not educational qualification. Even if the age is relaxed the educational qualification is higher than prescribed in the norms. The claimant worked from 2004 onwards and the steps for filling up the vacancy was taken by the management in 2004 itself. In the list provided by the employment exchange the name of the worker was not included though she had registered her name long back in the employment exchange. Going by the recruitment norms it cannot be said that there is any violation of the norms in not considering the candidature of the worker for absorption. She is still working. Whether she has worked

continuously exceeding 240 days in a calendar year does not call for consideration in this reference. Suffice to say that the worker is ineligible for absorption and hence she is not entitled for any relief.

In the result an award is passed finding that the demand of the union for regularisation of Smt. Kumari Jayanthi as Part-time Sweeper is not legal or justified and the worker is not entitled for any relief. But it is made clear that the observation and the findings of this court shall not stand in the way of the management in continuing her in service as casual Part-time Sweeper as well as relaxing the norms.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 1st day of July, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

#### Appendix

##### Witness for the Union

WW1 - 13-2-2009 Smt. L. Kumari Jayanthi  
WW2 - 19-5-2009 Shri George K.V.

##### Witness for the Management

MW1 19-6-2009 Shri. A.P. Janardhanan

##### Exhibits for the Union

W1-1 Employment Exchange Card of Smt. Kumari Jayanthi.  
W2-1 Letter dated 1-12-2005 given to the Deputy General Manager, Canara, Bank, Trivandrum by Smt. Kumari Jayanthi.  
W3-1 Minutes of Joint Discussions/Conciliation, Proceedings held on 23-5-2006 between union and management in the presence of Assistant Labour Commissioner (C), Trivandrum.

##### Exhibits for the Management

M1- Letter written by the Branch to the Employment Exchange and the communication from the Branch dated 06-02-2006.  
M2- Circular dated 23-12-1993 regarding engagement of part time employees.  
M3- Relevant pages of the Bi-partite Settlement.  
M4- Circular dated 5-10-2000.

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का. आ. 2362.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में; केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इण्डिया के प्रबंधन के संबंध निषेधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/1/2005) को

प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/108/2004-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2362.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 2/1 of 2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. 2, Mumbai, now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12011/108/2004-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

Present: : Shri A.A. Lad, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/1 of 2005

Employers in Relation to the Management of Bank of India

The General Manager  
Bank of India,  
Mumbai, South Zone,  
70-80, M.G. Road, Fort,  
Bank of India Building,  
Mumbai-400023

AND

Their Workmen

The General Secretary,  
Bank of India Staff Union,  
Bank of India Building,  
Ground floor  
70/80, M. G. Road,  
Fort, Mumbai-400023.

#### APPEARANCES

For the Employer: Mr. L. L. D. Souza  
Representative

For the Workmen: Mr. P. D. Patel  
Advocate

Mumbai, dated the 12th May, 2009

#### AWARD PART-II

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12011/108/2004/IR(B-II) dated 15-9-2004 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bank of India Mumbai, South Zone, Mumbai in imposing the punishment of removal from service with superannuation benefits on Shri V.M. Parkhe w.e.f. 30-9-2002 is justified? If not, what relief the workman Shri V.M. Parkhe is entitled to?"

2. Claim statement is filed by General Secretary of the Bank of India Staff Union at Ex.-6 making out of that concerned workman Vasant Parkhe was put permanent staff member of the Bank and served for 30 years with unblemished record. During the relevant time, he was working as Head Cashier.

3. Charge Sheet was served on 10-12-2001 alleging that, he has not taken precaution while accepting cheques without indemnity and endorsement. As said cheques were duty drawback refunds issued to third party which were drawn on Reserve Bank of India, said cheques were accepted by the concerned workman by violating Bank's rules. In fact, enquiry was conducted by the Bank which was completed in haste and was farce. Bank and Inquiry Officer completed it just to remove the concerned workman from the employment. No Principles of Natural Justice was followed while conducting said enquiry. It is alleged that findings of Inquiry Officer are perverse. Inquiry Officer did not consider the evidence properly and used discretion to terminate concerned workman from employment which is nothing but exercising power colourably. So it is submitted that, the enquiry be held not proper and finding perverse. It is also prayed that, punishment awarded of removal on the basis of enquiry be set aside with direction to Bank to take concerned workman in the employment with back wages and continuity of service.

4. This is objected by first party Bank by filing Written statement at Ex.-7 accepting status of concerned workman as Head Cashier and his employment with Bank of 30 years. Bank has further made out case that, concerned workman had accepted 27 cheques crossed A/c payee to the order totaling Rs. 1,79,53,833. Said cheques were accepted by the concerned workman issued by the customs authorities and were drawn on Reserve Bank of India on which Bank was to issue refund of duty drawn back to the concerned customer. The cheques accepted by the concerned workman were A/c payee cheques for large amount to 3rd party accounts. Said Cheques were accepted by concerned workman without obtaining indemnity from the account holders and the accounts in which the cheques were collected cannot be termed as accounts of valued customers of old standings as those accounts were opened recently i.e. in 1997-98. Negligence was shown by the concerned workman by not taking care of it and as such, he was responsible for the loss of Bank. So charge of misconduct within meaning of clause 19.5 (j) of Bipartite Settlement was leveled against concerned workman leveling charge of "doing any act prejudicial to the interest of Bank or gross negligence involving or likely to involve the Bank

in serious loss". It is further stated that, concerned workman was informed by memorandum dated 10-12-2001 that Inquiry Officer will be appointed as per Bi-partite settlement and enquiry will be conducted to which he can appear with his defence representative. He was also asked to submit his explanation on the charges. Bank produced evidence and produced witnesses. Even he was permitted to defend himself. Accordingly, enquiry was conducted where he was represented by Defence Representative, Marathe. Both participated in the enquiry. Management examined one Mayekar who was cross examined by defence representative. Documents were produced by the Management, which were available for scrutiny of workman. After which Inquiry Officer recorded findings. He was invited to give his remarks on the proposed punishment where punishment of removal was confirmed. He was allowed to challenge said before punishment Disciplinary Authority. He took chance of it. However Disciplinary authority was firm on the decision of removal of concerned workman and punished concerned workman accordingly. So it is case of the management that, since concerned workman found guilty of charges leveled against him, punishment of dismissal is just and proper and does not require to be interfered.

5. This written statement was replied by second party by filing rejoinder at Ex-8 making out same type of case as pleaded in the claim statement.

6. In view of above pleadings, issue of fairness of enquiry and findings of Inquiry Officer were decided as preliminary issues by passing Part-I award on 10-01-2008.

7. Now remaining issues i.e. justification of action of first party of removing second party by giving benefit of superannuation survive which is answered as follows:

Issues	Findings
(iii) Whether management justified its action of removal of second party from its service with superannuation benefits?	Yes
(iv) What order?	As per order below.

#### Reasons

#### Issue no. 3:

8. Charge against concerned workman was leveled by issuing charge sheet dated 10-12-2001, that without taking precaution, second party workman accepted cheques without indemnity and endorsement of the customers. It is alleged that, said cheques were duty draw back issued to the third party which were drawn on Reserve Bank of India. It is alleged that, said cheques were accepted by the concerned workman by violating bank rules. On that enquiry was conducted by giving fair opportunity to concerned workman. No doubt concerned workman disputed the enquiry alleging that, enquiry was conducted in haste and was not conducted by following principles of

natural justice. He also challenged the findings of Inquiry Officer saying that, finding is perverse. On both issues evidence was recorded of the concerned workman and management and after hearing both this Tribunal observed enquiry fair, proper and findings not perverse by passing Part-I award on 10-01-2008.

9. On the basis of said findings, disciplinary authority decided to terminate services of the concerned workman Shri V.M. Parke w.e.f. 30-09-2002 by giving benefit of superannuation. That means, on the basis of said finding disciplinary authority decided to discontinue the concerned workman but taking care that he will get benefit of superannuation. That means first party decided to give benefit to the concerned workman as if he retired by attaining age of superannuation and observed he is entitled for benefits of superannuation. According to second party, said punishment is harsh one whereas case of first party is that considering the charges proved against concerned workman, first party taken care that concerned workman should not suffer economically after termination and treated as terminated on attaining age of superannuation as an employee.

10. Here as stated above, charge was levelled against concerned workman that, he did not follow the norms of banking while accepting cheques of the customers drawn on Reserve Bank of India. It was alleged that, said workman violated Bank rules and in the enquiry said charge was proved. As far as finding of this Tribunal on point of enquiry and on the point of findings of Inquiry Officer is concerned, this Tribunal observed enquiry was fair and proper and finding not perverse which was not challenged by concerned workman till this moment. That means enquiry and the findings given on enquiry still exist and we have to carry forward the defence of the concerned workman from that stage only.

11. In the affidavit filed at Ex-24 after Part-I award, concerned workman tried to explain as to how said incident happened. In the affidavit he states that, since he was Head Cashier and since he was the Head of the Cash Department, he was not having time to verify all the cheques and follow the formalities laid down by the bank while attending such a transaction. That means by said averment in the affidavit, rather he admits the incident and the charges levelled against him and by said he tried to explain as to how said mistake took place. In the affidavit he says that, he did not commit misconduct and prayed the right punishment. So the explanation given by concerned workman in the affidavit is about irregularities happens. In the cross he admits that, he was served with charge sheet.

12. Written submissions filed by concerned workman at Ex-28 and by first party at Ex-29 with citations. Written Arguments submitted by second party is nothing but describing in what way said incident took place and as to why he was blamed for the said incident. The advocate of the first party by referring citation published 1996 (II) LLJ 194 submits that, when charges are proved, where charge

of misconduct was levelled, in that case it is not within the jurisdiction of the Court to interfere the quantum of punishment. He also place reliance on the citation published in 2007 (I) LLN 780 to show that, though loss is not occurred to the Bank as a result of the act of concerned workman, he cannot be excused from the charges. He also place reliance on citation published in 2003 (I) LLN 843 where it is observed that, without showing how punishment is disproportionate, workman is not entitled to seek benefit. He also place reliance on citation published in 2003 (I) LLN 825 where it was observed that when misconduct is proved, Court cannot interfere with quantum of punishment. Besides it is observed that, Bank Officer is required to exercise higher standards of honesty and integrity. This officer was dealing with money transaction of the bank as Head Cashier and in that case he was expected to take all possible steps to discharge his duty with utmost integrity, honesty, devotion and sincerity. Other case laws produced by first party are not relevant to the issues at all.

13. As stated above, concerned workman was Head Cashier and was handling money transactions. In the affidavit, as stated above, he tried to explain in what circumstances said incident occurred. It should be noted that, Bank has decided to remove concerned workman but taking care that he should get benefit of his removal as if retired by attaining age of superannuation means, Bank treated concerned workman as served till age of superannuation and gave benefit of superannuation. This means that, Bank has considered in what situation this incident occurred and punished taking care of his back record. Even it appears that, Bank has considered the workload and the period in which incident took place. So from all these it reveals that, bank has considered it as misconduct by giving due consideration in what circumstances it happened and tried to protect concerned workman treating him as retired after attaining age of superannuation permitting him to take benefit of superannuation. It is not shown by second party that, how said punishment is harsh? It is also not shown how it is not legal or how it is not as per the provisions which are applicable to the concerned workman?

14. When charged is proved which was of gross misconduct then it is the prerogative of management to give punishment. Here Management has decided to remove concerned workman by taking care that, he should not receive financial loss permitting him to take benefit of superannuation.

15. So if we consider all these coupled with case made out by both, I am of the view that there is no point in the case of second party on punishment and I answer above issue to that effect and passes the following order:

#### ORDER

Reference is rejected.

Date: 12-5-2009

A. A. LAD, Presiding officer

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

## SCHEDULE

का.आ. 2363.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 16/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-12012/78/2006-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2363. —In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.16/2007) of the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12012/78/2006-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT  
AT HYDERABAD**

Present : Shri VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Dated the 1st Day of May, 2009

Industrial Dispute No. 16 / 2007

## BETWEEN

Sri B. Kishan,  
H.No. 22-4-447, Alizakotia,  
Charminar,  
Hyderabad-500002.

... Petitioner

And

The Deputy General Mangaer,  
State Bank of Hyderabad,  
Gunfoundry, Hyderabad-500001.

... Respondent

## APPEARANCES

For the Petitioner: Sri William Burra, Advocate

For the Respondent: Sri Ch. Siva Reddy,  
Advocate

## AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its order No. L-12012/78/2006- IR (B-II) dated 12-2-2007 referred the following dispute under section 10 (1) (d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of State Bank of Hyderabad and their workman. The reference is,

"Whether the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Hyderabad in terminating the services of Sri B. Kishan, Casual worker w.e.f. May, 2005 without following the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 is proper and justified? If not, what relief the workman concerned is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 16/2007 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner filed claim statement stating that he was appointed as a casual labour at State Bank of Hyderabad Agricultural Development Branch, Miryalaguda, Nalgonda District in February, 1992 and worked as such till June, 2005. It is prayed that the Petitioner be reinstated with all attendant benefits etc.

3. On 1-5-2009, when the case called out for respondent's filing of counter and documents, Petitioner's counsel along with Petitioner moved memo to withdraw the reference which was taken on record. Since, the matter has been referred by Ministry of Labour and Employment, New Delhi Petitioner can not withdraw the reference. However, Nil Award is passed in the light of withdrawal application.

Award Passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 1st day of May, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

## Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
--	--

Nil

Nil

Documents marked for the Petitioner

Nil

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2364.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विशाखापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 14/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-34011/2/2005-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2364. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.14/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/2/2005 IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated, the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No.14/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port Empl. Union,  
26-15-204, Dharmasakti Bhavan,  
Visakhapatnam- 530001

....Petitioner

AND

The Chairman,  
Visakhapatnam Port Trust,  
Port Area, Visakhapatnam-530035

... Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : Sri D.K. Sarma, General Secretary  
of the Union

For the Respondent : Sri B. S.S.N. Raju, Advocate

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/2/2005-IR(B-II) dated 31-10-2005 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman. The reference is,

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in ordering for recovery of the excess amount paid due to alleged erroneous fixation of pay w.e.f. 18-1-1999 thereby reducing the pay of Sh. N. Venkata Rao, Sr. Signal Man of Marine Department is legal and/or justified? If not, to what relief the Visakhapatnam Port Employees' Union which has raised the dispute is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 14/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement. It is submitted that the claim of the union is to implement the order of the Dy. Conservator vide his letter No.DC(PY/D/55 dated 28-4-2000 and to refix the pay in the revised scales at Rs.6820 w.e.f. 18-1-1999 in the post of JSM and consequential benefits thereupon. The Petitioner union also prays to cancel the office order No.QMAR/C&D/85/2004, dated 26-3-2004 issued by the Dy. Conservator vide his letter No. QMAR/C&D/2234/2004, dated 1-4-2004 and to pay the amount recovered from the employee with retrospective effect i.e., from 18-1-1999.

3. The Respondent filed counter. It is submitted that the pay of the employee has been got refixed to Rs.6690 vide certified copy by the FA & CAO's Lr. No.FA/EA/WRC/DC/2004/29, dated 12-3-2004. Accordingly, office order No.QMAR/C&D/82/2004, dated 20-3-2004 and ordered to recover the excess pay and allowances paid to the workman Sri N. Venkata Rao. Hence, the petition be dismissed.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam camp court, Petitioner called absent while Respondents counsel is present. Petitioner is not attending to this case after filing of claim statement, he is not taking interest to file evidence to proceed with the case, as such, Petitioner's evidence is closed. Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
--	--

NIL

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2365.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स रिप्ले एण्ड कम्पनी लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध निर्यातकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय

सरकार औद्योगिकअधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 19/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/5/2005-आई.आर.(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2365. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.19/2006) of the Central Government Industrial Tribunal /Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Ripley & Company Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/5/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated, the 19th day of March, 2009

Industrial Dispute No. 19/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor  
Sangh, H.No.53-20-21/1, Chaitanyanagar,  
Visakhapatnam-530013

...Petitioner

AND

The Manager,  
M/s. Ripley & Company Ltd.,  
D.No.25-27-1, Godavari Street,  
Visakhapatnam - 530001

... Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. O. Srinivas & K. Bhavani  
Shankarudu, Advocates

For the Respondent : M/s. Chintalapudi Sanjeeva Rao,  
C. Syamsundara Rao & C.N.S.P.  
Krishna Rao, Advocates

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/5/2005-IR(B.II) dated 19-12-2005 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. Ripley & Company Ltd., and their workman. The reference is,—

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S/Sh. V. Pydithalli and 3 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. Ripley & Company Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 19/2006 and notices issued to the parties.

2. Petitioner union filed claim statement stating that the workmen are the rowing boat workers and they are designated as Tindal or Khallasi and they were employed as and when a ship is berthed. It is submitted that they were removed without any notice or compensation. Hence, it is prayed to direct the Respondent to pay retrenchment compensation to each individual applicant in accordance with the length of their service etc.

3. Counter has been filed by the management. It is submitted that the management used to engage workers on casual basis and used to pay daily wages as per the circulars of the Ministry of Shipping. It is further submitted that at no point of time the applicant workmen worked with the Respondent management and as such the claim is not maintainable. Hence, the I.D. be dismissed.

4. On 19-3-2009, both parties called absent. The case is fixed for Petitioner's evidence but Petitioner is not attending to this case for last more than a year as such, his evidence is closed. Respondent is also not attending the case their evidence is also closed. Hence, a Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 19th day of March, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for  
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the  
Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2366.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बडौदा के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक

अधिकरण/श्रम न्यायालय सं. 1, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 4/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/50/2005-आईआर(बी-II)]

राजेंद्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2366. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 4/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. 1, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12011/50/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

### ANNEXURE

BEFORE DR. R.K. YADAV PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT NO.1 NEW DELHI  
KARKARDOOMA COURT COMPLEX DELHI

I.D. NO. 4/2006

Smt. Bhagwati,  
Through the General Secretary,  
(Bank of Baroda Employees Union, C/o BOB,  
4824/24, Ansari Road, Darya Ganj, ... Workman

Versus

The Dy. General Manager,  
Bank of Baroda,  
DMR-I, (Northern Zone) 12th floor, BOB  
Building, 16, Sansad Marg,  
New Delhi - 110001. ... Management

### AWARD

Smt. Bhagwati was appointed as part time sweeper by the Traders Bank Limited, Basant Gaon Branch, Delhi, in the year 1982. In 1988 the Traders Bank Limited was merged with Bank of Baroda. All employees of Traders Bank Limited, including Smt. Bhagwati were taken on the roll of Bank of Baroda. She was paid half of the time scale, at initial stage, without any annual increment. She was not granted any leave, medical aid, provident fund benefits, leave fair concession and other benefits. She sought regularization of her services, but her request was declined. A dispute was raised before conciliation officer. since conciliation proceedings failed, the appropriate government vide its Order No. L-12011/50/2005-IR-(B-II) dated 31-01-2006 referred the dispute to this Tribunal for adjudication with following terms:

“Whether the claim of the Bank of Baroda Employees Union that Smt. Bhagwati has been engaged as a temporary Safai Karamchari on half of the scale wages by the management of Bank of Baroda from

May, 1988? If so whether the claim of the union for regularization of service by the bank management is legal and justified and what relief is the disputant concerned entitled to?”

2. Claim statement was filed by the workman pleading that she was appointed as part time sweeper in Traders Bank Limited, Basant Gaon Branch, Delhi in the year 1982. On merger of Traders Bank Limited with Bank of Baroda in 1988 her services were transferred to Bank of Baroda. She alongwith other employees carried on the roll of Bank of Baroda. In the year 1999 she was transferred to Kirti Nagar Branch of the Bank and has been working there since then. She is in continuous service of the bank for more than 20 years, against a sanctioned post. She projects that she is being paid wages at half of the scale, at the initial of the scale without any annual increment. No leaves, medical aid, provident fund, and other benefits are accorded to her. Action of the management amounts to unfair labour practice. No appointment letter was issued to her. A claim was made that she may be regularized as part time workman of the bank.

3. Contest was given to her claim by the bank pleading that since she was not permanent employee of erstwhile Traders Bank Limited, she was not absorbed in the service of the bank. It has been denied that she was transferred to Kirti Nagar branch of the bank in 1999. Since she was not permanent employee hence not entitled to benefits like scale wages, leave, medical aid, provident fund and other benefits admissible under the law. It was claimed that she is not entitled to the relief of regularization of service as part time employee.

4. During pendency of adjudication of the dispute before this Tribunal Smt. Bhagwati was regularized in the service by the management w.e.f. 1-7-2008. Shri C.S. Dahia, General Secretary, Bank of Baroda Employees Union made a statement in that behalf. His statement is reflected thus: “I am General Secretary of Bank of Baroda Employees Union located at Bank of Baroda building at premises No. 4824/24 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi. Being General Secretary of the aforesaid Union, I am the authorized representative of Smt. Bhagwati, the workman. I am competent to make a statement on her behalf. I have been instructed to state that Smt. Bhagwati has been regularized in the service by the management on 1st of July, 2008. Since she has been regularized in services, hence there remains no grievance, which are to be adjudicated by this Tribunal. The reference may be answered as settled, in view of the fact that services of Smt. Bhagwati has been regularized.”

5. In view of the statement made by Shri Dahia, the General Secretary of Bank of Baroda Employees Union it came to light that grievance between Bhagwati and Bank of Baroda has been settled amicably. Now there remains no dispute between the parties. An Award is accordingly passed. It be sent to the appropriate Government for publication.

Dr. R.K. YADAV, Presiding Officer

Dated: 15-7-2009



नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2367.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स सीवेज शिपिंग लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 16/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-34011/7/2005-आईआर(बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2367. —In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 16/2006) of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Seaways Shipping Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-34011/7/2005-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer  
Dated the 22nd day of April, 2009

Industrial Dispute No. 16/2006

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Visakhapatnam Port and Dock Mazdoor  
Sangh, H.No.53-20-21/1, Chaitanyanagar,  
Visakhapatnam-530013 ... Petitioner  
AND

The General Manager,  
M/s. Seaways Shipping Ltd.,  
II floor, 24-4-11, Harbour Road,  
Visakhapatnam - 530001 ... Respondent

#### APPEARANCES

For the Petitioner : M/s. O. Srinivas & K. Bhavani  
Shankarudu, Advocates  
For the Respondent : M/s. Sanjeeva Rao,  
C.N.S.P. Krishna Rao, Advocates

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/7/2005-IR(B-II) dated 19-12-2005 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I.D.

Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of M/s. Seaways Shipping Ltd., and their workman. The reference is,

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the Visakhapatnam Port & Dock Mazdoor Sangh for payment of retrenchment compensation etc. to their member workmen viz. S. Sh. Kadiri Venkata Ramu and 7 others, Ex-Rowing Boat Workers (as per the list), according to their eligibility, by the management of M/s. Seaways Shipping Ltd., Visakhapatnam is legal and/or justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 16/2006 and notices issued to the parties.

2. The Petitioner union filed claim statement stating that the Petitioner workmen are Rowing Boat workers ferrying the personnel and labour engaged by the management. It is submitted that the Dock Labour Board itself is providing transport facility to its employees due to which the petitioner workmen become jobless and they were not provided with any job nor any compensation. It is prayed to direct the management to pay retrenchment compensation to each individual applicant.

3. The Respondent filed counter. It submitted that the Petitioner workmen are not the employees working under the Respondent and there is no employer and employee relationship between the applicant workmen and the Respondent and hence, the petition is not maintainable.

4. On 22-4-2009, when the case called out for evidence of Petitioner at Visakhapatnam Camp Court, Petitioner called absent while Respondent's counsel is present. Petitioner has not filed evidence affidavit, as such, Petitioner's evidence is closed as he is not attending to this case for more 2 years. Hence, Nil Award is passed in absence of any evidence.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 22nd day of April, 2009.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner
NIL

Documents marked for the Respondent
NIL

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2009

का.आ. 2368.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण इरनाकुलम, कोचिन के पंचाट (संदर्भ संख्या 22/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/129/2006-आई.आर. (बी-II)]

राजेन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th August, 2009

S.O. 2368. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.22/2007) of the Industrial Tribunal/Labour Court, Ernakulam, Kochin, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 3-8-2009.

[No. L-12012/129/2006-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present : Shri P.L. Norbert, B.A., LL.B. Presiding Officer  
(Thursday the 2nd day of July, 2009/11th Asadha, 1931)

I.D. 22/2007

Workman : Shri Dasan T.K., S/o.  
Shri Kannan,  
Thuzhithura House,  
Perumbadappu P.O.,  
Palluruthy, Kochi -682006.  
Adv. Shri B. N. Shiva Shanker

Management : The Assistant General Manager,  
Indian Bank,  
Circle Office, Pulleppady,  
Ernakulam, Kochi (Kerala)-682035  
By Adv. S. Easwaran.

This case coming up for hearing on 30-06-2009, this Tribunal-cum-Labour Court on 2-7-2009 passed the following.

#### AWARD

This is a reference made under Section 10(1) (d) of Industrial Disputes Act, The reference is:

"Whether the action of the management of Indian Bank in imposing the punishment of compulsory retirement to Sh. T. K. Dasan its former employee on the misconduct committed by the latter is fair and justifiable? If not, what relief he is entitled to?"

2. The facts of the case in brief are as follows:-  
Shri.T.K.Dasan was a sub staff of Indian Bank, Pallimukku Branch. While so he was charge sheeted for having forged a salary certificate purported to have been issued by Senior Manager, Circle Office, Ernakulam for the purpose of loan from Federal Bank. A domestic enquiry was conducted and he was found guilty of the charges. The disciplinary authority dismissed him from service which was modified to compulsory retirement with superannuation benefits by the appellate authority.

3. According to the worker he was unnecessarily dragged to a domestic enquiry despite admission of guilt. He has a clean past record. The punishment imposed is excessive and is liable to be set aside.

4. According to the management even though the workman admitted guilt an enquiry was conducted in order to provide an opportunity to the workman to put forward his contentions, if any. The misconduct is grave and warranted punishment of dismissal. However the Appellate Authority after hearing the workman modified the punishment by reducing it to compulsory retirement with superannuation benefits. The punishment is proportionate to the gravity of the misconduct and does not require any interference.

5. In the light of the above contentions the following points arise for consideration.

1. Are the findings sustainable?
2. Is the punishment proper?

6. The evidence consists of the oral testimony of MW1 and Exts.M1 and M1(a) on the side of the management and no evidence on the side of the workman.

7. Point No.1:- The worker had availed a loan from Federal Bank on 06.10.1999 by submitting along with other documents a salary certificate purported to have been signed by Sr. Manager, Circle Office, Ernakulam. According to the management it was a forged document. He was given a show cause notice. The worker admitted his guilt. However the management decided to conduct a domestic enquiry in view of the fact that the misconduct was grave in nature. Before the Enquiry Officer also the workman admitted the guilt. But the Enquiry Officer proceeded with the enquiry and took evidence from the side of the management. The Sr.Manager, Circle Office, Ernakulam was examined as MW1 and four documents, exts.MEX-1 to 4 were marked. Though the worker was allowed to take the assistance of a defence representative he did not avail the opportunity. However he was present in the enquiry. He was given chance to cross examine the management witness. But he did not do so. He was asked whether he had any witness or document to be presented. The workman answered in the negative.

8. In the light of the evidence of MW1 and documentary evidence of letter of Federal Bank requesting management bank to instruct the worker

to clear the arrears of loan instalments and three letters of the workman to the management bank undertaking to clear the loan and admitting his guilt regarding forging of salary certificate, the enquiry officer found the workman guilty of the charge. The evidence on the management side was not challenged by cross examining MW 1, or questioning the documents. Hence the findings are only to be confirmed.

9. Point No.2: —The disciplinary authority had imposed the punishment of dismissal from service which was modified by the appellate authority to compulsory retirement with superannuation benefits. It was submitted by the learned counsel for the worker that since the punishment imposed both by the disciplinary authority as well as the appellate authority is under clause 19.6(b) of First Bipartite Settlement which provides for penalty of warning or censure or recording of adverse remarks, the order of dismissal or compulsory retirement is unsustainable. The submission is not correct as Clause 19.6 was substituted by clause 21(iv) of 6th Bipartite Settlement dated 14-02-1995 which reads :—

Clause 21 (iv) "In supersession of Clause 19.6 of the settlement dated 19-10-1966 an employee found guilty of gross misconduct may:—

- a. be dismissed without notice; or
- b. be compulsorily retired/removed from service/discharged with superannuation benefits as would be due otherwise at that stage and without disqualification from future employment; or
- c. be brought down to lower stage in the scale of pay upto a maximum of two stages; or
- d. have his increment stopped; or
- e. have his special allowance withdrawn; or
- f. be warned or censured, or have an adverse remark against him; or
- g. be fined."

10. The disciplinary action was taken in 2000 and the 6th Bipartite Settlement is applicable in the case of worker. Therefore there is nothing wrong in invoking Clause 19.6(b) in imposing the punishment. However the question is whether the penalty imposed is harsh or excessive? According to the worker his past record is clean. He had admitted the guilt expecting that a minor punishment alone would be imposed. There is no merit in the contention. A case of forgery cannot be lightly treated by a banking institution. There is no evidence to show that the management had promised the worker a lighter punishment in case of admission of guilt. He had admitted the guilt before the management as well as 'Enquiry Officer voluntarily and not on account of any inducement or compulsion by the management. Therefore on that count no leniency could be shown by the disciplinary authority

or the appellate authority. The intrinsic nature of the misconduct is grave and the punishment imposed is only proportionate. The appellate authority has already shown leniency by modifying the order of dismissal to compulsory retirement with superannuation benefits. It is mentioned in the written statement of the management that -1:ewaf.El.s-gratuity, commutation of pension and employee's contribution to PF were already given which comes to about Rs.2,20,000. However according to the worker these payments were adjusted towards loans which he had taken from the bank. He also admits that he is getting pension of more than Rs.2,000 per month. Thus whatever leniency the management could show, was shown and calls for no further reduction of punishment by this court. It is for the bank to write off balance amount, if any, outstanding from the worker.

In the result an award is passed finding that the action of the management in imposing the punishment of compulsory retirement on Sri.T.K.Dasan is fair and justified and he is not entitled for any relief.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 2nd day of July, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

#### APPENDIX

Witness for the Workman Nil

Witness for the Management

MW 1-29-5-2009 Shri T. M. Saithumuhammed.

Exhibits for the Workman Nil

Exhibits for the Management

M 1 - Enquiry File.

M1 (a) - Proceedings of the Enquiry

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2369.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.- 1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 115/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/8/2002-आई.आर.(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेपूटि अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2369.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 115/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1 Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/8/2002-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDER KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1  
CHANDIGARH**

**Case No. I.D. 115/2002**

Sh. Jarnail S/o Shri Bachan Singh, Vill. Dhurali, P.O.  
Manauli, Tehsil Mohali, Ropa

**Applicant**

**Versus**

The Principal General Manager, Telecom. Sector-18,  
Chandigarh-160001

**Respondent**

**APPEARANCES**

For the Workman : None

For the Management : Shri G.C. Babbar.

**AWARD**

Passed on 27-7-2009

Central Government vide notification No. L-40012/8/2002/IR(DU), dated 3-6-2002, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Department of Telecom. Chandigarh in terminating the services of Shri Jarnail Singh I/R w.e.f. 28-2-1999 is just and legal? If so to what relief the workman is entitled?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already seven years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. It appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh

22-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2370.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.

1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 271/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/226/2000-आई.आर.(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2370.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 271/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1 Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/226/2000-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1  
CHANDIGARH**

**Case No. I.D. 271/2000**

Sh. Paramjit Singh, C/o Shri R.K. Sharma, H. No. 372,  
Sector-20-A, Chandigarh

**Applicant**

**Versus**

1. The Principal General Manager, Telecom. Sector-18,  
Chandigarh-160001

2. The Chief General Manager, Telecom. Punjab Circle,  
Sector-34, Chandigarh-160001

**Respondents**

**APPEARANCES**

For the Workman : None

For the Management : Shri G.C. Babbar.

**AWARD**

Passed on 27-7-2009

Central Government vide notification No. L-40012/226/2000/IR(DU), dated 31-7-2000, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of Chief General Manager, Telecom. Punjab Circle, Chandigarh and the Principal General manager, Telecom. Chandigarh Distt. in ordering disengagement/termination of services of Shri Paramjit Singh a workman engaged through contractor Shri R.K. Mittal w.e.f. 28-2-1999 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already nine years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. It appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh

22-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2371.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. I चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 121/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/458/2000-आई.आर. (डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2371.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 121/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/458/2000-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH**

Case No. I.D. 121/2001

Shri Vipin Kumar S/o Shri Jasbir Singh, ...Applicant  
H.No. HE 1232, Phase-I, Mohali, Ropar.

Versus

The Principal General Manager, Telecom ...Respondent  
Sector-18, Chandigarh-160001.

**APPEARANCES**

For the workman : None  
For the Management : Shri G. C. Babbar

**AWARD**

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/458/2000/IR(DU), dated 1-2-2001 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Department of Telecom, Chandigarh in terminating the services of Shri Vipin Kumar S/o Jasbir Singh w.e.f. 1-3-1999 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already eight years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. It appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh

27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2372.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. I चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 221/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/42/2001-आई.आर. (डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2372.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 221/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/42/2001-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH**

Case No. I. D. 221/2001

Shri Paras Nath S/o Shri Ram Kumar ...Applicant  
H.No. 659-B, Sector-46-B,  
Chandigarh-160001.

Versus

(1) The Principal General Manager, Telecom ...Respondent  
Sector-18, Chandigarh-160001.

(2) The Chief General Manager,  
Telecom, Punjab Circle, Sector-34,  
Chandigarh. ...Respondents

## APPEARANCES

For the workman : None  
For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government *vide* Notification No. L-40012/42/2001/IR(DU), dated 15-5-2001, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the mangement of Department of Telecom, Chandigarh in terminating the services of Shri Paras Nath S/o of Shri Ram Kumar w.e.f. 27-2-1999 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already eight years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. If appears that workman is not interested to persue with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2373.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 161/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/8/2001-आईआर(डीयू)]  
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2373.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 161/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/8/2001-IR (DU)]  
AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH

Case No. I. D. 161/2001

Shri Balbir Singh, C/o Shri R. K. Sharma, ...Applicant  
H.No. 372, Sector-20-A, Chandigarh.

Versus

(1) The Principal General Manager, Telecom, Sector-18,  
Chandigarh-160001.

(2) The Chief General Manager, Telecom, Punjab Circle,  
Sector-34, Chandigarh.

...Respondents

## APPEARANCES

For the workman : None  
For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government *vide* Notification No. L-40012/8/2001/IR(DU), dated 12-4-2001, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of Chief General Manager, Telecom, Punjab Circle, Chandigarh and the Principal General Manager, Telecom, Chandigarh Distt. in ordering disengagement/termination of services of Shri Balbir Singh, a workman engaged through contractor Shri Anil Kumar w.e.f. 27-2-1999 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?”

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already eight years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. If appears that workman is not interested to persue with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2374.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 311/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/200/2000-आईआर(डीयू)]  
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2374.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 311/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.-I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/200/2000-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH**

Case No. I. D. 311/2000

Shri Bejinder Kumar S/o Sh. Soharg Singh, H.No. 1104,  
Ram Darbar, Phase II, Chandigarh. ...Applicant

Versus

The General Manager, Telecom, Sector-18,  
Chandigarh-160001.

...Respondents

## APPEARANCES

For the workman : None

For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/200/2000/IR(DU), dated 31-7-2000, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of General Manager, Telecom, Chandigarh interminating the services of Sh. Bejinder Kumar S/o Sh. Soharg Singh is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already nine years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. If appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. अ. 2375.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-I, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 401/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/334/2000-आईआर(डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2375.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 401/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.-I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/334/2000-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH**

Case No. I. D. 401/2000

Shri Manoj Kumar, S/o Shri Ayodhya, S.B.S. Colony,  
Sector-49, Chandigarh. ...Applicant

Versus

The General Manager, Telecom, Sector-18, Chandigarh.

...Respondents

## APPEARANCES

For the workman : None

For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/334/2000/IR(DU), dated 28-9-2000, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of General Manager, Telecom, Chandigarh in terminating the services of Shri Manoj Kumar S/o Shri Ayodhya is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already nine years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his

evidence. It appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

क्र. आ. 2376.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 327/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/270/2000-आईआर(डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2376.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 327/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/270/2000-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH

Case No. I. D. 327/2000

Shri Jasbir Singh, S/o Shri Tarsaem Singh. Vill.-Chabrar,  
PO Nagal, The Rajpura, Patiala. ...Applicant

Versus

The General Manager, Telecom, Sector-18, Chandigarh-  
...Respondent

#### APPEARANCES

For the workman : None

For the Management : Shri G. C. Babbar

#### AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/270/2000/IR(DU), dated 29-7-2009, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of General manager, Telecom. Chandigarh in terminating the services of Shri Jasbir Singh S/o Shri Tarsaem Singh is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already nine years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. It appears that workman is not interested to peruse with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

क्र. आ. 2377.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 111/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/12/2002-आईआर(डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2377.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 111/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.-I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-40012/12/2002-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH

Case No. I. D. 111/2002

Shri Kulwinder Singh, S/o Shri Hardev Singh, VPO  
Ranimajra, Tehsil Rajpura, Patiala. ...Applicant

Versus

The Principal General Manager, Telecom,  
Sector-18, Chandigarh-160011. ...Respondent



## APPEARANCES

For the workman : None  
For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/12/2002/IR(DU), dated 3-6-2002, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Department of Telecom, Chandigarh in terminating the services of Shri Kulwinder Singh T/Man w.e.f. 28-2-99 is just and legal? If so to what relief the workman is entitled?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already seven years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. If appears that workman is not interested to persue with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2378.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-I, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 65/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/219/2002-आईआर(डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2378.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 65/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.-I, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No.L-40012/219/2002-IR(DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH

Case No. I. D. 65/2003

Sh. Kulwant Parzapatti, S/o Sh. Sarzu Parzapatti, #212, Village Bhudhanpur, P.O. Sector-15. ...Applicant

Versus

The Principal General Manager, Telecom, Sector-18, Chandigarh-160001.

...Respondent

## APPEARANCES

For the workman : None  
For the Management : Shri G. C. Babbar

## AWARD

Passed on : 27-7-2009

Central Government vide Notification No. L-40012/219/2002/IR(DU), dated 21-3-2003, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Department of Telecom, Chandigarh in terminating the services of Sh. Kulwant Parzapatti, Ex-Line Man w.e.f. 27-2-99 without complying with the provisions of Section 25F of the ID Act, 1947 is just and legal? If not, so what relief the workman is entitled?"

2. Case repeatedly called. No one appeared for the workman. The case is already six years old. Despite notice the workman has not put up his appearance for his evidence. If appears that workman is not interested to persue with the present claim in reference. Hence, the present claim in the reference is returned to the Central Government as such for want of prosecution. Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh  
27-7-2009

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2379.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इण्डियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-I, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 66/99, 122/98, 10/99, 12/99, 32/99, 128/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/126/97-आईआर(डीयू)]

[सं. एल-42012/95/97-आईआर(डीयू)]

[सं. एल-42012/115/98-आईआर(डीयू)]

[सं. एल-42012/120/98-आईआर(डीयू)]

[सं. एल-42012/142/98-आईआर(डीयू)]

[सं. एल-42012/101/97-आईआर(डीयू)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

296848109-25

New Delhi, the 6th August, 2009

**S.O. 2379.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No's. 66/99, 122/98, 10/99, 12/99, 32/99, 128/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. I Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian agricultural Research Institute and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-42012/126/97-IR (DU)]

[No. L-42012/95/97-IR (DU)]

[No. L-42012/115/98-IR (DU)]

[No. L-42012/120/98-IR (DU)]

[No. L-42012/142/98-IR (DU)]

[No. L-42012/101/97-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH**

**Case No. I.D. No's 66/99, 122/98, 10/99, 12/99, 32/99  
& 128/98**

1. Shri Hari Ram S/o Sh. Nanu Ram, Village & P.O. Baldi, Tehsil. & District Karnal.
2. Sh. Rameshwar S/o Sh. Hirda Ram, Village & P.O. Baldi, Tehsil and District Karnal.
3. Shri Chote Lal S/o Sh. Ashfi Mehto, H.No. 18, I.S.R.I., Karnal.
4. Shri Ompal S/o Sh. Surjan Singh, Village Sheikhpura (Suhana) District Karnal.
5. Smt. Urmila W/O Sh. Babu Ram R/o 12/8, Harijan Basti, Kaithal Road, Karnal.
6. Sh. Man Singh S/o Sh. Nirmal Singh Village & P.O. Baldi, Tehsil & District Karnal.

.... Applicants

Versus

The Head, Indian Agricultural Research Institute,  
Karnal.

....Respondent

#### APPEARANCES

For the workman Shri Sandeep Bhardwaj,  
Advocate.

For the Management Shri Raj Kumar Sharma

#### AWARD

Passed 27-7-09

Government of India, vide Notification No. L-42012/126/97-IR (DU) Dated 17-2-99, L-42012/95/97-IR (DU) Dated 24-6-1998, L-42012/115/98/IR (DU) Dated 30-11-1998, L-42012/120/98/IR (DU) Dated 30-11-1998, L-42012/142/98/IR (DU) Dated 04-02-1999 and L-42012/101/97/IR (DU) Dated

24-06-1998, by exercising its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, (hereinafter referred to as the Act), referred the following six references for judicial adjudication to this Tribunal:—

1. "Whether the action of the management of Indian Agriculture Research, Karnal in terminating the services of Sh. Hari Ram S/o Sh. Nanu Ram w.e.f. 6-6-90 legal & justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
2. "Whether the action of the management of IARI, Karnal by not giving a chance to Sh. Rameshwar S/o Sh. Hirda Ram, Daily Paid Labourer for his re-engagement and re-engaging his juniors into employment is legal and justified. If not, to what relief the workman is entitled?"
3. "Whether the action of the management of IARI, Karnal by not giving a chance to Chote Lal S/o Sh. Ashfi Mehto daily paid labourer for his engagement and re-engaging his juniors into employment is legal and justified. If not, to what relief the workman is entitled?"
4. "Whether the action of the management of IARI, Karnal by not giving a chance to Sh. Om Pal S/o Sh. Surajan Singh daily paid labourers for his re-engagement and re-engaging his juniors into employment is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
5. "Whether the action of the management of I.A.R.I. Karnal by not giving a chance to Smt. Urmila S/o Sh. Babu Ram daily paid labourers for her engagement and re-engaging her juniors is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
6. "Whether the action of the management of IARI, Karnal by not giving a chance to Shri Man Singh S/o Shri Nirmal Singh Daily Paid Labourers for his re-engagement and re-engaging his juniors into employment is legal & justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

Common questions of law and facts are involved in all these references; hence, the references are disposed of by this award.

In ID No. 66/99 the reference is regarding the nature of termination of the services of the workman, whereas, in rest of the references the legality of right to re-engagement has been entrusted to this Tribunal.

The main question of adjudication before this Tribunal is whether the management has failed for re-engagement of the workman whereas, their juniors were employed.

The common case of all the workman, which gave the occasion for raising these industrial disputes, is that all the workman worked with the management of the respondent for different times and dates. Suddenly, they

were not permitted to work with the department in violation of the provisions of the Act. Thereafter, ignoring the seniority of the workman, 47 daily-wage labourers were appointed by the management in violation of Section 25F, 25G and 25H of the Act. All the workman were also entitled for work but no heed was given to their request. Their juniors were provided with the work, whereas, on repeated requests the workman were refused to the right to work. On the basis of their above mentioned claim, the workman have prayed for their reinstatement into the services with full back wages.

The management of the respondent appeared and contested the claim by filing written statement in all the references. A preliminary objection was raised that Indian Council for Agricultural Research, New Delhi, is a society registered under the "Societies Registration Act." and on the basis of the activities carried on and functions discharged, it is not an industry. On merits, it is alleged by the management that in the year 1993, it was decided by the Director, IARI, New Delhi to maintain the seniority list of all the DPL's. Thereafter, an advertisement was made in three Newspapers through DAVP vide letter No. 4-1/93/94/2827, dated 27-01-93, informing the general public that whosoever had worked with the respondent may apply for the re-engagement by 28-08-93. Copies of the latter written to DAVP for advertisement and Circular issued by the respondent have been filed by the management. It is also the contention of the management that in pursuance of the aforesaid notice/advertisement, 54 persons have applied by due date and 47 daily paid workers were appointed. As no workman has applied and had not completed 240 days of work in the preceding year from the date of the termination, they are not entitled for any relief under the provisions of the Act.

All the workman preferred to file the rejoinder with the contention that no advertisement was published in any of the newspapers. All the workman are illiterate and there was no notice to them for such a scheme and the management arbitrarily on the basis of pick and choose policy provided with the work even to the juniors of the workman.

As stated earlier, the management has raised preliminary objection about the status of respondent as industry. I have heard learned counsel for the parties on this issue, perused the written arguments placed by the parties and other materials on record. The term industry has been defined in Section 2(j) of the Act, to mean any business, trade, undertaking, manufacture or calling for employers and includes any calling services, employment, handicraft, or industrial occupation or avocation of workman. In *Bangalore Water Supply & Sewerage Board Versus A. Rajappa & Others* AIR, 1978-Supreme Court-548, seven Judges Bench of Hon'ble Supreme Court has defined the word industry very exhaustively. As per the above mentioned Judgment of the Hon'ble Apex Court,

the term 'industry' has been defined in Sub-Section 2(j) in a *vide* import as :—

(a) Where there is (i) systematic activity, (ii) organized by co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is chimerical, and (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious but inclusive of materials things or services geared to celestial bliss), *prima facie* there is an industry in the enterprise.

(b) Absence of profit, motive or gainful objective is irrelevant, be the venture in the public, joint, private or other sector.

(c) The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer-employee relations.

(d) If the organization is a trade or business it does not cease to be one because of philanthropy animating the undertaking.

Thus, the test (especially triple test) referred by Hon'ble Apex Court in *Bangalore Water Supply and Sewerage Board's* case (*supra*) are necessary to qualify any institution to be an industry.

Regarding the sovereign functions, Hon'ble Apex Court has held that sovereign functions strictly understood alone does not qualify exemption for being an industry, nor the welfare activities or economic adventures undertaken by Government or Statutory bodies. Even in department discharging sovereign functions, if there are units which are industries and are substantially severable then they can be considered to come within Section 2(j) of the Act, in the definition of 'industry'.

Thus, the decision whether the particular organization is an industry or not is to be taken by the work done and business carried on by it, which absolutely depends on the facts and circumstances of each case? Admittedly, as it is clear from the rules and regulation and memorandum of association of the ICAR, the main work of the management and functions discharged by it are as follows :—

(a) To undertake, aid, promote, and co-ordinate agricultural and animal husbandry education, research and its application in practice, development and marketing in India and its Protectorates and any other areas in or in relation to which the Government of India has and exercises any jurisdiction by treaty, agreement, grant usage, sufferance or other lawful means by all means calculated to increase secure its adoption in every day practice.

(b) To Act as a clearing house of information not only in regard to research but also in regard to agricultural and veterinary matters generally.

(c) For purposes of the society to draw and accept and make and endorse discount and negotiate Government of India and other promissory notes, bills of exchange, cheques or other negotiable instruments.

(d) To invest the funds of, or money entrusted to, the society upon such securities or in such manner as may from time to time be determined by the Government Body and from time to time to sell or transpose such investments.

(e) To purchase, take on lease, accept as a gift or otherwise acquire, any land or building, whenever situate in India which may be necessary or convenient for the society.

(f) To construct or alter any building which may be necessary for the society.

(g) To sell, lease, exchange and otherwise transfer all or any portion of the properties of the society.

(h) To establish and maintain a research and reference library in pursuance of the objects of the society with reading and writing rooms and to furnish the same with books, reviews, magazines, newspapers and other publications.

(i) To do all other things as the Society may consider necessary, incidental or conducive to the attainment of the above objects.

On the basis of the activities carried on by the management of the respondent, it is argued by learned counsel of the management that the activities are similar to the physical research laboratory and the physical research laboratory has been held not to be an 'industry' in *Physical Research Laboratory Vs. K. G. Sharma*, 1997 (3) RSJ-215.

I have gone through the entire materials on record. The activities as mentioned above carried on by the management of ICAR are not similar to the Physical Research Laboratory. The management has also supplied the copies of mission, mandate and objectives, which also contain the detail description of the activities carried on by the ICAR. On the basis of the activities carried on by the ICAR, I am of the view that the respondent is not carrying on the research work only which can seek exemption from the definition of term 'industry' as sovereign functions. As per the law laid down by the Supreme Court in *Bangalore Water Supply and Sewerage Board case* (supra), even in department discharging sovereign functions, if there are units which are industries and are substantial severable, it may qualify for the industry. Thus, on the basis of the activities carried on and the work done by the management of respondent, I am of the view that the respondent ICAR is an 'industry'.

From the nature of reference, it is clear that this Tribunal has not been entrusted by the Central Government to adjudicate the matter of appointment and retrenchment of all the workmen. The Tribunal is entrusted only to

adjudicate the legality of issue regarding failure of management in providing opportunity of work while preparing the seniority list of persons who have ever worked with the management? Thus the duty of this Tribunal is further extended to adjudicate the violation of any right of the workmen regarding the priority of work.

It is the contention of the management that the policy regarding the maintenance of seniority list was advertised in the newspapers. No newspaper containing the advertising has been filed by the management. The management failed to mention the names of the newspapers and dates of its publication in its pleadings and evidence. Shri J. P. Gupta, MW-1 the witness of the management has stated in his cross-examination that the advertisement was published in three newspapers, but he failed to name the newspapers and to disclose the date of publication. It was a special fact to be proved by the management that the workmen, whose claim are being adjudicated by this award were served proper and adequate notice for preparing the seniority list so that they could have also applied. The management has failed to prove that any advertisement was published in any of the newspapers as alleged. The management has further failed to prove that notice by registered post or otherwise were sent to the workmen before preparing and maintain the seniority list in compliance of the policy adopted by the management. The language of model advertisement (specimen), which is on record, shows that it was pasted on the notice board and no other action was taken by the management regarding the service of notice upon the persons who had ever worked with the management, for the purpose of maintaining the seniority. It was the duty of the management to inform all the persons who had ever worked with it by all possible sources to ensure proper, adequate and effective notice. Even if, one person was left unnoticed, it would have amounted to an infringement of his right of natural justice.

It was a good move by the management for maintaining the seniority in the betterment of the workmen, but implemented in a wrong way. After maintaining the seniority, few persons raised the industrial dispute that they have not been informed properly before maintaining seniority. During the conciliation proceedings in said industrial dispute, a settlement was entered between the management and the workmen. It was settled that a separate seniority list will be maintained by the management and according to the seniority, the work will be provided to the persons. But the management was satisfied by maintaining the second seniority list without fulfilling the other conditions for providing the job to any of the workmen from the second seniority list. The seniority list prepared by the management without proper information to all the persons contained the names of certain persons who are juniors to the workmen in violation of their right to priority on job, protected as such, under the provisions of the Act. It is admitted by the management that some juniors to the workmen are working.

Unfortunately, this Tribunal also took abnormal time of 11 years for disposal of these references and during the 11 years the management has not provided the work to any of the persons from the second list. Thus, the preparation and maintenance of second seniority list was a face wash by the management without any intention to provide the work to any of the workmen listed in second seniority list. Accordingly, the management has violated the right to priority of work protected under the provisions of the Act. There was no notice prior to the preparation of first list, and thereafter, on raising the industrial dispute, which was disposed of on the settlement between the parties, no honour was given by the management, which is also violation of Sections 18 and 19 of the Act. There is no weight in the contention of the management that the workmen had not applied as per the advertisement because there was no notice of the alleged advertisement to any of the workmen and management prepared the previous list without proper circulation of the scheme amongst the persons who had ever worked with the management.

The next question before this Tribunal is how the violation of the right of the workmen should be remedied? In my view, the remedy lies in direction to the management for preparing the one list as per the seniority of the workmen, and if any of the workmen from the second list is found senior to the workmen who have been provided the work from the list one, they should be provided with the job immediately. The fact of management by maintaining a second list with assurance to provide the work to the workmen is an indirect admission of laches in publication of advertisement of the scheme and the service of notice upon them. Accordingly, the management is directed to maintain only one seniority list at the place of two, and if the workmen are found senior to the workmen who are working with the management, the management is further directed to reinstate them without the back wages within one month from the publication of the award. The references are disposed of accordingly. Let the Central Government be approached for publication of award, and thereafter, files be consigned to the record room.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2380.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेशन कैण्टीन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. -I, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 380/05, 218/04, 222/04, 224/04, 220/04, 221/04, 217/04, 194/02) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-14012/2/2005-आई.आर. (डी.यू.),

एल-14012/44,40,39,41,42,45/2003-आई.आर. (डी.यू.)

एल-14012/17/2002-आई.आर. (डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S. O. 2380.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 380/05, 218/04, 222/04, 224/04, 220/04, 221/04, 217/04, 194/02) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No.-I, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Station Canteen and their workman, which was received by the Central Government on 06-8-2009.

[No. L-14012/2/2005-IR(DU)

L-14012/44,40,39,41,42,45/2003-IR(DU)

L-14012/17/2002-IR(DU)

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,  
CHANDIGARH

Case No. I.D. Nos. 380/2005, 218/2004, 222/2004,  
224/2004, 220/2004, 221/2004, 217/2004 and 194/  
2002

1. Sh. S.S. Brar R/o House No. 2927, CRPF Colony, Durgi Phase-I, Ludhiana.
2. Sh. Didar Singh Dhillon, R/o Vill. Nawa Pind, Ram Garh, Ludhiana.
3. Shri Parsham Singh, VPO, Punjab Bhanaur, District Ludhiana.
4. Sh. H.S. Jhaj, 80 Adarash Colony, Barewal Road, Ludhiana.
5. Smt. Manorma Pathania, W/o Sh. S. K. Pathania, H. No. 1058, Street No. 90, Tagore-A Civil Lines, Ludhiana.
6. Sh. Bhag Singh, VPO Altiana, District Ludhiana.
7. Sh. Jagjit Singh S/o Sh. Harbhajan Singh R/o V & PO Lalton Khurd, District Ludhiana.
8. Ms. Kamaljit Kaur W/o Sh. Kulwinder Singh, R/o H. No. 54465/14, New Shivpuri, Ludhiana.

.....Applicants

Versus

The Chairman, Station Canteen, Ludhiana, HQ.715(1), AD Bde C/o 56 A.P.O.

.....Respondent

#### APPEARANCES

For the workman : Shri Paramjit Datta, AR.

For the Management : Shri Gurpreet Singh, Advocate

**AWARD**

Passed on 27-7-09

The Government of India, vide Notification No. L-14012/2/2005(IR(DU)) Dated 22-07-2005, L-14012/44/2003-IR(DU)) Dated 19-05-2004, L-14012/40/2003-IR(DU)) Dated 19-05-2004, L-14012/39/2003-IR(DU) Dated 19-05-2004, L-14012/41/2003-IR(DU) Dated 19-05-2004, L-14012/42/2003-IR(DU) Dated 19-05-2004, L-14012/45/2003-IR(DU) Dated 19-05-2004 and L-14012/17/2002-IR(DU) Dated 03-09-2002, by exercising its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, (hereinafter referred to as an Act), referred the following eight references for judicial adjudication of this Tribunal:

1. "Whether the action of the management of Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Shri S.S.Brar, w.e.f. 30-11-2000 without any notice and without any payment of retrenchment compensation is legal and just? If not, to what relief the workman is entitled to and from which date?"

2. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Sh. Didar Singh Dhillon, Ex-Clerk w.e.f. October, 1992 without any notice and without paying him any retrenchment compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

3. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Sh. Parsham Singh, Ex Caretaker/Watchman w.e.f. 10-4-2000 without any notice and without paying him any retrenchment compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

4. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Sh. H.S. Jhaj, Ex-Cashier w.e.f. 15-4-1999 without any notice and without paying him any retrenchment compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

5. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Smt. Manorma Pathania, LR Late Shri S.K. Pathania, Ex-Salesman w.e.f. 1-12-98 without any notice and without paying her any retrenchment compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

6. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Sh. Bhag Singh, Ex-Watchman w.e.f. 10-4-2000 without any notice and without paying him any retrenchment

compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

7. "Whether the CSD Canteen is an industry or not? If so the action of the management of Chairman, Vajra Station Canteen, Ludhiana in terminating the services of Sh. Jagjit Singh, S/o Sh. Harbhajan Singh, Ex-Store-keeper w.e.f. 30-11-2000 without any notice and without paying him any retrenchment compensation is legal and just? If not to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

8. "Whether the action of the management of Managing Committee, Station Canteen Ludhiana in terminating the services of Ms. Kamaljit Kaur W/o Sh. Kulwinder Singh, Salesgirl, w.e.f. 30-11-98 without paying her any retrenchment compensation is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

Common questions of law and facts are involved in all these references; hence, the references are hereby disposed of by this award. The main question for determination before this Tribunal in all these references is whether the termination of the workmen by the management of respondent on different dates between October, 1992 to 2000 is illegal? If so, to what relief all the workmen are entitled?

On perusal of the pleadings of parties, it is evident that the workmen were engaged on the basis of the result of interviews held by the management for running the Station Canteen, established and set up for the benefit of ex-military personnel's. On perusal of pleadings, it is also evident that initially all the workmen were appointed for a fixed term through a written instrument (agreement) and the said period was extended from time to time. On extension of the time a separate instrument (agreement) was executed. The management has contended that the nature of appointment was contractual for a fixed term and on expiry of the term of contract, the services of workmen stand terminated automatically. It was not a continuous appointment but was an appointment for a short time, which was, as per the terms and conditions of the contract to be terminated automatically on expiry of its term.

Workmen in their pleadings and evidences have admitted that they were appointed for a fixed term with the contention that this fixed term appointment is unlawful labour practice. They have continuously serve in the canteen set up by the management and their services were protected from termination without notice and terminal dues in compliance of the provisions of the Act.

I have gone through the evidence of the parties, oral and documentary and other materials on record. It is settled principle of service jurisprudence that if any appointment is made for a fixed term, it ceases to exist on expiry of its term. In all the references, the agreements executed in between the parties from time to time are on record. On

Careful perusal of the contract, it is evident that appointment letters were issued to all the workmen on their selection after interviews and a document was executed between them titled as "Contract Form for employment of the Station Canteen, Ludhiana (Punjab)." On perusal of all the terms and conditions of this instrument, it is clear that the appointment of workmen was for a fixed term. Even before fixed term, services of the workmen could have also been terminated on the following grounds :—

1. On closure of the Canteen, the services of the workmen could have terminated automatically.
2. On misconduct of the workmen, the services could have been terminated, and
3. Clause 14 of the instrument provide that on termination of the contract, the first party (workmen) shall deliver to second party (management) all books, records, stocks and other articles belonging to the first party.

It means, on termination of the contract, the services of the workmen came to an end and he was under the contractual obligation to return all the books, records, stocks and other articles held by him during the period he had served the management.

Thus, on perusal of all the evidences on record, I am of the view that appointment of workmen was purely contractual for a fixed term. After expiry of said term another instrument was executed between the parties, further for fixed term. Fresh appointment letter was given to the workman on execution of fresh instrument and such appointment cannot be treated perpetual appointment (appointment in continuation). On expiry of the bilateral instrument, the services of the workmen came to an end and if management opted to get the services of the workmen once again, it was a fresh appointment and cannot be called as the appointment in continuation. I am not inclined to accept the continuation of the workmen that such an appointment is unlawful labour practice. On going through the intention of the administrative policy for establishment and set up of Canteen, it is clear that canteen are set up for the purpose of providing the services (work) to the ex-military personnel's, if available to run the canteen. There is a force in the contention of the management that services to maximum retired personnel's should be provided. Thus, such appointments are not unlawful labour practices, because the appointments were made and contracts executed as per the provisions of law.

The canteen, to which workmen served, as stated earlier, is established for the benefit of ex-military personnel. Under the beneficiary scheme, the administration of the Canteen is also given to ex-military personnel up to the age of 58 years. In my opinion contractual appointment are given to the military personnel with a view to extend the benefit of such beneficiary scheme to the maximum ex-military personnel. Such a scheme is not unlawful labour

practice. On the basis of the above discussion, I am of the view that appointments of the workmen were for a fixed term and on expiry of the fixed term, their services were automatically terminated. It will have no effect that how many times fresh appointments were made for a fixed term. Every appointment for a fixed term was a separate and independent appointment. On expiry of the term fixed in last instrument, the services of the workmen were terminated and no notice or retrenchment compensation was required to be issued/paid. The management was not under any obligation to give any notice, if not willing to terminate the services of the workmen prior to the life of instrument. On the basis of above discussion, all the references are answered that the termination of the workmen by the management is not illegal because their services, which were contractual in nature were terminated automatically with the life of the contract and workmen are not entitled to any relief. Let the Central Government be approached for publication of the award, and thereafter, files be consigned to record room.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2381.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ऑर्डनेन्स फैक्ट्री के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एलसी/आर/117/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-14012/89/99-आईआर (डीयू),  
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी]

New Delhi, the 6th August, 2009

S. O. 2381.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/117/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Ordnance Factory and their workman, which was received by the Central Government on 6-8-2009.

[No. L-14012/89/99-IR(DU)]  
AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/117/2000

Presiding Officer: Shri Mohd, Shakir Hasan



Shri Ramdayal, S/o Sh. Ramprasad,  
H.No. 234, Koshta Mehalla,  
Hardaul Mandir ke Peeche,  
South Miloniganj,  
Jabalpur (MP)

... Workman/Union

Versus

The General Manager,  
Ordnance Factory, Khamaria,  
Jabalpur

... Management

### AWARD

Passed on this 21st day of July-2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-14012/89/99/IR(DU) dated 21-6-2000 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:

"Whether the action of the management of General Manager, Ordnance Factory, Jabalpur in dismissing the services of their workman Shri Ramdayal S/o Sh. Ramprasad, Ex-labour "B", T.No. A-2/4/62695 w.e.f. 5-10-91 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The case of the workman in short is that he was deputed as Labour "B" in Section A-2 on 10-5-90 at Ordnance Factory, Khamaria, Jabalpur. He was called by the Security Office where he went and found that two brass cups were kept on the table. It is stated that theft of which was being attributed upon the workman. Despite protest, he was forced to sign on a statement which was later disclosed as confessional statement. A chargesheet was issued on 28-5-90. A departmental enquiry was conducted but the documents demanded by the workman was supplied and he was denied opportunity to defend himself. Thereafter the enquiry proceeded exparte and the enquiry report was submitted to the disciplinary authority who mechanically passed the penalty order of dismissal on 5-10-91. The workman preferred an appeal against the said penalty but the same was rejected on 1-8-93. It is stated that there was no loss or damage to the Government property. The penalty of dismissal has rendered the workman unemployed, depriving him and his family member of the sources of their livelihood.

3. The management/non-applicant also appeared and filed Written Statement. The case of the non-applicant, inter alia, is that the workman raised this dispute after a period of eight years from the date of punishment. It is stated that the workman was brought to the office of the Foreman on suspicion on 10-5-1990 and on interrogation, he took out two brass cups, concealed under his pant and shirt. Thereafter he was handed over to security guard alongwith the brass cups. Seizure memo was prepared. A statement was taken and he confessed his guilt. He was placed under suspension w.e.f. 11-5-90 and charges were

served on him but he denied the charges. The Court of enquiry was conducted. The Enquiry Officer asked the workman to avail assistance of a co-worker/defence counsel who availed the assistance of Shri G.R.C. Nair as his defence counsel. Presenting Officer produced his evidence and the witness was cross-examined by the defence counsel. After the evidence of the management, the workman and his counsel did not appear in the proceeding though several adjournments were done. Lastly the Enquiry Officer closed the proceeding and submitted enquiry report to Disciplinary Authority. The Disciplinary Authority also gave opportunity to the workman to be heard on the enquiry report. Thereafter the disciplinary authority after considering that the charges were proved, passed the order of dismissal w.e.f. 5-10-91. The workman preferred appeal but the same was rejected on 1-3-93. It is stated that considering the gravity of misconduct, the punishment was just and proper and it is also in the public interest. On these grounds, the reference be answered in favour of the non-applicant/management.

4. On the basis of the pleadings of both the parties, the following issues are for adjudication:—

- (i) Whether the departmental enquiry conducted was proper and legal?
- (ii) Whether the punishment imposed on the workman was just and proper?

### 5. Issue No. 1

This issue No.1 is already decided as a preliminary issue on 12-6-06. It is held that the DE conducted by the management is legal, proper and in accordance with the principles of natural justice. Accordingly, this issue is already decided in favour of the management and against the workman.

### 6. Issue No. 2

It is argued on behalf of the management that there was inordinate delay of eight years and there is no explanation in this regard. The learned counsel for the workman submits that the workman preferred appeal and the same was disposed of in 1993. However, there is delay and there is no proper explanation. It also appears that before filing dispute before this Tribunal, the workman filed petition vide No. OA-244/98 before the Hon'ble Central Administrative Tribunal against the order of punishment. The same was dismissed by the order dated 18-5-98. This shows that it is decided by competent Tribunal.

7. In this case, only documentary evidence is adduced by the management. No oral or documentary evidence is adduced by the workman. The learned counsel for the workman submits on the point of punishment that the workman is a first offender and his 10 years past service was clean. It is also submitted that the alleged theft articles were also not produced at the time of enquiry and as such the dismissal of the workman is not justified. On the other hand, the learned counsel for the management submits



that the charge of theft is proved against the workman and under Rule-14 of the CCS(CCA) Rules, 1965, there was gross misconduct and the conduct is unbecoming of a Government Servant. As such, the punishment imposed on him is sufficient and just. Considering the evidence available on the record specially that the allegation of theft of a Government property is proved from the protected area by Government Servant. It appears that the punishment is just and proper. There appears to be no need to interfere in the order of punishment. Accordingly, this issue is decided in favour of the management and against the workman.

8. In the result, the award is passed against the workman and in favour of the management without the order of costs.

9. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का. आ. 2382.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेन्टर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 69/2009) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/21/2009-आई.आर.(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S. O. 2382.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 69/2009) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court Chennai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Liquid Propulsion System Centre and their workman, which was received by the Central Government on 06-8-2009.

[No. L-42011/21/2009-IR(DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT CHENNAI

Tuesday, the 28th July, 2009

Present: A.N. JANARDANAN, Presiding Officer

#### Industrial Dispute No. 69/2009

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947(14 of 1947), between the Management of Liquid Propulsion Systems Centre, Deptt. of ISRO and their Workmen)

#### BETWEEN

The Secretary  
Kumari District Bharatiya General  
Workers Union  
Saradhanagar  
Parvathipuram  
Nagercoil-3

I Party/Petitioner Union

Vs.

1. The Senior Administrative Officer : 1st Respondent  
Liquid Propulsion System Centre  
Mahendragiri PO, Tirunelveli Distt.  
Tirunelveli-627133
2. The Secretary : 2nd Respondent  
Department of Space  
Government of India,  
New Delhi
3. The Head : 3rd Respondent  
Liquid Propulsion Systems Centre  
Valimala PO, Thiruvananthapuram

#### APPEARANCE

For the Petitioner : In person

For the Management : Sri R. Priya Kumar, Central Govt.  
Standing Counsel

#### AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide its Order No. L-42011/21/2009-IR(DU) dated 25-06-2009 referred the following Industrial Dispute to this Tribunal for adjudication.

The schedule mentioned in that order is :

"Whether the demand of Kumari District Bharatiya General Workers Union for grant of temporary status/regularization of services of Shri S. Babu and 28 Others, as per Annexure, is legal and justified? If yes, what relief the workmen are entitled to?"

2. After the receipt of Industrial Dispute, this Tribunal has numbered it as ID 69/2009 and issued notices to both sides. The petitioner appeared in person and the Respondent proposed to engage a counsel. No Claim or Counter Statement was filed by either of the parties.

3. While so the petitioner put in a request in writing signifying the desire to settle the dispute with a further request to put an end to the ID. He made an endorsement in writing to the effect that ID 69/2009 is not pressed as is sought to be withdrawn under his dated signature.

Points for consideration are:

(i) Whether the demand of the petitioner is legal or justified?

(ii) To what relief the petitioner is entitled?

**Point No. 1 & 2**

4. As matters stand, the question referred to is whether the demand for grant of temporary status/regularization of services of S. Babu and 28 others is legal and justified? There has been no material placed by the petitioner for a finding in that direction. The petitioner has not come forth or ventured to adduce any evidence in view of the fact that he wants the matter to be settled before the Central Administrative Tribunal, Chennai wherein the same dispute is pending in OA 455/2009 for a remedy. To that end in view, the petitioner has sought the ID to be withdrawn as being not pressed. It being the position, it has not been made possible to determine whether or not the demand of the Union under the reference is legal and justified. Since the burden to prove that is upon the petitioner and he having not discharged that function the reference is answered in the negative. The petitioner is therefore not entitled to any relief.

5. Thus the reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 28th July, 2009)

A. N. JANARDANAN, Presiding Officer

**Witnesses Examined:**

For the I Party/Petitioner : None

For the II Party/Mgmt. : None

**Documents Marked :—**

**On the petitioner's side**

Ex. No.	Date	Description
	Nil	

**On the Management's side**

Ex. No.	Date	Description
	Nil	

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का.आ. 2383.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एलसी/आर/5/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/200/96-आई.आर.(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2383.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/5/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workman, which was received by the Central Government on 06-08-2009.

[No. L-42012/200/96-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR**

No. CGIT/LC/R/5/98.

Presiding Officer : Shri Mohd. Shakir Hasan

Shri Dharam Lal Sahu,  
S/o Shri Mehtru Ram Sahu.  
At-Bhim Nagar,  
Gram-Dongargarh,  
P.O. Dongargarh,  
Distt. Rajnandgaon (MP)

...Workman/Union

Versus

The Executive Engineer,  
C.P.W.D.,  
Jabalpur Central Division,  
Survey of India Colony,  
Jabalpur (M.P)

...Management

**AWARD**

Passed on this 22nd day of July, 2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-42012/200/96/IR(DU) dated 1-1-98 has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of C.P.W.D., Central Division, Jabalpur in terminating the service of Shri Dharam Lal Sahu, S/o Shri Mehtru Ram Sahu, Resident of Bhim Nagar, Dongargarh, Distt. Rajnandgaon w.e.f. 1-6-95 is lawful and justified. If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the applicant/workman in short is that he was working with the non-applicant w.e.f. 10-8-88 as Lower Division Clerk to the entire satisfaction of his superior. The non-applicant is said to have terminated him from the service w.e.f. 1-6-95 without assigning any reason. The non-applicant is an Industry within the meaning of Section 2(j) of I.D. Act. It is stated that workman worked continuously for 240 days in every year and non-applicant had not complied the provisions of Section 25(f) of the Industrial Disputes Act. The termination of the applicant is illegal and bad in law. It is submitted that the applicant be reinstated with full back wages.

3. The management/non-applicant appeared and contested the case by filing Written Statement in the case. The case of the non-applicant, inter alia, is that the workman was never engaged as LDC. In order to carry out the supervision of the Construction of Jawahar Navodaya Vidyalaya, at Dongargarh (MP) sub-division was created in the month of April, 1989. Since the construction was for a definite period, as such no post was sanctioned and temporary staffs were engaged without complying the statutory rules for appointment. The said staffs were made aware that their services were only for the project work. It is stated that on completion of the construction work, the sub-division office as well as Division office at Raipur had to be closed. Under the circumstances, the workman was engaged for project work with a definite time period and his case comes within the provision of Section 2(oo) of I.D. Act. Therefore, no prior notice was required nor the provision of Sec-25-F of the I.D. Act is attracted. It is submitted that the reference be answered in favour of the management.

4. On the basis of the pleadings of both the parties, the following issues are for adjudication—

- (i) Whether the Workman was appointed by the management for a fixed period and was terminated after the expiry of said period?
- (ii) If no, whether the workman was terminated after complying the provision of Sec.-25(F) of the I.D. Act?

5. To prove the case, the workman has adduced oral and documentary evidence. The management/non-applicant has not examined any evidence to substantiate the case.

#### 6. Issue No. 1

The first important question is as to whether the workman was appointed by the management on contract for a fix period and was terminated after the expiry of the said period under the provision of Sec.-2(oo)(bb) of I.D. Act.

On the basis of the pleading of both the parties, it is admitted that the workman was engaged by the management at the time of construction work of Jawahar Navodaya Vidyalaya. It is stated by the workman in his pleading that he worked from 10-8-88 to 1-6-95. There is no denial of this fact by the management. This fact also appears to be admitted that he worked from 10-8-88 to 1-6-95.

7. The burden is on the management to prove that the workman was appointed by the management on contract for a fixed period and was terminated after the expiry of the said period. The management/non-applicant has not adduced any oral or documentary evidence. The management has failed to discharge his duty to prove his case. On the other hand, the workman has adduced oral and documentary evidence in the case. He has filed photocopy of a Certificate (W-1) to show that he worked

continuously from 10-8-88 to 31-5-95. The original is not filed though it appears that it is in the possession of the workman. There is no evidence as to why the original is not filed. As such this document appears to be not fit to take into evidence.

8. The workman has also adduced evidence. He has stated that he worked continuously from 10-8-88 to 31-5-95 and he was terminated on 31-5-95 without any notice and without giving any compensation. He has been cross-examined. He has supported his case that at the first instance, he was appointed in the office and still the construction work is going on. He has further stated that the office of the CPWD is still in existence though the construction of Navodaya Vidyalaya has ended and he has been terminated. This fact does not show that he was appointed only for the period of construction of Navodaya Vidyalaya. The evidence shows that the workman worked more than 240 days in a calendar year before termination. This fact appears to be also admitted by the management in his pleading. There is no other evidence to contradict the evidence of the workman. This issue is answered in favour of the applicant and against the management.

#### 9. Issue No. 2

There is no evidence adduced on behalf of the management that the workman was terminated after complying the provision of Sec.-25-F of the I.D. Act. The workman has stated in his evidence that no notice was served nor any compensation was given before terminating the workman. This clearly shows that the non-applicant has violated the provision of Sec.-25-F of the I.D. Act. The workman is entitled to be reinstated on the post of Chowkidar in which he was last working with back wages. Accordingly, this issue is answered in favour of the workman and against the management.

10. In the result, the award is passed in favour of the workman and against the management without costs.

11. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का.आ. 2384.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एलसी/आर/6/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-8-09 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/201/96-आई.आर.(डी.यू.)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th August, 2009

**S.O. 2384.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/6/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workmen, which was received by the Central Government on 06-08-2009.

[No. L-42012/201/96-IR (DU)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/6/98.

**Presiding Officer : Shri Mohd. Shakir Hasan**

Shri Santosh Kumar Kupatkar,

Ganesh ward No. 8,

House No. 142, Kalkapara

P.O. Dongargarh,

Distt. Rajnandgaon (MP)

...Workman/Union

Versus

The Executive Engineer,

Jabalpur Central Division,

C.P.W.D.,

Jabalpur (M.P.)

...Management

#### AWARD

Passed on this 22nd day of July, 2009

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-42012/201/96/IR(DU) dated 1-1-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the management of C.P.W.D., Central Division, Jabalpur in terminating the service of Shri. Santosh Kumar Kupatkar w.e.f. 31-5-95 is lawful and justify. If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. The case of the applicant/workman in short is that he was working with the non-applicant w.e.f. 17-2-89 as Lower Division Clerk to the entire satisfaction of his superior. The non-applicant is said to have terminated him from the service w.e.f. 31-5-95 without assigning any reason. The non-applicant is an Industry within the meaning of Section 2(j) of ID. Act. It is stated that workman worked continuously for 240 days in every year and non-applicant had not complied the provisions of Section 25( f) of the Industrial Dispute Act. The termination of the applicant is illegal and bad in law. It is submitted that the applicant be reinstated with full back wages.

3. The management/non-applicant appeared and contested the case by filing Written Statement in the case.

The case of the non-applicant, inter alia, is that the workman was never engaged as LDC. In order to Carry out the supervision of the Construction of Jawahar Navodaya Vidyalaya, at Dongargarh (MP) sub division was created in the month of April 1989. Since the construction was for a definite period, as such no post was sanction and temporary staffs were engaged without complying the statutory rules for appointment. The said staffs were made aware that their services were only for the project work. It is stated that on completion of the construction work, the sub division office as well as Division office at Raipur had to be closed. Under the circumstances, the workman was engaged for project work with a definite time period and his case comes within the provision of Section 2(oo) of ID. Act. Therefore, no prior notice was required nor the provision of Sec-25-F of the ID. Act is attracted. It is submitted that the reference be answered in favour of the management.

4. On the basis of the pleadings of both the parties, the following issues are for adjudication—

- (i) Whether the workman was appointed by the management for a fixed period and was terminated after the expiry of said period ?
- (ii) If no, whether the workman was terminated after complying the provision of Sec-25(F) of the I.D. Act ?

5. To prove the case, the workman has adduced oral and documentary evidence. The management/non-applicant has not examined any evidence to substantiate the case.

#### 6. Issue No. 1

The first important question is as to whether the workman was appointed by the management on contract for a fix period and was terminated after the expiry of the said period under the provision of Sec-2( oo) (bb) of I.D. Act. On the basis of the pleading of both the parties, it is admitted that the workman was engaged by the management at the time of construction work of Jawahar Navodaya Vidyalaya. It is stated by the workman in his pleading that he worked from 17-2-89 to 31-5-95. There is no denial of this fact by the management. This fact also appears to be admitted that he worked from 17-2-89 to 31-5-95.

7. The burden is on the management to prove that the workman was appointed by the management on contract for a fixed period and was terminated after the expiry of the said period. The management/non-applicant has not adduced any oral or documentary evidence. The management has failed to discharge his duty to prove his case. On the other hand, the workman has adduced oral and documentary evidence in the case. He has filed photocopy of a Certificate (W-1) to show that he worked continuously from 17-2-89 to 31-5-95. The original is not filed though it appears that it is in the possession of the workman. There is no evidence as to why the original is

not filed. As such this document appears to be not fit to take into evidence.

8. The workman has also adduced evidence. He has stated that he worked continuously from 17-2-89 to 31-5-95 and he was terminated on 31-5-95 without any notice and without giving any compensation. He has been cross-examined. He has supported his case that at the first instance, he was appointed in the office and still the construction work is going on. He has further stated that the office of the CPWD is still in existence though the construction of Navodaya Vidyalaya has ended and he has been terminated. This fact does not show that he was appointed only for the period of construction of Navodaya Vidyalaya. The evidence shows that the workman worked more than 240 days in a calendar year before termination. This fact appears to be also admitted by the management in his pleading. There is no other evidence to contradict the evidence of the workman. This issue is answered in favour of the applicant and against the management.

#### 9. Issue No. 2

There is no evidence adduced on behalf of the management that the workman was terminated after complying the provision of Sec-25-F of the I.D.Act. The workman has stated in his evidence that no notice was served nor any compensation was given before terminating the workman. This clearly shows that the non-applicant has violated the provision of Sec-25-F of the I.D.Act. The workman is entitled to be reinstated on the post of Lower Division Clerk in which he was last working with back wages. Accordingly this issue is answered in favour of the workman and against the management.

10. In the result, the award is passed in favour of the workman and against the management without costs.

11. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

